TITLE CODE :-DELHIN29015

राजनीतिक दांव

जीत सत्य की...

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से प्रकाशित

पेज-8 | मैं जीवन के उस पड़ाव में हूं जहां फील्ड पर उत्साह या निराशा... | वर्ष-01 | अंक-24 | नई दिल्ली, शुक्रवार 20 मई, 2022 | पृष्ठ-08 | ₹-2 रु0

नयी शिक्षा नीति देश के उज्जवल भविष्य का दस्तावेज: शाह

नयी दिल्ली, एजेंसी। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति को देश के उज्जवल भविष्य का दस्तावेज करार देते हुए कहा है कि इसमें भारतीय मूल्यों में निहित शिक्षा प्रणाली की परिकल्पना को मौजूदा समय के अनुरूप जमीन पर उतारने का प्रयास किया गया है।

श्री शाह ने गुरुवार को यहां दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा 'स्वराज से नव-भारत तक भारत के विचारों का पुनरावलोकन' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए यह बात कही। तीन दिवसीय इस संगोष्ठी का आयोजन दिल्ली विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह के उपलक्ष्य में विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग ने किया है। उद्घाटन समारोह में केन्द्रीय शिक्षा और कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान और दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह समेत अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने विश्वविद्यालय और विद्यार्थी को परिवर्तन के विचार, नीति और कल्पना का वाहक बताया और कहा कि जब भी युग बदलता है तो उस परिवर्तन का वाहक हमेशा विश्वविद्यालय ही होता है। आज देश में इतने सारे विश्वविद्यालयों के बीच भी दिल्ली विश्वविद्यालय ने न केवल अपनी प्रासंगिकता बनाए रखी है, बल्कि अपने नेतृत्व के गुण को भी संजोकर रखा है। उन्होंने कहा, अंग्रेजों ने वर्ष 1922 में देश की राजधानी बदल कर दिल्ली यूनिवर्सिटी की स्थापना की और कई ऐतिहासिक प्रसंगों का

दिल्ली विश्वविद्यालय साक्षी रहा है। वर्ष 1975 में देश के लोकतंत्र को बचाने के आंदोलन में भी दिल्ली यूनिवर्सिटी का बहुत बड़ा योगदान रहा। देश के अनेक आंदोलनों का साक्षी और उन्हें परिणाम तक पहुंचाने का माध्यम दिल्ली विश्वविद्यालय रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि देश में 2014 से परिवर्तन का जो युग शुरू हुआ है दिल्ली विश्वविद्यालय भी इसका वाहक बनेगा।

श्री शाह ने कहा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारत के भविष्य का उज्जवल दस्तावेज है। 2020 की नई शिक्षा नीति में भारतीय मूल्यों में निहित शिक्षा प्रणाली की परिकल्पना को आज के समय के अनुरूप जमीन पर उतारने का प्रयास किया गया है। हर प्रकार के ज्ञान को एक प्लेटफार्म देने का प्रयास है, रोजगारी को भी प्लेटफार्म देने का प्रयास है। बच्चा सिर्फ पढ़ लिखकर सिर्फ. ग्रेजुएट होकर बाहर न निकले, बच्चे में जो क्षमता भरी पड़ी है, उन क्षमताओं का संपूर्ण दोहन करने का उसको प्लेटफार्म देना पड़ेगा। वह अपनी क्षमताओं का सबसे ज्यादा से ज्यादा उपयोग कर पाए इस प्रकार से उसको तैयार करना चाहिए और यह व्यवस्था नई शिक्षा नीति में है।

उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति को बारीकी से देखेंगे तो मालूम पड़ेगा कि यह देश के लिए 5-3-3-4 का जो नया मॉडल आया है वो 10 प्लस 2 के मॉडल की जगह कितना उपयुक्त होने वाला है। उन्होंने कहा, मैं मानता हूं कि पहले पांच साल मातृभाषा में पढ़ाई बच्चे के विकास के लिए बहुत जरूरी है। न केवल बच्चे के विकास के लिए बल्कि देश के विकास के लिए भी बहुत जरूरी है क्योंकि हमारी संस्कृति, इतिहास, साहित्य, व्याकरण बच्चे को उसकी मातृभाषा में पढ़ाया जाए और अगर बच्चा उसी से कट जाता है तो वह अपने मूल से कट जाता है।

श्री शाह ने कहा, देश की शिक्षा व्यवस्था में सिर्फ अंग्रेजी ही नहीं बल्कि दुनिया की किसी भी भाषा का अभ्यास करें लेकिन अगर मैं गुजराती न पढ़ूं, हिंदी न पढ़ूं तो मैं अपने आप को इस देश की मूल धारा के साथ जोड़कर नहीं रख

पाऊंगा। मोदी जी ने इस पर थ्रस्ट दिया है। हमारी सरकार ने कई प्रकार से सोच-विचार कर, कई लोगों के सुझाव लेकर नयी शिक्षा नीति को लागू करने का निर्णय किया है।

उन्होंने कहा कि शायद यह पहली शिक्षा नीति है जिसका कोई विरोध नहीं कर पाया है और सबने इसका स्वागत किया है। यही बताता है कि यह कितनी समावेशी है। इसका उद्देश्य नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देना, आत्मसात करना, शोध और पेशेवरों की एक ऐसी फौज तैयार करना है जो देश में अनुसंधान एवं विकास और पेशेवर अंदाज को बढ़ायेगी।

श्री शाह ने कहा कि कुछ लोग इस देश को समस्याओं का देश कहते हैं, लेकिन लाखों समस्याओं का समाधान भी इस देश के विचार में ही है। उन्होंने कहा कि यूनिवर्सिटी को वैचारिक लड़ाई और हिंसा का अखाड़ा नहीं बनाना चाहिए। उन्होंने कहा,आईडियोलॉजी यूनिवर्सिटी से ही उत्पन्न होती है। युवा आईडियोलॉजी में संघर्ष की जगह विमर्श को स्थान दें, जो श्रेष्ठ है वह अपने आप बाहर आ जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने दी आजम खान को अंतरिम जमानत

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने समाजवादी पार्टी (सपा) नेता और उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री आजम खान की अंतरिम जमानत की अर्जी गुरुवार को स्वीकार कर ली। न्यायमूर्ति एल. नागेश्वर राव, न्यायमूर्ति बी. आर. गवयी और ए. एस. बोपन्ना की पीठ ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत प्राप्त अपनी अधिकारों का प्रयोग करते हुए अंतरिम जमानत का आदेश पारित करते हुए याचिकाकर्ता पूर्व मंत्री को संबंधित अदालत के समक्ष दो सप्ताह के भीतर नियमित जमानत की अर्जी दाखिल करने की अनुमति दी। शीर्ष अदालत ने 17 मई को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की ओर से जमानत मामले में कोई फैसला लेने में देरी पर शीर्ष अदालत ने अपनी नाराजगी व्यक्त की थी। उच्च न्यायालय ने पिछले साल दिसंबर में पूर्व मंत्री की जमानत अर्जी पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। इस बीच याचिकाकर्ता ने अंतरिम जमानत के लिए शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था, जहां उन्हें उच्च न्यायालय में जाने का निर्देश दिया गया था। पिछली सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ता खान को 87 मामलों में से 86 में जमानत मिलने तथ्य पर गौर किया तथा कथित तौर पर जमीन हड़पने के एक मामले में जमानत पर फैसला करने में देरी पर नाराजगी जताते हुए सख्त टिप्पणियां की थीं। शीर्ष अदालत ने उच्च न्यायालय को आजम खान की जमानत पर अपना कोई फैसला लेने का मौका देते हुए कहा था, अब फैसला सुरक्षित नहीं रखा जा सकता है। 137 दिनों मे कोई आदेश पारित नहीं किया गया है। उन्हें (आजम खान को) 86 मामलों में जमानत पर रिहा किया गया था। यह एक मामला है। हम केवल इतना ही कह सकते

हैं कि यह (इस हालत में जमानत पर फैसले में में देरी) न्याय का मजाक है। यदि आवश्यकता होगी तो हम और कुछ कहेंगे।

उत्तर प्रदेश के सीतापुर के जेल में बंद पूर्व मंत्री खान के एक वकील ने अदालत के समक्ष कहा था कि उच्च न्यायालय ने पिछले साल दिसंबर में जमानत अर्जी पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था, लेकिन राज्य सरकार को एक हलफनामा दाखिल करके रिकॉर्ड पर नई सामग्री लाने की अनुमति दी थी। यह मामला उत्तर प्रदेश रामपुर में मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय परियोजना के लिए जमीन हड़पने के आरोप से जुड़ा हुआ है। पूर्व सांसद खान ने विधानसभा चुनाव प्रचार में भाग लेने के लिए फरवरी में शीर्ष अदालत से अंतरिम जमानत की गुहार लगाई थी। तब शीर्ष अदालत ने उनकी अर्जी अस्वीकार करते हुए इलाहाबाद उच्च न्यायालय के समक्ष जाने को कहा था, जहां उनकी जमानत याचिका लंबित है।

देश में महंगाई ने दिया एक और झटका

फिर बढ़े रसोई गैस के दाम

नई दिल्ली। देश में पहले से ही महंगाई की मार झेल रही जनता को एक और झटका देते हुए गुरुवार को घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम में 3.50 रुपये प्रति सिलेंडर और कमर्शियल सिलेंडर के दाम में 8 रुपये प्रति सिलेंडर की वृद्धि की गई। बढ़ी हुई कीमतों के बाद अब घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतें देश के सभी बड़े शहरों में 1,000 रुपये से अधिक हो जाएंगी। कीमतों में हुए इस संशोधन को आज से ही लागू कर दिया जाएगा। 14.2 किलोग्राम के बिना सब्सिडी वाले सिलेंडर की कीमत अब नई दिल्ली में 1003.00 रुपये, कोलकाता में 1029.00 रुपये, मुंबई में 1002.50 रुपये और चेन्नई में 1018.50 रुपये होगी। यह इस महीने दूसरी दफा है जब घरेलू सिलेंडर के

दाम बढ़े हैं। इससे पहले 7 मई को 50 रुपये बढ़ाए गए थे। घरेलू सिलेंडर के साथ कमर्शियल सिलेंडरों के दामों में भी पहले से इजाफा हुआ है। इनमें आठ रुपये तक की वृद्धि की गई है। अब दिल्ली में एक 19 किलो के सिलेंडर की कीमत 2,354 रुपये, कोलकाता में 2,454 रुपये, मुंबई में 2,306 रुपये और चेन्नई में 2,507 रुपये होगी। यह कमर्शियल सिलेंडरों में किया गया तीसरा संशोधन है। इससे पहले, 7 मई को सिलेंडर की कीमतों में 10 रुपये तक की गिरावट की गई थी। हालांकि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

हार्दिक पटेल ने भाजपा में शामिल होने से किया इनकार

कहा- जीवन के 3 साल हुए बर्बाद, अब ईमानदारी से करूंगा फैसला

अहमदाबाद। कांग्रेस से हाल में त्यागपत्र देने वाले पाटीदार आरक्षण आंदोलन के नेता हार्दिक पटेल ने आज एक बार फिर मुख्य विपक्षी दल और इसके नेताओं पर तीखा हमला बोला और कहा कि फि लहाल उन्होंने भाजपा अथवा आम आदमी पार्टी में शामिल होने के बारे में कोई फैसला नहीं किया है और इस सम्बंध में वह जब भी कोई निर्णय लेंगे वह ईमानदारी और गर्व के साथ करेंगे।

श्री पटेल ने पंजाब के चंडीगढ़ से अपने इस्तीफे का एलान करने के एक दिन बाद आज यहां पत्रकारों से कहा कि उन्हें कांग्रेस पर इसलिए गुस्सा आता है क्योंकि पार्टी बार-बार धर्म (हिंदू) सम्बंधी मुद्दों की उपेक्षा करती है।

उन्होंने राम मंदिर के लिए ईंट भेजने, मंदिरों तो तोड़ इन पर मस्जिद बनाने (ज्ञानवापी प्रकरण के संदर्भ में) और नागरिकता संशोधन कानून जैसे सत्तारूढ़ दल

के प्रमुख मुद्दों का समर्थन भी किया।

एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि कांग्रेस के अधिकांश बड़े नेता अपने निजी लाभ के लिए पार्टी का उपयोग कर रहे हैं। उन्होंने गुजरात से जुड़े मुद्दों को राहुल और प्रियंका गांधी जैसे वरिष्ठ नेताओं को भी बताया पर उन्होंने भी इनमे कोई रुचि नहीं ली। दो साल से पार्टी की गुजरात इकाई का कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने के बावजूद उन्हें कोई ज़िम्मेदारी ही पार्टी ने नहीं दी। पार्टी के नेता अब चाहते ही नहीं कि वह इसमें रहें। कांग्रेस की कार्यशैली पर सवाल उठाने और सच बोलने पर पार्टी ऐसा करने वाले को ही बदनाम करने का प्रयास करती है। उनके कहने पर पार्टी ने कभी किसी को टिकट नहीं दिया।

हार्दिक ने कहा कि उन्होंने अपने जीवन के तीन साल कांग्रेस में रह कर खराब किए हैं। यह पार्टी गुजरात के लोगों को किस तरह दुखी किया जाये, इसी के लिए काम करती है।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस में सबसे ज्यादा जातिवादी राजनीति होती है। पार्टी लोगों का इस्तेमाल कर उन्हें फेंक देने की नीति पर काम करती है। पार्टी किसी को मजबूत नहीं होने देती।

श्री पटेल ने कहा कि राहुल गांधी गुजरात आते है तो राज्य की समस्याओं पर चर्चा तक नहीं करते। प्रदेश कांग्रेस के बड़े नेता उनके लिए चिकन सैंडविच और डायट कोक की व्यवस्था में ही व्यस्त रहते हैं। पार्टी ऐसे मंसूबे रखती है कि लोग दूसरे दल से ऊबेंगे तो इसे अपने आप वोट देंगे।

ज्ञातव्य है कि श्री पटेल ने पार्टी नेतृत्व पर तीखा प्रहार करते हुए कल दल की प्राथमिक सदयस्ता से इस्तीफा दे दिया था। वर्ष 2015 के पाटीदार आरक्षण आंदोलन से चर्चा में आए 28 वर्षीय हार्दिक ने पिछले लोकसभा चुनाव से पहले मार्च 2019 में विधिवत कांग्रेस का दामन थामा था और जुलाई 2020 में उन्हें राज्य के मुख्य विपक्षी दल का कार्यकारी अध्यक्ष बना दिया गया था।

देश में कोरोना संक्रमण से गई दस और मरीजों की जान

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में पिछले 24 घंटे के दौरान कोरोना वायरस संक्रमण के 2,364 नए मामले दर्ज किए गए हैं, जबकि दस और लोगों ने इस महामारी के संक्रमण से दम तोड़ा दिया। देश में नए मामलों के सामने आने के बाद संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 4,31,29,563 हो गयी है और मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 5,24,303 तक पहुंच गया है।

इस बीच, देश में जारी कोविड टीकाकरण अभियान में अब तक 191.79 करोड़ से अधिक टीके लगाए जा चुके हैं। देश में बुधवार को 13,71,603 टीके लगाए गए।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से गुरुवार सुबह जारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में 2,582 लोग कोविड से मुक्त हुए हैं और इसी के साथ अब तक कुल 4,25,89,841 मरीज कोविड से उबर चुके हैं। स्वस्थ होने की दर 98.75 प्रतिशत है। वहीं, सक्रिय दर 0.04 प्रतिशत और मृत्यु दर 1.22 प्रतिशत है।

केरल में कोरोना वायरस के सक्रिय मामले 224 बढ़कर 3,555 हो गए हैं। इससे निजात पाने वाले लोगों की संख्या 366 बढ़कर 64,75,432 हो गयी जबकि मृतकों की संख्या 69,440 है।

राष्ट्रीय राजधानी में दिल्ली में सक्रिय मामले 235 घटने से 2,675 रह गये हैं। वहीं 767 और लोगों के स्वस्थ होने के बाद इससे निजात पाने वाले लोगों का आंकड़ा 18,72,787 पर पहुंच गया जबकि मृतकों की संख्या 26198 पर स्थिर है।

महाराष्ट्र में सक्रिय मामलों की संख्या 54 बढ़ने से कुल संख्या 1605 तक पहुंच गयी हैं। वहीं 252 और लोगों के स्वस्थ होने के बाद इससे निजात पाने वाले लोगों का आंकड़ा 77,32,081 तक पहुंच गयी जबकि मृतकों का आंकड़ा 1,47,856 पहुंच गया है।

कनार्टक में सक्रिय मामले 41 घटकर 1,761 रह गये हैं। इस दौरान, 162 लोगों के स्वस्थ होने से महामारी से उबरने वाले मरीजों की कुल संख्या 39,08,137 हो गयी जबकि मृतकों का आंकड़ा 40106 है।

हरियाणा में सक्रिय मामले 107 घटकर 1,324 रह गये हैं। इस दौरान 364 लोगों के स्वस्थ होने से महामारी से उबरने वाले मरीजों की कुल संख्या 9,88,002 हो गयी जबकि मृतकों का आंकड़ा 10621 पर स्थिर है।

पश्चिम बंगाल में सक्रिय मामले 17 घटकर 381 रह गये हैं। इस दौरान कोरोना मृतकों का आंकड़ा 21,203 पर स्थिर रहा।

भाजपा में शामिल हुए सुनील जाखड़

नड्डा ने अंगवस्त्रम पहनाकर स्वागत किया

नई दिल्ली। पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दामन थाम लिया। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने श्री जाखड़ को अंगवस्त्रम पहनाकर पार्टी में स्वागत किया और कहा कि राष्ट्रीय सोच और विचारधारा के लोगों का भाजपा में स्वागत है। श्री जाखड़ ने कांग्रेस नेतृत्व की शैली पर गहरे सवाल उठाते हुए पिछले दिनों पार्टी से इस्तीफा दे दिया था।

श्री जाखड़ ने कहा कि भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने खुले दिल और आत्मीयता से उनका स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि वह निजी स्वार्थ की राजनीति नहीं करते लेकिन जिस तरह उनकी पिछली पार्टी कांग्रेस ने पंजाब को वहां की आबादी में, जात-पात और धर्म के प्रतिशत (अनुपात) के नाम पर बांटने की कोशिश की, वह उनके लिये पीड़ादायक था। उन्होंने कहा कि उन्होंने इस तरह की राजनीति का विरोध किया और इसलिये उन्हें कांग्रेस छोड़ना पड़ा। उन्होंने कहा कि पंजाब में कोई दोयम दर्जे का नागरिक नहीं है। पंजाब ने देश की सेवा में अपना नाम कमाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी अपने उसूलों से हट चुकी है, इसलिये उन्होंने सोचा कि अब 50 साल पुराने संबंध को तोड़ने

का समय आ गया है।

उन्होंने कहा, सुनील को पद से हटाया जा सकता है, उसकी आवाज को बंद नहीं किया जा सकता। श्री जाखड़ ने कहा कि पंजाब गुरु, संतों और पीरों की धरती है, और राष्ट्रीयता की भावना परस्पर एकता के भाव से पनपती है। उन्होंने कहा कि गुरु साहब (नानक देव) ने सर्वसमानता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि पंजाब राष्ट्रीय अखंडता और भाईचारे के लिये खड़ा रहा है। वहां आतंकवाद के समय 25,000 से अधिक पंजाबियों की कुबार्नी के बावजूद कोई धार्मिक नफरत नहीं दिखी। श्री जाखड़ ने कहा, ह्लमुझे करतारपुर साहिब गलियारा खोले जाने के समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने, उनके साथ बैठकर लंगर चखने का अवसर मिला था। उनसे बात हुई थी और उनके विचारों को सुनने-समझने का अवसर मिला था, लेकिन केवल एक बार से कोई व्यक्ति पार्टी नहीं छोड़ता है।

सुप्रीम कोर्ट ने नवजोत सिद्धू को दी एक साल की कठोर कारावास

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी नवजोत सिंह सिद्धू को 34 साल पहले एक कार सवार से मारपीट और उसकी मौत के मामले में गुरुवार को एक साल के कठोर कारावास की सजा सुनायी।

न्यायमूर्ति ए. एम. खानविलकर और न्यायमूर्ति संजय किशन कौल की पीठ ने शीर्ष अदालत द्वारा 1000 रुपए जुमार्ने पर सिद्धू को बरी करने के उच्चतम न्यायालय के 2018 के फैसले पर पुनर्विचार के बाद उसकी सजा बढ़ाकर एक साल के कठोर कारावास में तब्दील कर दिया।

उल्लेखनीय है कि पंजाब के पटियाला में 27 दिसंबर 1988 को सिद्धू ने कार चालक करीब 65 साल के गुरनाम सिंह को कार से खींच कर उसके साथ मारपीट की थी। बाद में इलाज के दौरान गुरनाम सिंह की मृत्यु हो गई थी।

इस मामले में शीर्ष न्यायालय ने 15 मई 2018 के अपना फैसला दिया था। तब इस अदालत ने सिद्धू को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 323 के तहत दोषी ठहराया था और दंड के तौर पर 1000 रुपए जमा करने की शर्त पर बरी कर दिया था।

भारतीय दंड संहिता की धारा 323 के तहत दोषी को अधिकतम एक साल की कठोर कारावास, या आर्थिक दंड या दोनों की सजा देने का प्रावधान है।

मृतक गुरनाम सिंह मृतक के परिजन की ओर से 2018 के शीर्ष अदालत के फैसले के खिलाफ पुनर्विचार याचिका दायर की गई थी। याचिका में सिद्धू की सजा बढ़ाने की गुहार लगाई गई थी। शीर्ष अदालत को इस पुनर्विचार याचिका में सिर्फ इस सवाल पर विचार करना था कि सिद्धू पर सिर्फ एक हजार रुपए का दंड काफी था या उसे आईपीसी की धारा 323 के तहत किसी और अवधि की कोई सजा दी जाए।

पीठ ने याचिका पर सुनवाई पूरी होने के बाद सिद्धू की सजा बढ़ाने का फैसला किया तथा उसे एक साल कठोर कारावास की सजा सुनाई।

शीर्ष अदालत ने इस तथ्य पर गौर किया कि अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी सिद्धू ने अपने से दोगुनी से अधिक उम्र के व्यक्ति को सड़क पर चलने को लेकर मुक्के से मारा। सिद्धू की गुमनाम सिंह से पहले की कोई दुश्मनी नहीं थी।

पंजाब के पटियाला निवासी गुरनाम सिंह के परिजनों ने अपनी याचिका में सिद्धू को मात्र 1000 रुपए की आर्थिक सजा पर रिहा करने को नाकाफी बताते हुए दंड बढ़ाने की बार-बार गुहार लगाई थी।

शीर्ष अदालत ने सजा में संशोधन की मांग वाली याचिका पर सुनवाई पूरी होने के बाद 25 मार्च को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

यह मामला 1988 में सड़क पर हुए झगड़े में सिद्धू एवं अन्य के मुक्का मारने के बाद एक 65 साल के गुरनाम सिंह की मृत्यु से जुड़ा हुआ है। पीड़ित पक्ष की ओर से आरोप लगाए गए थे कि सिद्धू द्वारा जोरदार मुक्का मारने से गुरनाम सिंह की मौत हो गई थी। अदालती लड़ाई के विभिन्न स्तरों पर मृतक के परिजनों ने सिद्धू पर गैरइरादतन हत्या का आरोप लगाया था लेकिन यह साबित नहीं हुआ।

शाही ईदगाह को हटाने की मांग वाली याचिका मंजूर, शुरू होगा मुकदमे का ट्रायल

- जिला जज की अदालत में पिछले डेढ वर्ष से चल रही थी सुनवाई हुई
- याची ने श्रीकृष्ण जन्मस्थान की 13.3 7 एकड़ जमीन पर जताया है दावा

मथुरा, एजेंसी। श्री कृष्ण जन्मस्थान और ईदगाह प्रकरण में जिला जज राजीव भारती की अदालत के द्वारा एक महत्वपूर्ण फैसले में श्रीकृष्ण विराजमान की याचिका को स्वीकार कर लिया है। वाद की स्वीकारोक्ति को लेकर पिछले करीब डेढ़ साल से जिला जज की अदालत में रिवीजन में सुनवाई चल रही थी। आज जिला जल की अदालत ने इसे स्वीकार कर लिया है। इस मामले में डीजीसी शिवराम तरकर ने बताया कि याचिका को स्वीकार कर लिया गया है। जिला जज अब किस कोर्ट को सुनवाई के लिए यह प्रकरण देंगे, अभी फैसला नहीं लिया गया है।

बता दें रंजना अग्निहोत्री ने राम जन्मभूमि अयोध्या प्रकरण में भी अदालत में वाद दायर किया गया था। सुप्रीम कोर्ट की अधिवक्ता द्वारा श्रीकृष्ण जन्मस्थान की 13.3 7 एकड़ जमीन पर दावा किया गया है, जिसमें उन्होंने बताया है कि यह जमीन श्रीकृष्ण जन्मस्थान की है और जहां पर शाही ईदगाह खड़ी है, वहां भगवान श्रीकृष्ण के जन्मस्थान और मंदिर का गर्भ ग्रह है। वाद की पैरवी करने वाले अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने बताया कि न्यायालय ने बहस के बाद संबंधित निर्णय को रिजर्व कर लिया गया है। बृहस्पतिवार को निर्णय दिया गया।

अधिवक्ता रंजना अग्निहोत्री द्वारा अदालत में पेश वाद में शाही ईदगाह मस्जिद की जमीन को श्री कृष्ण विराजमान की संपत्ति माना है और उन्होंने अदालत से कहा है कि यह संपत्ति श्रीकृष्ण विराजमान को सौंपी जानी चाहिए। वह खुद श्रीकृष्ण विराजमान की भक्त बन कर सामने आई हैं। अदालत में सबसे पहले इस संबंध में वाद पेश करने वाली सुप्रीम कोर्ट की अधिवक्ता द्वारा पूर्व में श्रीकृष्ण जन्मस्थान ट्रस्ट तथा शाही ईदगाह मस्जिद से संबंधित पदाधिकारियों के बीच में समझौते को गलत बताया।

5 मई को वादी की ओर से अधिवक्ता विष्णुशंकर जैन तथा अन्य द्वारा जिला जज की अदालत में बहस की गई। शाही ईदगाह मस्जिद के सचिव एडवोकेट तनवीर अहमद सहित अन्य अधिवक्ताओं ने भी अदालत में अपना पक्ष रखा। दोनों तरफ की बहस सुनने के बाद जिला जज राजीव भारती ने निर्णय को रिजर्व करते हुए निर्णय के लिए 19 मई तय की थी। अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने बताया कि अदालत में हमने अपना पक्ष रखा है।

मथुरा विवाद के बाद यूपी के आठ जिले अलर्ट पर

लखनऊ, एजेंसी। कृष्णा जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद को लेकर विभिन्न अदालतों में दायर याचिकाओं के मद्देनजर उत्तर प्रदेश पुलिस ने आठ जिलों में अपनी इकाइयों को हाई अलर्ट पर रहने का निर्देश दिया है। याचिकाकताओं ने शहर में श्री कृष्ण मंदिर परिसर के पास स्थित मस्जिद में मुसलमानों की उपस्थिति पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है।

अतिरिक्त महानिदेशक (आगरा जोन), राजीव कृष्ण ने संवाददाताओं से कहा कि उन्होंने आगरा जोन के आठ जिलों, जिसमें मथुरा भी शामिल है, को न केवल विवादित स्थल पर बल्कि अन्य जगहों पर भी सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए हैं, विशेष रूप से संवेदनशील स्थानों पर।

एडीजी ने कहा कि क्षेत्र के सभी आठ जिलों के पुलिस प्रमुखों को असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि अगर कोई धर्म के नाम पर सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश करता है तो उसके खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

मथुरा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) गौरव ग्रोवर ने कहा कि जिले में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है और शांति बनाए रखने के सभी प्रयास किए जा रहे हैं। यह निर्देश तब आया जब अखिल भारत हिंदू महासभा के दिनेश शर्मा द्वारा बुधवार को सिविल जज (सीनियर डिवीजन) की अदालत में एक नई याचिका दायर की गई, जिसमें कहा गया था कि एक हिंदू होने के नाते, उन्हें ईदगाह में प्रार्थना करने का अधिकार है क्योंकि यह एक प्राचीन मंदिर था।

एक समूह ने हिंदू पूजा के साक्ष्य को निर्धारित करने के लिए भव्य मस्जिद के सर्वेक्षण की मांग की है। दूसरों ने मुस्लिम उपासकों की पहुंच को रोकने की मांग की है। इस मामले में अब तक कुल 11 मामले दर्ज किए जा चुके हैं।

यूपी में फिर चढ़ा पारा, कई जिलों में गरज चमक के साथ बारिश की संभावना

लखनऊ, एजेंसी। दो दिन तक आसमान में छाये बादल के कारण गरमी से मामूली राहत महसूस कर रहे लोगों को गुरूवार को एक बार फिर लू के थपेड़ों का सामना करना पड़ा जिसके चलते सूर्यास्त तक सड़कों बाजारों में अघोषित कर्फ्यू के हालात बने रहे।

मौसम विभाग के अनुसार अगले 48 घंटों में मौसम में एक बार फिर तब्दीली नजर आने का अनुमान है। इस अवधि में प्रदेश के कई स्थानो पर धूल भरी आंधी के आसार है जबकि इक्का दुक्का स्थानों पर गरज चमक के साथ बारिश की संभावना है। विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया कि पिछले 24 घंटे में अयोध्या मंडल में दिन के तापमान में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गयी जबकि अन्य मंडलों में मौसम में कोई खास तब्दीली नहीं हुयी। वाराणसी मंडल के जिलों में अधिकतम तापमान सामान्य से 3.1 डिग्री से पांच डिग्री सेल्सियस तक अधिक दर्ज किया गया। गोरखपुर, प्रयागराज, बरेली, झांसी और आगरा मंडलों में हालांकि तापमान में 1.6 डिग्री से लेकर तीन डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट देखने को मिली। उन्होंने बताया कि इस अवधि में बांदा राज्य का सबसे गर्म इलाका रहा जहां अधिकतम तापमान 46.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मेरठ मंडल में रात के तापमान में कमी दर्ज की गयी जबकि वाराणसी मंडल में न्यूनतम तापमान सामान्य से पांच डिग्री सेल्सियस तक अधिक दर्ज किया गया। गोरखपुर, अयोध्या, प्रयागराज, कानपुर, लखनऊ, झांसी और आगरा मंडलों में यह सामान्य से तीन डिग्री सेल्सियस तक अधिक रहा।

प्रोफेसर रविकांत के खिलाफ छात्रों ने की शिकायत

लखनऊ, एजेंसी। विद्यार्थियों के एक समूह ने लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर रविकांत चंदन के खिलाफ बृहस्पतिवार को कथित कदाचार की लिखित शिकायत की। लखनऊ, 19 मई (भाषा)विद्यार्थियों के एक समूह ने लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर रविकांत चंदन के खिलाफ बृहस्पतिवार को कथित 'कदाचार' की लिखित शिकायत की।

उन्होंने यह कदम आरोपी प्रोफेसर पर विश्वविद्यालय परिसर में एक छात्र द्वारा कथित मारपीट किए जाने के एक दिन बाद उठाया है। करीब 50 छात्रों ने विश्वविद्यालय के कुलपति आलोक कुमार राय से मुलाकात की और उन्हें शिकायत दी। छात्रों ने शिकायत में आरोप लगाया कि प्रोफेसर रविकांत चंदन ने कई मौकों पर कक्षा के दौरान हिंदू देवताओं का अपमान किया है। साथ ही उन्होंने प्रोफेसर को विश्वविद्यालय से हटाने की मांग की है। विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने कहा कि वे शिकायत की जांच कर रहे हैं और उचित कार्रवाई करेंगे।

विश्वविद्यालय के प्रवक्ता दुर्गेश श्रीवास्तव ने कहा, कोई भी कार्रवाई शुरू करने से पहले शिकायत की जांच की जाएगी। काशी विश्वनाथ मंदिर-ज्ञानवापी परिसर के बारे में कथित रूप से आपत्तिजनक टिप्पणी करने के बाद चर्चा में आए प्रोफेसर रविकांत पर बुधवार को विश्वविद्यालय परिसर में एक छात्र ने हमला किया था।

प्रोफेसर रविकांत ने दावा किया था कि बुधवार दोपहर करीब एक बजे प्रॉक्टर कार्यालय के बाहर कार्तिक पांडे नामक छात्र नेता ने उन पर हमला किया। उन्होंने आरोप लगाया कि आरोपी छात्र ने उनके साथ गाली-गलौज की और जाति सूचक शब्द कहे, उसके बाद मारपीट की।

प्रोफेसर रविकांत के मुताबिक उनके साथ चल रहे दो सुरक्षाकर्मियों ने हमलावर छात्र नेता को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। प्रो.रविकांत ने दावा किया कि यह घटना बताती है कि उनकी जान को खतरा बना हुआ है। इस मामले में पुलिस से शिकायत की गई है।

इस बीच, लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रवक्ता दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया था कि विश्वविद्यालय प्रशासन ने प्रोफेसर रविकांत पर हमला करने के आरोपी छात्र नेता कार्तिक पांडे को निलंबित कर दिया है। यह घटना भाजपा की छात्र इकाई अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की प्रदेश समिति के सदस्य अमन दुबे द्वारा प्रोफेसर रविकांत के खिलाफ कथित तौर पर भावनाएं भड़काने तथा आईटी अधिनियम की सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कराने के एक हफ्ते बाद हुई।

संक्षिप्त समाचार

तालाब के किनारे बनेगा पक्का मार्ग, लगेंगी लाइटें

मैनपुरी, एजेंसी। आलीपुरखेड़ा अमृत सरोवर योजना के तहत कस्बा स्थित तालाब का चयन किया गया है। बुधवार को लेखपाल प्रज्ञादीप शाक्य ने प्रधान संत प्रकाश स्वर्णकार के साथ तालाब की जमीन की नापजोख की। योजना के तहत तालाब की खुदाई कराई जाएगी। मई माह के अंत तक खुदाई का काम शुरू हो जाएगा। ग्राम प्रधान ने बताया कि तालाब की लगभग ढाई मीटर गहरी खोदाई कराई जाएगी। तालाब के चारों तरफ ग्राम वासियों के घूमने के लिए पक्का मार्ग बनेगा। बैठने के लिए बर्थ बनेगी। झोपड़ियां बनाई जाएंगी। रात्रि में घूमने के लिए प्रकाश की व्यवस्था होगी। तालाब आबादी क्षेत्र के निकट हैं। ग्रामीणों के तालाब में घूमने के लिए मोटर वोट चला कर नौका विहार कराने का भी प्लान है। योजना के तहत तालाब के कार्यों को 2023 तक पूरा कर लिया जाएगा। नापजोख के दौरान ग्राम सेवक सविता, सर्वेश शाक्य, प्रशांत शाक्य, शिवचरन सिंह, सरमन पाल, ईश्वर दयाल शंखवार, अंश, मुन्ना लाल शाक्य, हेतराम शाक्य आदि मौजूद रहे।

विवाहिता को हाइवे पर छोड़ा, रिपोर्ट दर्ज

भोगांव/मैनपुरी, एजेंसी। क्षेत्र के ग्राम नगला पाठ निवासी रागिनी पुत्री राजकुमार ने बुधवार को ससुरालीजनों के खिलाफ रिपोर्ट थाना में दर्ज कराई। बताया कि उसकी शादी जनपद एटा के कस्बा मलावन निवासी बृजेश कुमार पुत्र अवधेश कुमार के साथ हुई थी। शादी में उसके पिता ने 13 लाख की नकदी, एक बाइक व अन्य सामान दिया था। शादी के बाद उसके ससुरालीजन बुलेरो कार की मांग कर उसे परेशान करने लगे। मंगलवार को उसके ससुरालियों ने कमरे में बंद कर उसकी मारपीट की और कार में डालकर ग्राम छाछा हाइवे पर छोड़कर भाग गए। पुलिस ने तहरीर लेकर उसके ससुर अवधेश, पति बृजेश, सास फूलश्री, ननद रेनू व भावना, देवर राजेश खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रामनरेश को मुख्य सचेतक बनाए जाने पर दी बधाई

मैनपुरी, एजेंसी। पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं भोगांव से विधायक रामनरेश अग्निहोत्री को भाजपा का विधानमंडल दल में मुख्य सचेतक बनाया गया है। बुधवार को मुख्य सचेतक बनाए जाने पर भाजपा जिला कार्यालय पर पूर्व कैबिनेट मंत्री को मिष्ठान खिलाकर बधाई दी गई। इस मौके पर जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह चौहान, जिला महामंत्री प्रदीप तिवारी, प्रदीप सिंह चौहान राज, अजयपाल चौहान, रमा तिवारी आदि मौजूद रहे।

हिंदी से लगा डर, 110 ने छोड़ दिया मैदान

मैनपुरी, एजेंसी। सीबीएसई बोर्ड टर्म-2 की परीक्षाओं के बीच बुधवार को कक्षा 10 की हिंदी विषय की परीक्षा संपन्न हुई। वहीं कक्षा 12 की भूगोल (जियोग्राफी) विषय की परीक्षा संपन्न हुई। हिंदी की परीक्षा में पंजीकृत कुल 3243 परीक्षार्थियों में से 3133 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। इसमें 110 परीक्षार्थियों ने परीक्षा छोड़ दी। इंटर की भूगोल की परीक्षा में पंजीकृत 155 विद्यार्थियों में से 151 ने परीक्षा दी और 4 परीक्षार्थी गैरहाजिर रहे। सीबीएसई के सिटी कॉर्डिनेटर डा. राम मोहन ने बताया कि परीक्षा शुचितापूर्ण तरीके से शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हुई। कक्षा 10 की परीक्षा जिले के 11 केंद्रों पर संपन्न हुई। सुदिती ग्लोबल में 5, सीआरबी स्कूल में 12, एसबीआरएल एकेडमी में 25, जेएस मैमोरियल में 4, सेंट मेरीज स्कूल में 3, पैराडाइज पब्लिक स्कूल में 1, डा. किरन सौजिया एकेडमी में 36, लॉर्ड कृष्णा स्कूल में 6, सेंट जीटी इंटरनेशनल स्कूल करहल में 7 और जवाहर नवोदय भोगांव में 11 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। कक्षा 12 की भूगोल परीक्षा में सीआरबी, एसबीआरएल, पैराडाइज स्कूल और जवाहर नवोदय भोगांव में एक-एक परीक्षार्थी गैरहाजिर रहे।

गायब युवक की स्कूटी दन्नाहर नहर के निकट मिली

मैनपुरी, एजेंसी। शहर के मोहल्ला मिश्राना निवासी सुराज कुमारी पत्नी नौसे मिर्जा ने कोतवाली में दी तहरीर में बताया कि उसका 24 वर्षीय पुत्र बिलाल मंगलवार की दोपहर 1 बजे वह दन्नाहार की कहकर स्कूटी से गया था। जो अभी तक घर वापस नहीं आया। काफी खोजबीन के बाद भी उसका कोई पता नहीं चल सका। पुलिस ने तहरीर के आधार पर गुमशुदगी दर्ज कर युवक की तलाश शुरू कर दी थी। वहीं बुधवार को दन्नाहार क्षेत्र में स्थित नहर के पास लावारिस अवस्था में स्कूटी खड़ी मिली। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। जहां ग्रामीणों ने पुलिस को बताया कि मंगलवार की शाम एक युवक नहर में कूदा है। अब पुलिस नहर में युवक की तलाश कर रही है।

भीषण गर्मी में बदल गया खलिहानों में काम का समय

मैनपुरी, एजेंसी। जनपद में भीषण गर्मी लगातार जारी है। सुबह 8 बजे के बाद से ही आसमानी तपिश तेज होने लगती है। खेत खलिहानों में काम कर रहे किसान तेज धूप के चलते घरों की ओर पहुंचते हैं। निर्माण कार्य में लगे मजदूरों को भी भीषण गर्मी में मुश्किल हो रही है। सबसे अधिक भीषण गर्मी मलिन बस्तियों में लोगों को सता रही है। बिजली जाते ही घरों के लोग गली में निकल आते हैं। जिले में बीते एक सप्ताह से भीषण गर्मी का सितम टूट रहा है। लोगों की दिनचर्या बदल गई है। खेतों में काम का समय सुबह 6 बजे से 8 या फिर 9 बजे तक और शाम को 5 बजे के बाद हो गया है।

ज्ञानवापी में 'शिवलिंग' मिलने का दावा झूठा प्रचार: सपा सांसद

संभल (उप्र), एजेंसी। समाजवादी पार्टी के स्थानीय सांसद डॉ. शफीकुर रहमान बर्क ने वाराणसी के ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में एक 'शिवलिंग' की बरामदगी के दावों को झूठा प्रचार करार देते हुए सभी बुद्धिजीवियों और विपक्षी दलों से इसकी प्रभावी जांच के लिए आगे आने को कहा।

यहां बृहस्पतिवार को संवाददाताओं से बात करते हुए सांसद बर्क ने कहा कि बाबरी मस्जिद हमसे छीन ली गई और इसकी जगह राम मंदिर बना दिया गया। उन्होंने कहा कि यह नाइंसाफी कम नहीं थी, लेकिन अब ज्ञानवापी मस्जिद का मामला सामने है।

सांसद ने सवाल किया कि मुसलमान कोई अपनी मस्जिद बनाएगा, तो गैर इस्लामिक काम क्यों करेगा? उन्होंने कहा, इस्लाम मूर्ति पूजा के खिलाफ है, यहां तक हुक्म है की हम मस्जिद को जबरदस्ती किसी की जमीन पर कब्जा करके नहीं बना सकते। ज्ञानवापी मस्जिद की हौज मैं 'शिवलिंग' होने का झूठा प्रचार किया जा रहा है। सांसद ने कहा कि इस नफरत की आग को नहीं बुझाया गया, तो मुल्क झुलस जाएगा। उन्होंने सभी लोगों से, चाहे वे हिंदू हों या मुस्लिम या विभिन्न विपक्षी दलों से संबंधित हों, इस गलत और नापाक प्रचार को रोकने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह आवश्यक है, क्योंकि मुसलमानों की हर मस्जिद और पवित्र स्थान को संदेह की नजर से देखा जा रहा है। बर्क ने लोगों से कहा कि मुसलमानों पर जो जुल्म हो रहा है, उसे रोकने में मदद करें और उनके साथ खड़े हों। उन्होंने कहा कि अगर लोगों ने ऐसा नहीं किया, तो मुसलमान ही नहीं बल्कि देश भी बरबाद हो जाएगा, इसलिए मुल्क को बचाने के लिए आगे आएं।

मौजूदा सरकार को राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ (आरएसएस) के लोगों का संगठन करार देते हुए उन्होंने कहा कि जो लोग (आरएसएस-भाजपा) में विश्वास करते हैं, वे इस तरह के काम से जानबूझकर देश को खराब करने की कोशिश कर रहे हैं।

सपा सांसद ने नये मदरसों को अनुदान नहीं देने के उत्तर प्रदेश सरकार के फैसले पर भी सवाल उठाया। अगर कहीं कुछ गलत हो रहा है, तो सरकार को इसकी जांच कराकर सुधार करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इसका मतलब यह नहीं है कि मदरसों को खोलने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह मुसलमानों को चोट पहुंचाने की साजिश का नतीजा है, यह एक दुष्प्रचार है ताकि मुसलमानों को शिक्षा न मिल सके।

यूपी में जल्द एक क्लिक पर प्रमुख मंदिरों की मिलेगी जानकारी

लखनऊ, एजेंसी। यूपी में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार जल्द ही प्रदेश के प्रमुख मंदिरों की जानकारी एक क्लिक पर उपलब्ध कराने जा रही है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए इंटीग्रेटेड टेम्पल इनफार्मेशन सिस्टम यानी समन्वित मंदिर सूचना तंत्र विकसित किया जा रहा है, जिस पर मंदिर से जुड़ी सभी जानकारियां आनलाइन उपलब्ध हो सकेंगी। प्रदेश सरकार प्रत्येक जिले के ऐतिहासिक व पौराणिक महत्व के मंदिरों का चिह्नंकन करा उनके विकास की योजना तैयार कर रही है। भाजपा ने अपने लोक कल्याण संकल्प पत्र मंदिरों से संबंधित घोषणा की थी। उसी को अमलीजामा पहनाने का कार्य शुरू किया जा रहा है। इसी के तहत मंदिरों की इस योजना पर भी काम शुरू कर दिया गया है। लक्ष्य रखा गया है कि है इसे छह माह में पूरा कर लिया जाए। धर्मार्थ कार्य विभाग के निदेशक दीपक अग्रवाल ने बताया कि सभी जिलाधिकारियों से इस सम्बंध में सभी मंदिरों की पूरी जानकारी मांगी गई है। सूचना आते ही ही शीघ्र ऑनलाइन सिस्टम में प्रदेश के सभी प्रमुख मंदिरों की विशेषता, मान्यता, इतिहास, मार्ग आदि का ब्योरा अपलोड किया जाएगा।इन मंदिरों की जानकारी व रूट आनलाइन किए जाने से मंदिरों की विशेषता व रूट देखकर पर्यटक स्वयं वहां पहुंच सकेंगे। सरकार के एक अधिकारी ने बताया कि शासन द्वारा आनलाइन एकीकृत मंदिर सूचना प्रणाली विकसित की जा रही है। जिसमें मंदिरों का विवरण उसके इतिहास एवं रूट पर जैसी जानकारी उपलब्ध कराए जाने के निर्देश हैं। उनकी अध्यक्षता में एक जनपदीय समिति बनाई गई है। जिसके द्वारा जनपद में स्थित पौराणिक महत्व के मंदिरों की सूची, उसका इतिहास तथा जनपद मुख्यालय से दूरी सहित जनपद में गुजरने वाले मार्गों से मंदिर स्थल की दूरी का विवरण संकलित किया जा रहा है।

आजम को आखिरकार न्याय मिला : शिवपाल यादव

लखनऊ, एजेंसी। सपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री आजम खान को सुप्रीम कोर्ट से रामपुर में कोतवाली पुलिस थाना से जुड़े एक मामले में अंतरिम जमानत मिलने पर प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (लोहिया) के प्रमुख शिवपाल सिंह यादव ने ट्वीट कर बधाई दी। शिवपाल ने कहा कि उन्हें उन्हें व्यवस्था की घोर प्रताड़ना से न्याय मिला है।

शिवपाल यादव ने संस्कृत में एक श्लोक की लाइन लिखते हुए कहा कि अंततः सत्य की ही जय होती है न कि असत्य की। लम्बे अरसे से न्याय की जिस घड़ी की प्रतीक्षा थी वह आज पूर्ण हुई है। आजम खान साहब को सर्वोच्च न्यायालय ने अंतरिम जमानत दे दी है। उन्हें व्यवस्था की घोर प्रताड़ना से न्याय मिला है। भारत की न्याय व्यवस्था उम्मीद की एक किरण है। नमन।

क्या है मामला : सपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री आजम खान को आखिरकार आज सुप्रीम कोर्ट से राहत मिल गई है। कोर्ट ने रामपुर में कोतवाली पुलिस थाना से जुड़े एक मामले में आजम खान को अंतरिम जमानत दे दी है। कोर्ट ने आजम खान को दो सप्ताह की अवधि के भीतर संबंधित अदालत के समक्ष नियमित जमानत के लिए आवेदन करने की छूट दी है। कोर्ट ने कहा कि सक्षम अदालत द्वारा नियमित जमानत का फैसला होने तक अंतरिम जमानत जारी रहेगी।

मथुरा वृंदावन को साफ सुथरा बनाने को प्रतिष्ठित नागरिकों ने लिया संकल्प

- विकास प्राधिकरण और नगर निगम देंगे पूरा सहयोग
- पायलट प्रोजेक्ट के तहत शहर के दो प्रमुख मार्गों पर होंगे सफाई के विशेष इंतजाम
- प्रत्येक क्षेत्र में 11 -11 लोगों की बनेगी समिति

मथुरा, एजेंसी। मथुरा वृंदावन नगर को साफ सुंदर स्वच्छ व्यवस्थित बनाने के लिए शहर के प्रतिष्ठित संस्थाओं और व्यापारिक संगठनों ने नगर निगम और विकास प्राधिकरण के साथ मिलकर बीड़ा उठाया है। इस योजना के तहत पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शहर के दो प्रमुख मार्गों पर विशेष साफ-सफाई के इंतजाम करने की व्यवस्था की गई है।

इस संबंध में मथुरा वृंदावन टॉक्स के नाम से एक कार्यक्रम बीती शाम एक होटल में हुआ। इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र मथुरा वृंदावन विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष नगेंद्र प्रताप नगर निगम के आयुक्त अनुनय झा ने मुख्य रूप से सहभागिता की। इस आयोजन में चर्चा हुई की मथुरा वृंदावन को किस तरह साफ स्वच्छ सुथरा रखा जाए। तय हुआ कि पुराने बस स्टैंड से होली गेट चौराहे तक और नए बस स्टैंड से भूतेश्वर चौराहे होते हुए गोवर्धन चौराहे तक के दोनों मार्गों पर विशेष साफ-सफाई के प्रबंध किए जाएं।

इसके अंतर्गत दो टाइम सड़क पर झाड़ू और नालियों से गंदगी निकालने का कार्य नगर निगम द्वारा किया जाएगा वहीं दुकानदार अपनी दुकानों के आगे डस्टबिन रखेंगे जो सड़क या नाली में कूड़ा न डालकर उसमें डालेंगे। प्रत्येक क्षेत्र में 11-11 लोगों की समिति बनाई जाएगी जो सभी दुकानदारों को उनकी समाज के प्रति जिम्मेदारी का एहसास कराते हुए साफ सफाई के प्रति जागरूक करेगी। राजीव अग्रवाल बृजवासी ने कहा कि विश्व प्रसिद्ध इस धर्म नगरी में प्रतिदिन हजारों बाहर से श्रद्धालु आते हैं यदि उनको यहां अच्छा सुंदर वातावरण दिखाई दे तो उससे शासन प्रशासन के साथ-साथ हम नागरिकों की भी इमेज बिल्डअप होगी।

प्रमुख व्यवसाई विपिन सिंघल ने बताया कि हमने सभी संस्था क्लब व्यापार मंडल समाजसेवी संगठनों के अध्यक्ष और सचिव को अपनी योजना से जोड़ा है समाज में अच्छा असर पड़ेगा सभी से अनुरोध किया गया है कि वह कूड़ा करकट डस्टबिन में ही डालें।

राष्ट्र के निर्माण में पूर्व प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी जी का अतुलनीय योगदान है: श्रीनिवास बी वी

❍ पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी जी के पुण्यतिथि 21 मई के अवसर पर भारतीय युवा कांग्रेस 'राजीव क्रांति भारत जोड़ो' कार्यक्रम के माध्यम से भारत जोड़ो अभियान की शुरूवात करेगी

नई दिल्ली। भारतीय युवा कांग्रेस पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी जी के पुण्यतिथि 21 मई के अवसर पर "राजीव क्रांति भारत जोड़ो" कार्यक्रम के माध्यम से भारत जोड़ो अभियान की शुरूवात करेगी। इस कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को राष्ट्र के निर्माण में उनके द्वारा किए गए कार्यों एवं उनके जीवन से संबंधित घटनाओं को जानने समझने का मौका मिलेगा। भारतीय युवा कांग्रेस श्री राजीव गांधी जी की पुण्यतिथि के अवसर पर देश भर में रक्त दान शिविर, श्री राजीव गांधी जी के जीवन पर आधारित चित्र प्रदर्शनी और एक देश का सबसे बड़ा प्रतिभा खोज कार्यक्रम की भी शुरूवात करने जा रही है।

इस अवसर पर भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री श्रीनिवास बी वी जी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी जी की सोच एक क्रांतिकारी सोच थी जिसने युवा भारत की नीव रखी। आज हम जिस डिजिटल क्रांति के दौर में हैं उसकी बुनियाद देश में श्री राजीव गांधी जी ने रखी थी। राजीव जी ने ही उम्र सीमा कम करके युवाओं को वोटिंग की ताकत दी। इस कार्यक्रम के माध्यम से हम भारत को जोड़ने की शुरूआत के तहत एक नई क्रांति की आगाज करेंगे। भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री श्रीनिवास बी वी जी ने यह भी कहा कि मैं देश के सभी युवाओं को आमंत्रित करता हु की 21 मई को पूर्व प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी जी की पुण्यतिथि के अवसर पर तालकटोरा स्टेडियम, नई दिल्ली पहुंचे और इस ऐतिहासिक कार्यक्रम का हिस्सा बने।

भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी राहुल राव ने कहा कि भारतीय युवा कांग्रेस के पूर्व प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी जी की पुण्यतिथि के अवसर पर भारत जोड़ो अभियान के तहत "राजीव क्रांति भारत जोड़ो" कार्यक्रम का आयोजन करने जा रही है, यह कार्यक्रम नई दिल्ली इस्थित तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा, इसके साथ ही साथ देश भर में युवा कांग्रेस अन्य कार्यक्रमों का भी आयोजन करेगी जैसे रक्त दान शिविर, पूर्व प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी जी के जीवन पर आधारित चित्र प्रदर्शनी, और इस ही दिन भारत जोड़ो अभियान के तहत देश का सबसे बड़ा प्रतिभा खोज कार्यक्रम की भी शुरूवात होगी।

मुफ्त पानी के नाम पर दिल्लीवासियों को पिलाया जा रहा है गंदा पानी : चौ. अनिल कुमार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौ. अनिल कुमार ने कहा कि दिल्ली में अरविन्द केजरीवाल की सरकार की प्रशासनिक अक्षमताओं के कारण दिल्लीवासी जल संकट से जूझ रहे हैं। पिछले 8 वर्षों में दिल्ली जल बोर्ड 800 एमजीडी पानी ही मुहैया करा रहे है जबकि दिल्ली में पानी की जरुरत 1380 एमजीडी है। उन्होंने कहा कि यह आश्चर्यजनक है कि जल मंत्री सत्येन्द्र जैन द्वारा 28 अप्रैल को 2022 का समर एक्शन प्लान में 65 एमजीडी अधिक पानी उपलब्ध कराने की घोषणा की थी परंतु केजरीवाल सरकार ने दिल्ली में 70एमजीडी पानी के संकट को स्वीकार कर रहे है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार के पास दिल्ली को स्वच्छ पानी उपलब्ध कराने के लिए कोई रोड मैप नही है। अनिल कुमार ने कहा कि केजरीवाल सरकार मुफ्त पानी के रुप में लोगों के घरों में गंदा, बदबूदार पानी के साथ फ्री बीमारी परोस रहे है, क्योंकि समर एक्शन प्लान में उपभोक्ताओं की शिकायतों पर जांच में 42 प्रतिशत पानी के सैम्पल फेल पाए गए जो बेहद चिंताजनक है। दिल्ली जल बोर्ड को पानी में अमोनिया की मात्रा को कम करने के लिए टेक्नोलॉजी का प्रयोग करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि बढ़ती गर्मी के साथ लगातार पानी की कमी बढ़ रही है और वजीराबाद, चन्द्रावल और औखला में जल स्तर सामान्य से कही अधिक कम हो गया है जिसका समय रहते दिल्ली जल बोर्ड ने ख्याल नही रखा जिसके कारण पूरी दिल्ली में पानी की सप्लाई प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार के रिकॉर्ड अनुसार जहां 2013-14 में औसतन प्रति व्यक्ति 50 गैलन पानी उपलब्ध होता था जो वर्तमान में घटकर 45 गैलन प्रति व्यक्ति रह गया है। अनिल कुमार ने कहा कि लगातार घटते जल स्तर से बेफिक्र केजरीवाल सरकार हरियाणा से पानी छोड़ने की मांग की जगह दिल्ली में जल स्तर कम होने के साथ-साथ 70 एमजीडी जल संकट के बयान जारी कर रही है। केजरीवाल सरकार टैंकर माफिया को सक्रिय बनाने के लिए जेजे कलस्टर, अनाधिकृत कालोनियों व अन्य जरुरतमंद लोगों को पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध नही करा रही है क्योंकि आम आदमी पार्टी के विधायकों के संरक्षण में अधिकतर टैंकर माफिया फलफूल रहा है, जो ट्यूबवेल का पानी बेचकर भारी मुनाफा कमा रहा है जिसका हिस्सा विधायकों को भी मिल रहा है।

दक्षिणी दिल्ली नगर निगम ने आर.के. पुरम में किया दीवारों का सौंदर्यीकरण

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली नगर निगम ने सेलेक्ट सिटी वॉक साकेत के साथ मिलकर स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत आर. के.पुरम सेक्टर 6 स्थित विश्व हिंदू परिषद के कार्यालय की बाहरी दीवारों का सौंदर्यीकरण किया। कार्यालय की बाहरी दीवारों के ऊपर प्रभु श्रीराम के जीवन वृतांत एवं अयोध्या स्थित श्री राममंदिर पर आधारित सुंदर भित्ति चित्र उकेरे गए हैं। इन भित्ति चित्रों के माध्यम से रामकथा का सुंदर वर्णन करने वाली इन दीवारों का उदघाटन आज दिनेश चंद्र (सदस्य सलाहकार मंडल वि. हि. प), दिल्ली प्रदेश भाजपा के संगठन मंत्री सिद्धार्थन द्वारा किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय पार्षद तुलसी जोशी सहित विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारीयों सहित स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। स्थानीय नागरिकों ने श्रीमती तुलसी जोशी के अथक प्रयासों की खुले दिल से प्रशंसा की।

तुलसी जोशी स्थानीय निगम पार्षद ने कहा कि निगम द्वारा उकेरे गए भित्ति चित्र नागरिकों को प्रभु श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण जी एवं हनुमान जी के जीवन से त्याग एवं समर्पण के साथ अन्य उच्च जीवन मूल्यों की प्रेरणा देंगे। श्रीमती तुलसी जोशी ने कहा कि भविष्य में अन्य दीवारों पर भी विभिन्न सामाजिक संदेशों वाली चित्रकारी की जाएगी तथा रात को रोशनी में देखने के लिए इन पर प्रकाश की समुचित व्यवस्था की जाएगी। दक्षिणी दिल्ली नगर निगम ने ढलाव घरों के सौंदर्यीकरण करने के क्रम में आर. के. पुरम स्थित ढलाव घर का सौंदर्यीकरण करते हुए वहां पर एक बुक बैंक का आरंभ भी किया। इस अवसर पर श्रीमती तुलसी जोशी ने कहा की पुस्तकें हमारी सच्ची साथी होती हैं तथा इस बुक बैंक के माध्यम से नागरिक इनका लाभ उठा कर ज्ञानार्जन कर सकेंगे। श्रीमती तुलसी जोशी ने कहा कि क्षेत्र के बंद ढ़लाव घर पर स्थापित इस बुक बैंक में नागरिक अपनी पुरानी किताबें दान कर सकते है। इस कदम से हम जरूरतमंद छात्रों को किताबें उपलब्ध करा सकते है।

हाईकोर्ट ने दिल्ली सरकार को दिया झटका

घर-घर राशन वितरण योजना पर लगाई रोक

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने गुरुवार को केजरीवाल सरकार को झटका देते हुए घर-घर राशन वितरण योजना को फिर से रद्द कर दिया। हाईकोर्ट ने आम आदमी पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार की घर-घर राशन वितरण योजना को यह कहते हुए रद्द कर दिया कि इस योजना के लिए केंद्र के अनाज का उपयोग नहीं किया जा सकता है।

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी और न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की पीठ ने कहा कि राशन की होम डिलीवरी की योजना को उपराज्यपाल की मंजूरी नहीं मिली थी। दिल्ली सरकार राशन डीलर्स संघ की याचिका पर यह फैसला आया है। जिन्होंने अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली सरकार की घर-घर राशन वितरण योजना को चुनौती दी थी। एफपीएस मालिकों के समूह की याचिका ने इस योजना को चुनौती दी थी और मांग की थी कि इसे अल्ट्रा वायर्स घोषित किया जाए। बता दें कि दिल्ली सरकार और केंद्र के बीच मतभेदों के कारण दिल्ली सरकार की राशन योजना की डोर स्टेप डिलीवरी ठप हो गई थी। यह योजना 25 मार्च 2021 को शुरू होने वाली थी, लेकिन केंद्रीय खाद्य और उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने 19 मार्च को दिल्ली सरकार को पत्र लिखकर दो आपत्तियां उठाई थीं।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में फिर बढ़ कोरोना के मामले

नई दिल्ली, सुषमा रानी। दिल्ली में कोरोना वायरस के मामलों में एक बार फिर से उछाल देखी गई है. राजधानी दिल्ली में बीते 24 घंटे में कोरोना वायरस के 500 से अधिक मामले आने पर एक बार फिर से दहशत बढ़ गई है. बीते दो-तीन दिनों से कोरोना के मामले 500 से काफी कम दर्ज किए जा रहे थे. दिल्ली सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, बीते 24 घंटे में राजधानी में कोरोना के 532 नए केस दर्ज किए गए हैं, जबकि इस दौरान एक भी मौत नहीं हुई है. स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, बीते 24 घंटे में दिल्ली में 767 कोरोना मरीज ठीक हुए हैं. रिकवरी के साथ-साथ संक्रमण की दर भी राहत देने वाली है. दिल्ली में फिलहाल पॉजिटिविटी रेट 2.13 है, जबकि बीते दिनों टेस्ट की संख्या 24989 थी. बुधवार को कोरोना के 532 मामले सामने आने के बाद दिली में एक्टिव केसों की कुल संख्या 2,675 हो गई है. गौरतलब है कि मंगलवार को दिल्ली में कोरोना वायरस के 393 नए केस दर्ज किए गए थे और इस दौरान दो लोगों की जान गई थी. इससे एक दिन पहले सोमवार को कोरोना वायरस के मामलों की संख्या 377 थी और एक मरीज की मौत हुई थी. हालांकि, रविवार को कोरोना के केस 600 पार थे.

नाबालिग से गैंगरेप , एक किशोर समेत चार पकड़े

नई दिल्ली, सुषमा रानी। दक्षिण दिल्ली स्थित अपने घर से कुछ दिन पहले लापता हुई 13 वर्षीय किशोरी को साकेत मेट्रो स्टेशन के बाहर अंततः बचा लिया गया.किशोरी का कथित रूप से अपहरण और बलात्कार करने के बाद उसे तिगरी इलाके में छोड़ दिया गया था. पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी. पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस मामले में तीन पुरुषों को गिरफ्तार कर लिया गया है और एक किशोर फरार है. पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार तीनों आरोपियों की पहचान मोहित (20), आकाश (19), शाहरुख (20) के रूप में की गई है. उसने बताया कि किशोर समेत सभी आरोपियों के खिलाफ अपहरण, नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म, गलत तरीके से बंधक बनाने, आपराधिक साजिश और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण कानून के तहत मामला दर्ज किया गया है. पुलिस ने बताया कि पीड़िता को चिकित्सकीय जांच के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान ले जाया गया, जहां उसके यौन उत्पीड़न की पुष्टि हुई. आरोपियों ने पूछताछ में खुलासा किया कि 24 अप्रैल को लड़की शाम करीब पांच बजे कुछ सामान खरीदने बाजार गई थी. उसने अपने घर से करीब दो किलोमीटर दूर स्थित शनि बाजार जाने के लिए एक ऑटोचालक को रोका, जिसे शाहरुख चला रहा था. पुलिस ने बताया कि शाहरुख ने अपने मित्रों के साथ मिलकर उसका कथित रूप से अपहरण कर लिया और उससे बलात्कार किया.

एक दिल्ली नगर निगम में 700 कर्मचारी होंगे अतिरिक्त, बढ़ेगा सेलरी का बोझ

नई दिल्ली, सुषमा रानी। दिल्ली के तीनों नगर निगमों के एकीकरण के बाद करीब 700 कर्मचारी अतिरिक्त हो जाएंगे और उन्हें नई प्रणाली में समायोजित करना निगम प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती होगी। 22 मई को तीनों नगर निकायों को भंग कर दिया जाएगा। इसके बाद एकीकृत दिल्ली नगर निगम का मार्ग प्रशस्त हो जाएगा।

केंद्र सरकार ने बुधवार को एक अधिसूचना जारी कर कहा है कि दिल्ली के तीनों नगर निकायों का 22 मई को औपचारिक रूप से विलय हो जाएगा। दक्षिणी दिल्ली नगर निगम के स्थाई समिति अध्यक्ष रहे कर्नल बीके ओबरॉय ने बताया कि नगर निकायों के एकीकरण से पहले कर्मचारियों को शॉर्ट लिस्ट करने की कवायद चल रही है।

तीनों नगर निगमों के एकीकृत होने के बाद करीब 700 कर्मचारी अतिरिक्त हो जाएंगे। प्रत्येक विभाग में कर्मचारियों की संख्या में एक तिहाई कटौती की संभावना है। एकीकृत एमसीडी के नए प्रशासन के सामने इन अधिशेष कर्मचारियों को समायोजित करने की चुनौती होगी।

इन कर्मचारियों को कहां लगाया जाएगा, अभी यह तय नहीं हुआ है। केंद्र सरकार की तरफ से एकीकरण की अधिसूचना जारी हो जाने के बाद उम्मीद है कि जल्द ही इन अधिशेष कर्मचारियों के भाग्य का फैसला भी हो जाएगा।

बवाना फैक्टरी में लगी आग

नई दिल्ली, सुषमा रानी। दिल्ली में फैक्ट्री, गोदाम आदि में आग लगने का सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रहा है। गुरुवार दोपहर को बवाना औद्योगिक क्षेत्र के सेक्टर दो में एक फैक्ट्री की तीसरी मंजिल पर आग लग गई। बतायाजा रहा है कि फैक्ट्री में थिनर रखा हुआ था। अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली है। आग लगने की सूचना फायर डिपार्टमेंट को दी गई। सूचना मिलने के बाद फायर डिपार्टमेंट की 17 गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। इन गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाने का प्रयास किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार इस तीन मंजिला मकान की पहली मंजिल पर पैकिंग की फैक्ट्री चल रही थी। आग लगने के बाद इससे पांच लोग झुलसे है, इसमें एक महिला भी है। सभी को जीटीबी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती करवाया गया है। आग में झुलसी एक महिला का नाम हुस्नआरा है। हुस्नआरा को इलाज के लिए जीटीबी अस्पताल के आईसीयू में भर्ती करवाया गया है। मालूम हो कि इससे पहले मुंडका में एक चार मंजिला इमारत में आग लग गई थी जिसमें 27 लोगों की मौत हो गई थी। इस मामले में पुलिस ने बिल्डिंग मालिक को गिरफ्तार कर रखा है और उससे पूछताछ की जा रही है।

कलावती अस्पताल में जुड़वां बच्चों की मौत, डॉक्टरों से मारपीट के बाद हंगामा

सुषमा रानी

नई दिल्ली। दिल्ली के कलावती अस्पताल में जुड़वां बच्चों की मौत के बाद डॉक्टरों से मारपीट हुई। फेडरेशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (फोर्डा) ने सोशल मीडिया के जरिए देर रात घटना का विरोध जताया और इस मामले में तत्काल सख्त कार्रवाई की मांग की। जानकारी के अनुसार केंद्र सरकार के लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज के अधीन कलावती अस्पताल में एक परिवार अपने पांच माह के जुड़वां बच्चों को लेकर आपातकालीन वार्ड पहुंचे। यहां कुछ देर बाद बच्चों को वार्ड दो में शिफ्ट कर दिया लेकिन परिजनों का आरोप है कि वार्ड में बच्चों की गलत इलाज और इंजेक्शन लगाने से मौत हो गई। इनमें से एक बच्चे की मौत बीते मंगलवार रात को हुई। जबकि दूसरे बच्चे ने बुधवार रात करीब नौ बजे दम तोड़ दिया। आरोप है कि मौत से पहले बच्चे को एक इंजेक्शन लगाया गया था जिसकी जानकारी डॉक्टर उनसे छिपा रहे हैं। देर रात तक परिजनों की पहचान के बारे में जानकारी नहीं मिल पाई। लेकिन, अस्पताल के कर्मचारियों का कहना है कि घटना से नाराज परिजनों ने चीख पुकार मचाना शुरू कर दिया था। देखते ही देखते यह हंगामा मारपीट में बदल गया। रात करीब नौ बजकर 20 मिनट पर अस्पताल प्रबंधन को सूचना मिली कि इस घटना में एक वरिष्ठ डॉक्टर और एक महिला रेजिडेंट डॉक्टर को काफी चोटें आई हैं। उन्हें अस्पताल के ही आपातकालीन वार्ड में भर्ती कराया गया है। परिजनों का आरोप है कि वार्ड में एक जूनियर रेजिडेंट ने बच्चे को इंजेक्शन लगाया तो उसके बाद ही तबीयत बिगड़ती चली गई और उसकी मौत हो गई। जबकि रेजिडेंट डॉक्टरों का कहना है कि बच्चे जब अस्पताल लाए गए तो उनकी हालत काफी नाजुक थी। लामा चिकित्सीय प्रक्रिया के लिए भेजा गया था। लेकिन, एक बच्चे की मौत मंगलवार को हो चुकी थी और दूसरे बच्चे की सांसें जब उखड़ने लगीं तो उसके परिजन आरोप लगाने लगे। आरडीए ने इंजेक्शन लगाने की बात से साफ इंकार किया है। मेडिकल कॉलेज के रेजिडेंट डॉक्टर एसोसिएशन (आरडीए) अध्यक्ष डॉ. सुनील दुचानिया का कहना है, हाल ही में स्वास्थ्य मंत्री ने अस्पताल का दौरा किया था।

दिल्लीवासियों को अगले पांच दिनों तक मिलेंगी लू से राहत

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में गुरुवार का मौसम साफ है और अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस के आस-पास रहने का अनुमान है। मौसम विभाग ने यह जानकारी देते हुए बताया कि गुरुवार सुबह दिल्ली का न्यूनतम तापमान 27.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से एक डिग्री सेल्सियस अधिक रहा है। जबकि सुबह साढ़े आठ बजे सापेक्षिक आर्द्रता 56 फीसदी रही।

मौसम विभाग ने कहा कि दिल्ली और उसके आसपास के क्षेत्रों में पश्चिमी विक्षोभ के कारण 25 मई तक लू चलने के कोई आसार नहीं है और इस दौरान अधिकतम तापमान 40 से 43 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। विभाग के मुताबिक शुक्रवार, शनिवार और रविवार को धूल भरी आंधी के साथ-साथ गरज के साथ छींटे पड़ने की आशंका व्यक्त की गई है। विभाग ने शहर में इस दौरान बादल छाए रहने के साथ हल्की बारिश होने का भी अनुमान जताया है।

मौसम विभाग के अनुसार 24 मई को अधिकतम तापमान गिरकर 39 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। इस बीच दिल्ली के कई हिस्सों में बुधवार तड़के बारिश हो सकती है। इस बीच कल आया नगर में मौसम वेधशाला ने 5.1 मिमी बारिश दर्ज की, जबकि जाफरपुर के मौसम केंद्र ने साढ़े आठ बजे से शाम साढ़े पांच बजे के बीच 001.0 मिमी बारिश दर्ज की।

दिल्ली से सस्ती शराब के चक्कर में हो रहा नुकसान

❍ नोएडा-गाजियाबाद वाले अब सिर्फ एक बोतल ले जा सकते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में शराब पर कर की कमी के चलते दिल्ली-यूपी बॉर्डर पर शराब की बिक्री काफी बढ़ गई है। दरअसल दिल्ली में दाम कम होने की वजह से दिल्ली की सीमा से सटे यूपी के इलाकों के लोग सीमा पार करके दिल्ली से शराब की खरीद कर रहे हैं, जिसका यूपी के शराब विक्रेताओं को काफी नुकसान हो रहा है।

दिल्ली बॉर्डर के करीब उत्तर प्रदेश के शराब विक्रेताओं ने इस बाबत पुलिस से शिकायत की है, जिसके बाद पुलिस ने चौकसी बढ़ा दी है। इसके साथ ही नोएडा और गाजियाबाद में रहने वाले लोगों को अब दिल्ली से सिर्फ एक शराब की बोतल खरीदकर लाने की अनुमति दी गई है। एक्साइज विभाग की ओर से कहा गया है कि गाजियाबाद और नोएडा में रहने वाले लोग दिल्ली से सिर्फ एक शराब की ही बोतल ला सकते हैं बशर्ते बोतल सील पैक ना हो।

दिल्ली-यूपी बॉर्डर पर इस बाबत पोस्टर भी चस्पा किए गए हैं, जिसमे सख्त निर्देश दिए गए हैं कि आप एक से अधिक बोतल लेकर नहीं आ सकते हैं। इसके साथ ही पुलिसकर्मियों से कहा गया है कि वह पोर्टेबल स्पीकर के जरिए इस बाबत लोगों को अनाउंस करके जानकारी दें, जिससे कि लोग सस्ती शराब के चक्कर में दिल्ली से अधिक बोतलें खरीदकर यूपी में ना लाएं। एनसीआर में शराब व्यापारियों ने इसको लेकर पहले ही शिकायत दर्ज कराई है। ये व्यापारी लगातार एक्साइज विभाग से इस बाबत शिकायत कर रहे हैं कि उन्हें इसकी वजह से काफी नुकसान हो रहा है।

फैक्टरी में आग लगने से एक व्यक्ति की मौत, छह अन्य घायल

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर पूर्वी दिल्ली के मुस्तफाबाद इलाके में एक फैक्टरी में बृहस्पतिवार को आग लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि छह अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आग लगने की सूचना दोपहर बाद करीब 12:17 बजे मिली और इसके तुरंत बाद आग बुझाने के लिये सात दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दमकल विभाग के अधिकारियों ने बताया कि करीब एक बजे आग पर काबू पा लिया गया।

अगले सप्ताह से दिल्ली में चलेगी इलेक्ट्रिक बस

केजरीवाल सरकार दिखा सकती है 100 बसों को हरी झंडी

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली में डीटीसी की बसों में आग की घटनाओं के बीच दिल्ली सरकार अगले सप्ताह करीब 100 इलेक्ट्रिक बस को हरी झंडी दिखाने जा रही है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि सरकार को 100 से अधिक इलेक्ट्रिक बस मिली हैं। उन्होंने बताया कि इनमें से करीब 100 बस संचालन के लिए पूरी तरह तैयार हैं और शेष को अभी तैयार किया जा रहा है। इस समय इन वाहनों को रखने के लिए दो ई-बस डिपो- मुंडेला कलां और रोहिणी सेक्टर 37 में हैं। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली परिवहन निगम की पहली इलेक्ट्रिक बस को जनवरी में हरी झंडी दी थी। मुख्यमंत्री ने कहा था कि शहर में जल्द ही इस प्रकार की 300 और बस मुहैया कराई जाएंगी।

जनवरी में 100 लो-फ्लोर सीएनजी बसों को दिखाई थी हरी झंडी

इससे पहले जनवरी में केजरीवाल सरकार ने राजधानी के इंद्रप्रस्थ डिपो से 100 लो-फ्लोर वातानुकूलित सीएनजी बसों और एक प्रोटोटाइप (नमूना) इलेक्ट्रिक बस को हरी झंडी दिखाई। कैलाश गहलोत के मुताबिक, ये बसें आधुनिक तथा पर्यावरण के अनुकूल हैं और शहर में प्रदूषण को कम करने में मदद करेंगी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी जनवरी में 100 लो-फ्लोर वातानुकूलित संपीड़ित प्राकृतिक गैस (सीएमजी) बसों और एक प्रोटोटाइप इलेक्ट्रिक बस को हरी झंडी दिखाई थी। गहलोत ने तब कहा था कि सरकार, अप्रैल तक 300 'इलेक्ट्रिक' बसें चलाने के लिए प्रयास कर रही है।

दिल्ली में 8 हजार से ज्यादा बसें

दिल्ली के परिवहन मंत्री गहलोत ने कहा कि दिल्ली में जब आम आदमी पार्टी की सरकार आई थी तो 2015-16 में दिल्ली में कुल बसों की संख्या (डीटीसी और क्लस्टर मिलाकर) 5659 थी। 2016-17 में कुल बसें बढ़कर 5826 हुईं। 2017-18 में 5732, 2018-19 में 5576, 2019-20 में 6048 बसें हो गईं। वहीं, 2020-21 में कुल बसें 6900 पर पहुंच चुकी हैं। यानी बसों की संख्या लगातार बढ़ी है। सरकार का लक्ष्य मार्च 2023 तक कुल बसें 8242 करने का है।

संपादकीय

खाद्य सुरक्षा बनाम किसान का हित

केंद्र सरकार ने गेहूं के निर्यात पर पाबंदी लगाई तो खाद्य सुरक्षा बनाम किसान के हित की सनातन बहस फिर छिड़ गई। निर्यात पर पाबंदी का फैसला देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिहाज से किया गया एक अच्छा फैसला है लेकिन क्या यह फैसला किसानों को नुकसान पहुंचाने वाला है? कांग्रेस पार्टी ने यही कहते हुए फैसले का विरोध किया कि बढ़ते निर्यात का फायदा किसानों को हो रहा था लेकिन इस सरकार से यह देखा नहीं गया। कांग्रेस और कुछ अन्य कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि निर्यात बढ़ने से निजी कारोबारी न्यूनतम समर्थन मूल्य से ज्यादा कीमत पर गेहूं खरीद रहे थे और इसका फायदा किसानों को हो रहा था। दूसरी ओर सरकार की ओर से केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने ट्विट करके कहा है कि भारत में गेहूं का स्टॉक भरपूर है लेकिन भारत की खाद्य सुरक्षा और सस्ते अनाज की उपलब्धता सुनिश्चित करने और बाजार की अटकलों से निपटने के लिए सरकार ने निर्यात पर रोक लगाने का फैसला किया। कई कृषि विशेषज्ञ सरकार के इस तर्क का समर्थन कर रहे हैं।

तभी सवाल है कि क्या देश की खाद्य सुरक्षा और किसानों का हित अनिवार्य रूप से एक-दूसरे के विरोधी हैं? क्या देश के नागरिकों को सस्ता खाद्यान्न उपलब्ध कराने की नीति की वजह से किसानों को उनकी पैदावार का उचित मूल्य नहीं मिल पाता है? क्या किसानों का हित सुनिश्चित करते हुए सरकार खाद्यान्न सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकती है? इन सवालों का जवाब बहुत सरल नहीं है। अगर सिर्फ तात्कालिक मामले को देखें तो कह सकते हैं कि सरकार ने खाद्यान्न सुरक्षा के लिहाज से निर्यात रोकने का अच्छा फैसला किया है। लेकिन सरकार चाहे तो किसानों को उनकी उपज की तय कीमत के ऊपर ज्यादा कीमत देकर उनके नुकसान की भरपाई कर सकती है। मिसाल के तौर पर सरकार अगर 2,015 रुपए प्रति क्विंटल की दर से गेहूं खरीद रही है तो प्रति क्विंटल एक निश्चित बोनस घोषित कर दे, जिससे किसानों के हित की भी रक्षा हो जाएगी।

ध्यान रहे मंडियों में निजी कारोबारी किसानों का अनाज एमएसपी के ऊपर कोई सौ-दो सौ रुपए ज्यादा देकर नहीं खरीद रहे हैं। निजी कारोबारी प्रति क्विंटल पांच से 15 रुपए तक ज्यादा भुगतान कर रहे हैं। ऐसे में अगर सरकार दो सौ रुपए प्रति क्विंटल बोनस दे तो किसानों को बड़ा लाभ होगा। सरकार ने अभी इस तरह का एक फैसला किया है। किसानों को राहत देने के लिए केंद्र सरकार ने हरियाणा में 18 फीसदी तक सिकुड़ गए गेहूं की खरीद की मंजूरी दे दी है।

ध्यान रहे मार्च-अप्रैल में अचानक गर्मी में हुई बढ़ोतरी से पंजाब और हरियाणा दोनों जगह गेहूं के दाने 15 से 20 फीसदी तक सिकुड़ गए। इनकी खरीद नहीं होने से किसान परेशान हो रहे थे। क्वालिटी खराब होने के बावजूद अगर सरकार गेहूं की खरीद करती है और गर्मी की वजह से फसल को हुए नुकसान की भरपाई के लिए प्रति क्विंटल बोनस की घोषणा करती है तभी किसानों के हितों की रक्षा होगी।

अगर सरकार ऐसा नहीं करती है तो इसका मतलब होगा कि वह वोट की राजनीति के लिहाज से जरूरी खाद्यान्न सुरक्षा नीति पर ज्यादा ध्यान दे रही है और किसानों की अनदेखी कर रही है। ध्यान रहे सरकार इस समय प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत देश के 80 करोड़ से ज्यादा लोगों को पांच किलो अनाज और एक किलो दाल मुफ्त दे रही है। इस योजना को सितंबर तक बढ़ा दिया गया है और यह अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है कि इसे 2024 के लोकसभा चुनाव तक चलाए रखना है। उसके लिए जरूरी है कि सरकारी अनाज गोदाम भरे रहें। निर्यात पर पाबंदी लगाने का पहला कारण तो यहीं है कि सरकार को मुफ्त अनाज योजना के लिए पर्याप्त गेहूं की जरूरत है। पैदावार 11 करोड़ टन के अनुमान से कम होने और सरकारी खरीद में 44 फीसदी की गिरावट आने के बाद सरकार के लिए जरूरी हो गया था कि वह निर्यात रोके। अन्यथा खुदरा बाजार में गेहूं और आटे की कीमत बेतहाशा बढ़ रही थी और सरकार को मुफ्त बांटने के लिए अनाज की उपलब्धता कम होने की चिंता सता रही थी। सो, उसने आनन-फानन में निर्यात रूकवा दिया। अच्छी बात है कि सरकार अपनी अनाज योजना को जारी रखे लेकिन साथ ही किसानों को हुए नुकसान की भरपाई करने के उपाय भी निश्चित रूप से करना चाहिए।

वह उपाय दो तरह से हो सकता है। पहला तो यह कि सरकार किसानों को हुए नुकसान का मुआवजा दे। उनकी उपज पर प्रति क्विंटल बोनस निश्चित करे। दूसरा तरीका यह है कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत अनाज की बजाय सरकार नकद पैसा मुहैया कराए। जन वितरण प्रणाली के तहत पहले से जो सस्ता अनाज मिलता रहा है उससे ऊपर जो अनाज दिया जाता है उसके बदले अगर सरकार पैसा देती है तो लोग अपनी पसंद से खाने की चीजें खरीद सकते हैं। ध्यान रहे गेहूं की पैदावार कम होने से इसकी महंगाई बढ़ी है लेकिन दूसरे कई अनाज ऐसे हैं, जिनकी कीमत नहीं बढ़ी है। उस पैसे लोग दूसरे अनाज, दालें, दूध, अंडे आदि खरीद सकते हैं। इससे गेहूं और चावल पर से दबाव कम होगा। फिर निर्यात पर पाबंदी लगाने की जरूरत नहीं होगी। किसान खुले बाजार में एमएसपी से ज्यादा कीमत पर अनाज बेच सकेंगे। बहरहाल, चाहे जिस तरीके से हो लेकिन सरकार को खाद्यान्न सुरक्षा और किसान के हित के बीच संतुलन बनाना होगा। सीधे निर्यात रोक देना कोई समाधान नहीं है। इस तरह के फैसलों से सरकार की नीतियों और उसकी सोच को लेकर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। सोचें, 11 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ बातचीत के दौरान कहा था कि अगर वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन, डब्लुटीओ मंजूरी दे तो भारत दुनिया का पेट भरने के लिए कल से निर्यात शुरू कर सकता है। उन्होंने दुनिया का पेट भरने वाली बात मई के पहले हफ्ते में हुई यूरोप की तीन दिन की यात्रा के दौरान भी दोहराई। लेकिन 13 मई को अचानक उनकी सरकार ने गेहूं के निर्यात पर पाबंदी लगा दी। वह भी ऐसे समय में जब गेहूं का सबसे बड़ा निर्यातक देश रूस युद्ध में उलझा है और यूक्रेन भी निर्यात नहीं कर पा रहा है। इस तरह के फैसले से सरकार की अगंभीरता झलकती है। जी-7 देशों के कृषि मंत्रियों ने इसके लिए सरकार की आलोचना भी की है और कहा है कि अगर सारे देश इसी तरह निर्यात रोकने का फैसला करने लगें तो पहले से चल रहा संकट और गहरा होगा।

सो, सरकार निर्यात रोकने की बजाय गेहूं का न्यूनतम निर्यात मूल्य तय कर सकती थी। इस तरह के और भी उपाय सोचे जा सकते थे, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की किरकिरी नहीं होती और घरेलू स्तर पर भी सामंजस्य बनता। नीतियों में अगर इसी तरह की एप्रोच रही तो आने वाले सीजन से निजी कारोबारी किसानों को एमएसपी के ऊपर ज्यादा मूल्य देकर फसल नहीं खरीदेंगे। वे सावधानी बरतेंगे, जिसका नुकसान किसानों को उठाना होगा। यह स्थिति हर फसल के मामले में हो सकती है क्योंकि जलवायु परिवर्तन की वजह से मौसम का मिजाज बिगड़ रहा है और सबको पता है कि भारत में खेती मॉनसून पर ही निर्भर है। इसलिए किसी भी सीजन में फसल खराब हो सकती है। तो क्या सरकार हर सीजन के मुताबिक निर्यात नीति बनाएगी? सो, यह सुनिश्चित करना चाहिए कि देश में एक निश्चित निर्यात नीति हो, खाद्यान्न सुरक्षा की निश्चित नीति हो और किसानों के हितों की रक्षा करने की भी निश्चित नीति हो और इन तीनों में सामंजस्य हो।

TITLE CODE:-DELHIN29015

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक मो. अकिलुर रहमान द्वारा आरडी प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड नोएडा से मुद्रित व जे-29, जे-एक्स. गली नं-9, लक्ष्मी नगर, दिल्ली-110092 से प्रकाशित। सभी प्रकार के विवादित मामलों का निपटारा दिल्ली के न्याय क्षेत्र में ही होगा।

संपादक: मो. अकिलुर रहमान

E-mail : rajnitikdaon@gmail.com

Mob-9560268603

इंटरनेट, कंप्यूटर और मोबाइल का मकड़ जाल

संजीव ठाकुर

(बिगड़ता आम उपभोक्ता का बजट)

टेलीफोन, मोबाइल, इंटरनेट के अविष्कार के बाद मानवीय संचार माध्यम के अविष्कार के बाद संचार विज्ञान के इतिहास में अत्यंत समीचीन तथा भविष्य का एक तूफानी विकास है। विभिन्न संचार माध्यमों के आपस में जुड़े कंप्यूटर एवं विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का समूह कंप्यूटर नेटवर्क कहा जाता है, और इन्हीं कंप्यूटर नेटवर्क का विश्व स्तरीय अंतरजाल को अंग्रेजी में इंटरनेट कहा जाता है। अमेरिका में एक दूसरे के सूचना माध्यमों को जोड़कर जानकारी गुप्त रूप से आदान-प्रदान करने के लिए 1969 में अमेरिका में कंप्यूटर में 'अपारनेट' की स्थापना की गई थी। इसी परिकल्पना के साथ कंप्यूटर नेटवर्क, आगे चलकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नेटवर्क इंटरनेट के रूप में परिवर्तित हो गया। इंटरनेट का सार्थक उपयोग समाज में शिक्षा संगठन और भागीदारी की दिशा में एक महत्वपूर्ण पॉजिटिव ट्रैक होने के साथ एक चमत्कारिक परिवर्तन समाज में आया है। आज लोगों के शौक खेलना, पढ़ना ,संगीत सुनना, चित्र बनाना ,फोटोग्राफी परिवर्तित होकर 90% लोगों के इंटरनेट सर्फिंग, संगीत सुनना और चित्र बनाने जैसे शौक इंटरनेट से मोबाइल अथवा कंप्यूटर के माध्यम से पूरे किए जा रहे हैं। विश्व में जनसंख्या के हिसाब से 4 अरब लोग इंटरनेट कंप्यूटर तथा मोबाइल के माध्यम से सुबह शाम इस्तेमाल कर रहे हैं। भारतीय परिपेक्ष में 135 करोड़ की अनुमानित जनसंख्या वाले देश में लगभग 40% लोग मोबाइल और इंटरनेट का उपयोग कर एक दूसरे से जुड़ने का प्रयास कर रहे हैं। इंटरनेट एक ऐसा सेवक है जो मोबाइल के माध्यम से आपके सभी आदेशों का पालन करने के लिए दिन रात उपलब्ध है। मोबाइल और कंप्यूटर में उपयोग होने वाला इंटरनेट एक ऐसा अंतरजाल है जिस का आविष्कार सूचनाओं को साझा करने के उद्देश्य किया गया था और अब सूचना प्रौद्योगिकी के इस वर्तमान काल में दस्तावेजों एवं धोनी माध्यम के साथ वीडियो का आदान प्रदान करना भी इंटरनेट के माध्यम से संभव हो गया है। हवाई जहाज की, होटल की, किताबों की और व्यापार बढ़ाने की योजनाओं की बुकिंग इंटरनेट द्वारा घर बैठे कंप्यूटर या मोबाइल से किया जा सकता है। सरकार की प्रशासनिक कार्यों से लेकर व्यापार ,शिक्षा के नव अवसर भी इंटरनेट के माध्यम से पूर्ण किए जाने लगे हैं।

इंटरनेट ने पूरे विश्व को एक दूसरे के एकदम करीब लाने के साथ-साथ सूचना प्रौद्योगिकी में एक चमत्कारिक परिवर्तन लाया है।

भारत में इस इंटरनेट या अंतरजाल ने जहां पूरे भारत को एक करके रख दिया है वहीं दूसरी तरफ इंटरनेट की सेवाएं जो एयरटेल आइडिया, डोकोमो, टाटा,जिओ और बीएसएनएल जैसी कंपनियां भारतीय उपभोक्ताओं को शहर से लेकर गांव तक अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। दूसरी तरफ पूर्व में जहां गरीब उपभोक्ता ड्ड10 से लेकर ड्ड100 तक आसानी से रिचार्ज करा लिया करता था ,अब इंटरनेट की कंपनियां ड्ड200

से लेकर ड्ड1000 तक बात करने की सुविधा के साथ इंटरनेट की सुविधा भी साथ में उपलब्ध करा रहे हैं जो सीधे-सीधे आम उपभोक्ता के लिए उनकी आर्थिक स्थिति में सेंध मारने जैसा कार्य है। हालांकि यह सेवाएं स्वैच्छिक हैं, उपभोक्ता इंटरनेट की सेवाएं लेना चाहे तो ले अन्यथा केवल बातचीत करने की सेवाएं सी ले सकता है,पर एक बार इंटरनेट इस्तेमाल करने की आदत पड़ने के बाद उपभोक्ता इसका आदी होने लगता है।अब स्थिति यह है कि सीधा 28,58,89 दिनों के लिए इंटरनेट के साथ बात करने की सुविधा महंगी दरों में उपलब्ध कराई जा रही है। जिससे गरीब उपभोक्ता की जेबों में हमला कर उनका मासिक बजट बिगाड़ने का काम हो रहा है, इस तरह से बात करने की सुविधा के साथ इंटरनेट भी दिया जाना भारत के ग्रामीण क्षेत्र में गरीब व्यक्ति को और भी गरीबी के दलदल में धकेलने जैसा ही है। यह सभी कंपनियों का गरीब उपभोक्ता के जेबों में सीधे-सीधे पैसे निकालने का सुनियोजित षड्यंत्र की तरह कर रहीं है। भारत के हर तीसरे व्यक्ति के पास एंड्राइड या स्मार्टफोन उपलब्ध है और यह बड़ी कंपनियां हर माह इन उपभोक्ताओं को आवश्यक रूप से इंटरनेट उपलब्ध कराने के पैकेज देकर अपना उल्लू सीधा करने का प्रयास कर रही है, इस पर प्रभावी नियंत्रण अति आवश्यक है। इस तरह के मोबाइल रिचार्ज पर सरकार को कड़ा कानून बनाकर इस के नियमन पर नियंत्रण रखना होगा। यह एक तरह की उपभोक्ताओं की परोक्ष तथा अदृश्य भावनाओं से खेल कर उनके बजट से आर्थिक लाभ लेने की सुनियोजित योजनाएं हैं ,जिनमें तत्काल नियंत्रण की आवश्यकता होगी। भारत में इंटरनेट सेवा की शुरूआत भारत संचार निगम लिमिटेड ने वर्ष 1995 की थी अब एयरटेल, रिलायंस, टाटा इंडीकॉम, वोडाफोन, जैसी दूरसंचार कंपनियां इंटरनेट सेवा उपलब्ध कराती है। विज्ञान की प्रकृति के साथ-साथ सूचना संचार माध्यम में आशातीत वृद्धि हुई है। इंटरनेट के माध्यम से न केवल उच्च शिक्षा प्राप्त की जा सकती बल्कि रोजगार प्राप्ति के लिए सहायक होते हैं। शिक्षा के क्षेत्र में कहा जाता है कि इंटरनेट दुनिया के सबसे बड़ा पुस्तकालय है यहां सभी पुस्तकें पढ़ने के लिए उपलब्ध हैं। इंटरनेट की एक को ही देखकर हमें भारतीय संदर्भ में आम उपभोक्ताओं के आर्थिक बजट को भी ध्यान में रखकर इंटरनेट उपलब्ध कराने वाली एजेंसियों पर नजर रख बातचीत करने के लिए सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ इंटरनेट उपलब्ध कराना एक विकल्प रखना चाहिए । अन्यथा सीधा-सीधा इंटरनेट कंपनियां भारतीय आम उपभोक्ताओं का बजट बिगड़ने का काम ही कर रही है। इसके अलावा इंटरनेट से बच्चों तक अवांछित नग्न दृश्य भी इंटरनेट आसानी से उपलब्ध कराकर उनके भविष्य से खिलवाड़ भी कर रहा है। लोग इंटरनेट का दुरुपयोग कर अश्लील साइटों को देखने और सूचनाओं को चुराने में भी सकते इससे साइबर अपराधों में वृद्धि हुई है।भया दोहन की घटनाएं भी बार-बार इंटरनेट के माध्यम से आम उपभोक्ताओं को परेशान कर रही है। अतः भारतीय उपभोक्ताओं को यह सलाह है कि इंटरनेट का ज्ञान की तरह उपयोग करें ,कूड़ेदान की तरह नहीं। यदि इसका सही उपयोग ज्ञान के सागर में गोता लगाने के लिए किया जाए और ज्ञान उपलब्ध हो सके तो इससे अच्छी कोई बात नहीं हो सकती। बस इसके आर्थिक पक्ष पर भी समुचित नजर रखी जानी चाहिए।

मन स्वस्थ्य है तो तन स्वस्थ है!!

मनुष्य के पास मन की संकल्प शक्ति यह एक महत्वपूर्ण अस्त्र है, जिसके दम पर स्वास्थ्य सहित हर क्षेत्र में बड़ी जीत हासिल की जा सकती है!! तन और मन दोनों की स्वस्थ्यता, जीवन में सफलता के साथ आनंदमय जीवन जीने का भी सूत्र है - एड किशन भावनानी

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

गोंदिया - सृष्टि के अनमोल हीरे मानव प्रजाति में उसकी रचना करने वाले ने अदभुत गुणों की खान सृजित की है बस!! हमें अपनीं अनमोल कुशाग्र बुद्धि से उसे पहचान कर अपने जीवन में ढालना है, तो फिर हर कोई कहेगा देखो क्या खूबसूरत सुखी जिंदगी है!! अपने आप में, परिवार, मोहल्ले, समाज में ही हम सतयुग का माहौल बना कर अति सुख चैन से अपने जीवन के अनमोल क्षणों को बिता सकते हैं साथियों, अनेक गुणोंमें से एक गुण संकल्प शक्ति जिसका मन और स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव पर चर्चा हम आर्टिकल के माध्यम से करेंगे

साथियों बात अगर हम अपने इस मानव शरीर की करें तो मन स्वस्थ है तो तन स्वस्थ है मन का संकल्प मनुष्य की आंतरिक शक्ति है। मानव शरीर यदि रथ के समान है तो यह मन उसका चालक है। मनुष्य के शरीर की असली शक्ति उसका मन है। मन के अभाव में शरीर का कोई मूल्य ही नहीं है। मन ही वह प्रेरक शक्ति है जो मनुष्य से बड़े-बड़े काम करवा लेती है। यदि मन में दुर्बलता का भाव आ जाए तो शक्तिशाली शरीर और विभिन्न प्रकार के साधन भी व्यर्थ हो जाते हैं। मन बहुत बलवान है। शरीर की सब क्रियाएं मन पर निर्भर करती है । यदि मन में शक्ति, उत्साह और उमंग है तो शरीर भी तेजी से कार्य करता है। अतः व्यक्ति की हार जीत उसके मन की दुर्बलता सबलता पर निर्भर है।

साथियों शारीरिक दृष्टि से दुर्बल एवं हीन होते हुए भी दृढ़ निश्चयी व्यक्ति ऐसे-ऐसे कार्य कर जाया करते हैं कि उनकी असाधारणता पर विस्मय-विभोर होकर रह जाना पड़ता है!! सामान्यतः साधारण प्रतीत होने वाले व्यक्ति भी अपनी संकल्प शक्ति के बल से भयावह तूफानों तक का मुँह मोड़ देने में सफल हो जाया करते हैं। मनोविज्ञान का मानना है कि वनस्पति जाग्रत रहती है पशु सोते है पत्थर में भी चेतना सोती है और मनुष्य विचार चिन्तन करता है इसलिए यह इन अन्य सजीवों तथा निजीवों से भिन्न हैं। चिन्तन एवं मनन करना इन्सान की विशेषता है जिनका सीधा सम्बन्ध मन से होता है।

साथियों संकल्प शक्ति का प्रयोग किए बिना व्यक्ति कोशिश किए बिना ही पहले ही हार स्वीकार कर लेते हैं । धीरे-धीरे उनमें यह भावना बैठ जाती है कि वे कभी भी जीत नहीं सकते हैं । वहीं दूसरी ओर सफल व्यक्ति हमेशा आशावादी व कर्मवीर होते हैं । वे जीत के लिए हमेशा प्रयास करते हैं ।जब तक हमारा मन शिथिल है तब तक हम कुछ भी नहीं कर सकते। मनुष्य का जीवन खेल के मैदान के समान है। यहाँ हर व्यक्ति खिलाड़ी है। खेल में विजय प्राप्त करने के लिए खिलाड़ी को चुस्त और तंदुरुस्त होने के साथ-साथ अपने-आप पर भरोसा भी होना चाहिए। जिसका मन मजबूत होता है, वही सच्चे अर्थों में तंदुरुस्त और अपने-आप पर भरोसा रखनेवाला होता है। साथियों बात अगर हम मन के बारे में ऐतिहासिक कबीर श्लोकों की करें तो मन के हारे हार है, मन के जीते जीत।

कहे कबीर हरि पाइए मन ही की परतीत।।

अर्थात- जीवन में जय और पराजय केवल मन के भाव हैं। यानी जब हम किसी कार्य के शुरू में ही हार मान लेते हैं कि हम सचमुच में ही हार जाते हैं। लेकिन अपनी मंजिल के लिए जब जूझते हैं, बार-बार गिर कर खड़े होते हैं तो हमारा आत्मविश्वास कई गुना बढ़ जाता है। इसके बाद जब मंजिल मिलती है, तो उसकी खुशी कई गुना होती है। इसलिए आपकी जीत या हार को कोई और तय नहीं कर सकता है। यह खुद आपके ऊपर निर्भर करता है। यही बात इस कहानी में भी बताई गई है। यह कहावत किसी व्यक्ति के जीवन की तरह किसी देश या राष्ट्र के बारे में भी सत्य सिद्ध होती है। किसी देश या राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत उस देश के निवासियों की प्रबल इच्छाशक्ति में रहती है।

साथियों इसीलिए आत्मविश्वास की बात कही जाती है। अखबारों में हम अपनी क्रिकेट टीम की हार का कारण पढ़ते हैं, तो यही पढ़ते हैं कि खिलाड़ी अपना मनोबल बनाए नहीं रख सके। या तो वे अतिउत्साह में आ गए या फिर निराशा में। मन की इन दोनों स्थितियों का शरीर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। शरीर को इस बात से कोई लेना-देना नहीं होता कि उसके अंदर उत्साह की तरंगें पैदा हो रही हैं या निराशा की। उसको तो तरंगों से मतलब है। निराशा की तरंगों से उसकी शक्ति विखंडित हो जाती है। इसका परिणाम पराजय में होता है। इसलिए बहुत जरूरी है कि हम संतुलित रहें।

साथियों बात अगर हम मन स्वस्थ है तो तन स्वस्थ है की करें तो, स्वस्थ और तंदरुस्त रहना हमारे दैनिक कार्यों को पूरा करने में मदद करता है। स्वस्थ्य रहने का अर्थ रोग रहित तन का होना ही नहीं, बल्कि तनावमुक्त मन का होना भी है। यदि एक व्यक्ति अस्वस्थ मन रखता है, तो वह अपने शरीर को स्वस्थ नहीं रख सकता है। शरीर और मन दोनों की स्वस्थता जीवन में सफलता के साथ आनंदमय जीवन जीने का सूत्र है। हमें अपने शरीर और मन दोनों को स्वस्थ रखने के लिए सभी बिन्दुओं के बारे में जागरुक होने की आवश्यकता है।

कुछ लोग बहुत अच्छे से जानते हैं कि शरीर को साफ-सुथरा और स्वस्थ कैसे रखा जाता है, लेकिन मन में घूम रही परेशानियों की वजह से उन्हें स्वस्थ रहने के लाभ नहीं मिल पाते हैं। मानसिक तनाव धीरे-धीरे शारीरिक स्वास्थ्य को कमजोर कर देता है। ऐसे में जरूरी है हम कि शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक स्वास्थ्य को लेकर भी गंभीर रहें। इसके लिए आलस्य को त्यागकर ध्यान व व्यायाम दोनों का सहारा लिया जाना चाहिए। स्वस्थ मन से बनता है स्वस्थ तन, स्वस्थ तन से बनता है स्वस्थ जीवन और स्वस्थ जीवन से बनेगा स्वस्थ भारत!!

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि मन स्वस्थ है तो तन स्वस्थ्य हैं!!मनुष्य के पास मन की संकल्प शक्ति यह एक महत्वपूर्ण अस्त्र है जिसके दम पर स्वास्थ्य सहित हर क्षेत्र से बढ़ी जीत हासिल की जा सकती है!!तन और मन दोनों की स्वस्थता जीवन में सफलता के साथ आनंदमय जीवन जीने का भी एक सूत्र है!!

राज ठाकरे : अवसरवादी व विकृत राजनीति का एक और चेहरा

-तनवीर जाफरी-

यदि हम पीछे मुड़कर राज ठाकरे के राजनैतिक महत्वाकांक्षा भरे जीवन पर एक नजर डालेंगे तो यही पायेंगे कि बाल ठाकरे की विरासत के रूप में शिव सेना की कमान न मिल पाने के विरोध में ही 9 मार्च 2006 को कथित रूप से हिंदुत्व तथा भूमिपुत्र के सिद्धान्तों पर आधारित महाराष्ट्र नव निर्माण सेना (मनसे) महाराष्ट्र के एक क्षेत्रीय राजनैतिक दल के रूप में वजूद में आई। यह भी कहा जाता है कि उद्धव ठाकरे के साथ मतभेद तथा राज्य में चुनाव में टिकट वितरण जैसे अहम फैसलों में राज ठाकरे की अवहेलना के चलते भी मनसे गठित की गयी। परन्तु हकीकत तो यह है कि यदि बाल ठाकरे अपनी राजनैतिक विरासत अपने पुत्र उद्धव ठाकरे को सौंपने के बजाये भतीजे राज ठाकरे को सौंप देते तो यकीनन मनसे वजूद में ही न आती। बहरहाल मनसे ने राज ठाकरे के नेतृत्व में बाल ठाकरे तर्ज की आक्रामक राजनीति करनी शुरू की। शिवसेना को कमजोर करने की कोशिश करते हुए बी एम सी,पुणे नगर निगम,ठाणे तथा नासिक नगर निगम जैसे महत्वपूर्ण स्थानों पर अपने प्रतिनिधि निर्वाचित कराये। इतना ही नहीं बल्कि 2009 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में मनसे ने 13 विधानसभा सीटें भी जीतीं। इसके अलावा 24 से अधिक स्थानों पर मनसे दूसरे स्थान पर भी रही।

परन्तु अब सीटें जीतने के लिहाज से धीरे धीरे मनसे का राजनैतिक जनाधार लगभग समाप्त सा हो गया है। इसका मुख्य कारण यह है कि जो मनसे हिंदुत्व का ध्वजवाहक बनना चाहती थी उसी ने 2008 में उत्तर भारतीयों विशेषकर उत्तर प्रदेश,झारखण्ड,मध्य प्रदेश और बिहारी प्रवासियों के विरुद्ध खुले आम हिंसा शुरू कर दी। मनसे कार्यकताओं ने महाराष्ट्र के विभिन्न भागों में उत्तर भारतीय दुकानदारों और विक्रेताओं पर हमला किया। कई जगह सरकारी सम्पत्ति नष्ट कर दी। छठ जैसे उत्तर भारतीयों के प्रमुख त्यौहार का विरोध किया जाने लगा। इस घटना पर लोकसभा में भी काफी हंगामा हुआ था। इसी तरह 9 नवम्बर 2009 को समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी को मनसे विधायकों द्वारा उन्हें हिंदी में शपथ लेने से रोका गया। और उनसे सदन में मार पीट की गयी। महाराष्ट्र विधान सभा अध्यक्ष ने इस घटना में शामिल मनसे के चार विधायकों को चार वर्ष के लिए निलम्बित कर दिया गया था। मुम्बई और नागपुर में विधान सभा बैठक के दौरान उनके प्रवेश पर भी रोक लगा दी गई थी। अभी पिछले दिनों पूर्व महाराष्ट्र में मनसे द्वारा खड़े किये गये अजान-लाउडस्पीकर-हनुमान चालीसा विवाद के मध्य मनसे प्रमुख राज ठाकरे को कथित तौर पर कोई धमकी भरा पत्र मिला। इस पत्र के मिलने के बाद एक मनसे नेता ने कहा कि राज ठाकरे को एक धमकी भरा उर्दू में लिखा गया पत्र मिला है, उनकी जान को खतरा है। इस नेता ने चेतावनी दी है कि अगर ठाकरे को कुछ हुआ तो 'वे महाराष्ट्र को जला देंगे'। स्वयं राज ठाकरे की राजनीति का अंदाज प्रायः आक्रामक व तल्खी भरा ही रहता है। वे कई बार अपने साक्षात्कार के दौरान आपे से बाहर और वरिष्ठ पत्रकारों के प्रति अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल करते दिखाई देते हैं।

अब जबसे शिवसेना ने भाजपा से अपना पुराना नाता तोड़ कांग्रेस व राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी से मिलकर सरकार गठित की है तब ही से राज ठाकरे भाजपा के साथ अपने राजनैतिक संबंध बनाने की जुगत में लगे थे। या यूँ कहें कि भाजपा व मनसे दोनों को ही एक दूसरे से संबंध बनाने की मजबूरी दरपेश थी। परन्तु इसके लिये राज ठाकरे को अपने मराठी नहीं बल्कि हिंदुत्ववादी तेवरों में धार रखनी जरूरी थी। जो उन्होंने मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाने,अजान के वक़्त लाउडस्पीकर पर हनुमान चालीसा पढ़ने जैसा विवाद खड़ा कर, करने की पूरी कोशिश भी की। साथ ही राज ठाकरे ने अपने नये 'हिंदुत्ववादी अवतार' को क्षेत्रीय की जगह राष्ट्रीय 'कवच ' पहनाने के लिये 5 जून को अयोध्या में राम लला के दर्शन का कार्यक्रम भी घोषित कर दिया।खबरों के मुताबिक मनसे ने 11 ट्रेन रैक बुक कराने की योजना बनाई है ताकि अयोध्या में मनसे के कार्यकर्ता अपने नेता का स्वागत कर सकें। परन्तु उत्तर भारतीयों द्वारा राज ठाकरे का पुराना रिकार्ड अब खोल दिया गया है। बहराइच,अयोध्या से लेकर इलाहबाद और पूर्वांचल के कई जिलों में उन्हीं उत्तर भारतीयों ने राज ठाकरे का विरोध करने के लिये कमर कस ली है जिन्हें 2008 में राज ठाकरे के निदेर्शों पर मनसे कार्यकताओं द्वारा इतना प्रताड़ित किया गया था कि लाखों लोग रास्तों में और ट्रेनों,बसों व टैक्सियों में मार खाते, लुटते, पिटते अपने घरों को लौटने के लिये मजबूर हो गए थे। राज ठाकरे के विरोध में सत्ताधारी दल भाजपा के कैसर गंज के सांसद बृजभूषण शरण सिंह जोकि भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष भी हैं, ने मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने कहा है कि ठाकरे को अयोध्या आने देना तो दूर उन्हें उत्तर प्रदेश की सीमा में भी घुसने नहीं दिया जायेगा। और भी कई राजनेता व धर्मगुरु भी राज ठाकरे की अयोध्या यात्रा का विरोध कर रहे हैं। उनके अयोध्या आगमन से पहले ही अनेक राजनैतिक संगठन और संस्थाायें विरोध में उतर आई हैं। अयोध्या के कई प्रमुख साधु संत व धर्मगुरु भी राज ठाकरे के प्रस्तावित अयोध्या दौरे का विरोध कर रहे हैं।

राज ठाकरे के अयोध्या दौरे का विरोध करने वालों का कहना है कि उत्तर भारतीयों को अपराधी कहने वाले राज ठाकरे या तो उत्तर भारतीयों से माफी मांगें अन्यथा अयोध्या आने का साहस न करें। इनका कहना है कि 'हम उत्तर भारतीय ही भगवान श्री राम के वंशज हैं अतः उत्तर भारतीयों का महाराष्ट्र में अपमान किया जाना भगवान श्रीराम का अपमान है। राज ठाकरे भगवान श्री राम के अपराधी हैं। लिहाजा बिना माफी मांगे अयोध्या आने पर उत्तर भारतीय राज ठाकरे का जमकर विरोध करेंगे। इस पूरे प्रकरण में आश्चर्य की बात तो यह है कि जहाँ एक भाजपा सांसद खुलकर राज ठाकरे के अयोध्या दौरे का विरोध कर रहे हैं वहीं इन्हीं विरोध स्वरों के बीच अयोध्या से भाजपा के ही सांसद लल्लू सिंह, राज ठाकरे के समर्थन में आ गये हैं। सांसद लल्लू सिंह का कहना है कि जो भी प्रभु श्रीराम की शरण में आना चाहता है उसका अयोध्या में स्वागत है। सांसद लल्लू सिंह ने यह भी कहा कि -'राज ठाकरे पर हनुमान जी की कृपा हुई है इसलिए वह अयोध्या में प्रभु श्रीराम जी की शरण में आ रहे हैं। मैं प्रभु से प्रार्थना करता हूं कि उन्हें सद्बुद्धि मिले जिससे कि वह स्वयं के व महाराष्ट्र के कल्याण के लिए प्रधानमंत्री मोदी जी की शरण में भी जाएं'। उधर 10 जून को राज ठाकरे के भतीजे आदित्य ठाकरे भी अयोध्या आ रहे हैं। अयोध्या में दोनों 'ठाकरे' के दौरे को लेकर पोस्टर लगाये जा रहे हैं।

आईकेजे केयर फाउंडेशन ने किया वूमैन अचीवर्स अवॉर्ड का भव्य आयोजन

अम्बाला। पिछले कई सालों से अपने सामाजिक दायित्व का बखूबी निर्वहन कर रही संस्था आईकेजे केयर फाउंडेशन ने वूमैन अचीवर्स अवॉर्ड-2022 का भव्य आयोजन किया। समारोह का आयोजन पुलिस ऑडिटोरियम अम्बाला में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आईटीबीपी ट्रेनिंग सेंटर पंचकुला के आईजी ऑफ पुलिस ईश्वर सिंह दुहान मौजूद रहे। कार्यक्रम में गैस्ट ऑफ ऑनर के तौर पर एसपी जेल अंबाला लखबीर सिंह बराड़ एवं योगा फेडरेशन हरियाणा के अध्यक्ष राजेंद्र विज ने हिस्सा लिया। वूमैन अचीवर्स अवॉर्ड 2022 में शिक्षा, स्वास्थ्य, पुलिस, खेल, वूमैन एंपावरमेंट सहित भिन्न-भिन्न आठ श्रेणियों के तहत चुनी गई

लगभग 140 प्रतिभाशाली महिलाओं को पुरस्कृत किया गया। जिसमें कला एवं संस्कृति, हैल्थ केयर, शिक्षा, खेल, समाजसेवा, सशक्तिकरण, उद्यमिता आदि शामिल थी। संस्था की चेयरपर्सन राधिका चीमा ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में महिलाओं द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों को समाज के सामने लाना व अन्य महिलाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना था। उन्होंने बताया कि आईकेजे हेयर फाउंडेशन द्वारा कोविड महामारी के दौरान कोविड केयर किट्स, अस्पतालों में बैड्स व अन्य जरूरी सामान मुहैया कराने, मरीजों के लिए निशुल्क भोजन, जरूरतमंद लोगों को राशन वितरण व जरूरतमंद मरीजों के लिए निशुल्क एंबुलेंस का संचालन, कोरोना वारियर्स हैल्थकेयर, सफाईकर्मियों, पुलिस कर्मियों, प्रशासनिक अधिकारीगण का सम्मान, स्वच्छता अभियान के तहत निशुल्क बैग्स का वितरण, झुग्गी-झोपड़ी में रह रहे बच्चों को किताबों के साथ जरूरी चीजें भकेंट की गईं। उल्लेखनीय है कि चेयरपर्सन राधिका चीमा, ट्रस्टी उषा जुनेजा, जानेमाने उद्यमी एवं समाजसेवी संजीव जुनेजा, सारा जुनेजा तथा गुरविंदर चीमा किसी भी सेवा कार्य के लिए हर समय तत्पर रहते हैं। कार्यक्रम में बॉलीवुड अभिनेता गुलशन ग्रोवर लोगों के आकर्षण का केन्द्र रहे। लोगों का कहना था कि वे बैड नहीं गुडमैन हैं। गुलशन ग्रोवर ने भी आईकेजे केयर फाउंडेशन के कार्यों की प्रशंसा करते हुए सम्मातिन महिलाओं को बधाई दी। इस अवसर पर दविंद्र बजाज, तजिंद्र बजाज, गुरविंद्र चीमा, अधिवक्ता संदीप सचदेवा, राकेश मक्कड़, अरविंद सिकरी, गुरविंद्र जस्सर उपस्थित थे। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों और लाइव बैंड का आयोजन किया गया।

अवॉर्ड का उद्देश्य महिलाओं को समाज में बढ़ने के लिए प्रेरित करना: राधिका चीमा

शेयर बाजार में गिरावट की सुनामी

सेंसेक्स 1416 अंक लुढ़का, निवेशकों को 6.71 लाख करोड़ रुपए की चपत

मुंबई। वैश्विक बाजार सहित अमेरिकी शेयर बाजारों में जोरदार गिरावट का असर गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार पर देखने को मिला। कमजोर वैश्विक रुख के दबाव में स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा बिकवाली से गुरुवार को शेयर बाजार में हाहाकार मच गया और सेंसेक्स एवं निफ्टी ढाई प्रतिशत से अधिक की गिरावट लेकर बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स ने 1416.30 अंक का गोता लगाकर 53 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 52792.23 अंक और एनएसई का निफ्टी 430.90 अंक लुढ़ककर 16 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 15809.40 अंक पर रहा। इस दौरान गुरुवार के कारोबार के दौरान बाजार में बिकवाली इतनी ज्यादा रही कि निवेशकों को 6 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की चपत लग गई। इस बिकवाली के माहौल में बीएसई का बाजार पूंजीकरण एक दिन पहले के 255.7 लाख करोड़ रुपए से 6.71 लाख करोड़ रुपए गिरकर 249.06 लाख करोड़ रुपए रह गया। बीएसई की दिग्गज कंपनियों की तरह छोटी और मझौली कंपनियों में भी बिकवाली हावी रही। इस दौरान मिडकैप 2.66 प्रतिशत की गिरावट लेकर 22,069.73 अंक और स्मॉलकैप 2.29 प्रतिशत टूटकर 25,801.04 अंक पर आ गया। इसके दबाव में बीएसई के सभी 19 समूहों में बिकवाली हुई। इस दौरान आईटी समूह ने सबसे अधिक 5.25 और टेक समूह ने 5.11 प्रतिशत का नुकसान उठाया।

साथ ही धातु 4.23, दूरसंचार 3.46, बेसिक मैटैरियल्स 2.81, तेल एवं गैस 2.41 और रियल्टी समूह के शेयर 2.48 प्रतिशत में सबसे अधिक गिरावट रही।

बाजार में गिरावट के कारक

आसमान छूती महंगाई से वैश्विक अर्थव्यवस्था को लेकर बढ़ रही चिंता ने अंतर्राष्ट्रीय बाजार के प्रति निवेश धारणा कमजोर रही। अमेरिकी कंपनियों ने मुद्रास्फीति के माहौल को नेविगेट करते हुए कॉर्पोरेट मुनाफे के बारे में चिंताओं को रेखांकित किया। वॉलमार्ट इंक से लेकर मैसीज इंक तक के रिटेलर्स के शेयर भी गिरकर बंद हुए हैं। डॉलर के मुकाबले रुपया के कमजोर होने की वजह से भी बाजार प्रभावित हुआ है। कमजोर रुपया भारतीय इक्विटी में निवेश को विदेशी निवेशकों के लिए आकर्षक नहीं बनाता है। इसके अलावा विदेशी निवेशकों के पैसे निकालने का सिलसिला बदस्तूर जारी होने की वजह से भी बाजार रेंगता नजर आ रहा है। इसके अलावा शोध सलाह देने वाली कंपनी जेपी मॉर्गन के सूचना प्रौद्योगिकी आईटी एवं टेक उद्योग की रेटिंग घटाने का असर भी बाजार दिखा।

अमेरिकी शेयर बाजार में दो साल की सबसे बड़ी गिरावट

रिपोर्ट के मुताबिक, वॉल स्ट्रीट ने दो साल में सबसे बड़ी एकदिनी गिरावट देखी। अमेरिका का डाऊ जोंस 1164.52 अंक या 3.57 फीसदी गिरकर 31490.07 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, नैस्डैक भी 4.73 फीसदी या 566 अंकों का गोता लगाकर 11428 के स्तर पर आ गया। इसके अलावा एसएंडपी भी 4.04 फीसदी या 165 अंकों की भारी गिरावट के साथ 3923 के स्तर पर बंद हुआ। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 2.57, जर्मनी का डैक्स 2.10, जापान का निक्केई 1.89 और हांगकांग का हैंगसेंग 2.54 प्रतिशत लुढ़क गया। हालांकि चीन के शंघाई कंपोजिट में 0.36 प्रतिशत की मामूली बढ़त रही।

विप्रो को सबसे अधिक नुकसान, आईटीसी के शेयर रिकार्ड हॉई पर

इस दौरान सेंसेक्स की 27 कंपनियों में बिकवाली जबकि शेष तीन में लिवाली हुई। विप्रो ने सबसे अधिक 6.21 प्रतिशत का नुकसान उठाया वहीं आईटीसी के शेयरों में सर्वाधिक 3.43 प्रतिशत की तेजी रही। शेयर बाजार में गिरावट के बीच आईटीसी के शेयर अपने अब तक के रिकॉर्ड हाई पर पहुंच गए हैं। गिरावट पर रहने वाली अन्य प्रमुख कंपनियों में एचसीएल टेक 6.01, इंफोसिस 5.46, टीसीएस 5.17, टेक महिंद्रा 5.07, टाटा स्टील 4.86, महिंद्रा एंड महिंद्रा 3.30 शामिल है।

1138 अंक की गिरावट पर खुला सेंसेक्स

शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 1138 अंक की बड़ी गिरावट लेकर 53,070.30 अंक पर खुला लेकिन लिवाली होने से थोड़ी देर बाद यह 53,356.04 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंचा। इसके बाद बिकवाली शुरू होने से यह लगातार गिरता हुआ कारोबार के अंतिम चरण में 52,669.51 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। निफ्टी भी 323 अंक लुढ़ककर 15,917.40 अंक पर खुला। कारोबार के दौरान यह 15,984.75 अंक के उच्चतम जबकि 15,775.20 अंक के निचले स्तर पर रहा।

एसआरएम छात्र को एक करोड़ रुपए से अधिक का ऑफर मिला

कट्टनकुलथुर। एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी एसआरएमआईएसटी ने कहा कि हमें यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि हमारे अंतिम वर्ष के छात्रों में से एक पुरंजय मोहन को अमेजन जर्मनी से सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट रोल एम्बेडेड सिस्टम लिनक्स कर्नेल डेवलपर के लिए एक करोड़ रुपए प्रति वर्ष का ऑफर मिला है। यह घोषणा एसआरएमआईएसटी के संस्थापक चांसलर डॉ. टीआर परिवेंद्र ने चेन्नई में आयोजित एक प्रेस मीट में की। प्रेस मीट में प्रो चांसलर अकादमिक डा. पी. सत्यनारायणन, वाइस चांसलर डॉ. सी. मुथामिझचेलवन, रजिस्ट्रार डॉ. एस.पोन्नुसामी और निदेशक कैरियर सेंटर वेंकट शास्त्री उपस्थित थे। छात्र को इलस्ट्रियस स्टूडेंट अवार्ड से सम्मानित करते हुए डॉ. टीआर परिवेंद्र ने कहा, पुरंजय की सफलता दूसरों के लिए एक आदर्श होगी। वह एसआरएमआईएसटी के एक योग्य छात्र हैं। किसी भी विश्वविद्यालय संस्थान को उनके छात्रों के माध्यम से ही उच्च स्तर पर ले जाया जा सकता है और पुरंजय एक अच्छा उदाहरण होगा। खास बात यह है कि वह कंप्यूटर छात्र शाखा से नहीं, बल्कि इलेक्ट्रॉनिक और इंस्ट्रूमेंटेशन से हैं। डॉ. पी. सत्यनारायणन ने कहा, पिछले साल हमारे दो छात्रों को 50-50 लाख रुपए में रखा गया था और इस साल सबसे ज्यादा ऑफर एक करोड़ रुपए है। यह एसआरएमआईएसटी के लिए बहुत गर्व का क्षण है क्योंकि गैर सीएससी कंप्यूटर विज्ञान शाखा के छात्रों को भी इस सीजन में अच्छा स्थान मिल रहा है। यह भारत के किसी भी निजी विश्वविद्यालय में दिया गया सबसे बड़ा ऑफर है। 1000 प्लस से अधिक कंपनियों ने एसआरएमआईएसटी का दौरा किया और इस प्लेसमेंट सीजन में 10000 से ज्यादा छात्र-छात्राओं को सफलतापूर्वक रखा। अभी यह संख्या बढ़ने की उम्मीद है, क्योंकि इस महीने प्लेसमेंट सीजन जारी रहेगा। कई और कंपनियों के आने की उम्मीद है। पिछले साल हमारी प्लेसमेंट संख्या 8000 थी। इस साल हमने 10000 से अधिक छात्रों को रखा है। अब तक लगभग 4000 प्लस छात्रों को सुपर ड्रीम 10 लाख रुपए प्लस के ऑफर मिल चुके हैं। छात्रों को कोर इंजीनियरिंग क्षेत्र की कंपनियों द्वारा भी भर्ती किया जाता है। 10 लाख रुपए प्रति वर्ष से ऊपर के छात्रों की संख्या में तेज वृद्धि हुई है, यानी पिछले वर्षों की तुलना में 30-40 फीसदी की वृद्धि हुई है। इस साल हमारे टॉप रिक्रूटर्स में अमेजन, पेयपल, गूगल, बजाज फिनसर्व, मोर्गन स्टेनली, कॉमवॉल्ट, वीएम वेयर, टोयोटा, काग्जीनेंट, जेपी मोर्गन, टीसीएस, विप्रो व अन्य कंपनियां शामिल हैं।

संयुक्त राष्ट्र ने की भारत के लिए फक्र की बात, जानिए कहां होगा नाम रौशन

नई दिल्ली। कारोबारी साल 2023 में भारत की इकोनॉमी 6.4 फीसद की दर से बढ़ेगी। यह अनुमान सामने आने के बाद भारत के लिए संयुक्त राष्ट्र ने बड़े फक्र की बात कही है। यूएन का कहना है कि भारत दुनिया में तेजी से बढ़ने वाली इकोनॉमी होगा। संयुक्त राष्ट्र के ग्लोबल इकोनॉमिक मॉनिटरिंग रिसर्च के मुख्य हामिश रशीद ने कहा कि अगले साल और उसके बाद भी भारतीय इकोनॉमी की ग्रोथ की रफ्तार कायम रहेगी।

उन्होंने यह अनुमान वर्ल्ड इकोनोमिक सिचुएशन एंड प्रोस्पेक्टस (डब्लूईएसपी) की रिपोर्ट जारी करते हुए जताया है। उनके मुताबिक वैश्विक विकास दर 3.1 फीसद बने रहने का अनुमान है। भारत का जीडीपी, जो इकोनॉमी की सेहत को दशार्ता है, अगले वित्त वर्ष में 6 फीसद तक जा सकता है। डब्लूईएसपी के मुताबिक बीते वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था 8.8 फीसद की दर से बढ़ी। हालांकि अनुमान 9 फीसद का आया था। रिपोर्ट के मुताबिक महंगाई की मार और लेबर मार्केट में स्लो रिकवरी के कारण 2022-23 में ग्रोथ का अनुमान नीचे रखा गया है। लेबर ग्रोथ रिकवरी धीमी होने के कारण निवेश पर भी असर पड़ेगा। यूक्रेन और रूस के बीच लड़ाई के कारण मौजूदा वित्त वर्ष में ग्रोथ का अनुमान जनवरी के आंकड़े से 0.3 फीसद घटाया गया है।

इकोनॉमिक पॉलिसी एंड एनालिसिस के निदेशक शांतनु मुखर्जी ने कहा कि कोविड महामारी के बाद रूस और यूक्रेन की लड़ाई ने वैश्विक आर्थिक विकास दर की रफ्तार घटा दी है। जनवरी में परिस्थिति कुछ बेहतर लग रही थी लेकिन लड़ाई शुरू होने के बाद हालात खराब होते जा रहे हैं। उस समय वैश्विक विकास दर 4 फीसद रहने का अनुमान था। अभी जो हालात उपजे हैं, उससे अमेरिका, यूरोपीय यूनियन, चीन और दूसरे विकासशील देश प्रभावित होंगे। चीन दुनिया की दूसरी सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था है। उसकी ग्रोथ का अनुमान इस साल 4.5 फीसद रहेगा और अगले वित्त वर्ष में 5.2 फीसद। अमेरिका को लेकर अनुमान है कि यह 2.6 फीसद की रफ्तार से बढ़ेगा।

ओमेगा सेकी ने निदा खानम को सीएचआरओ और विवेक धवन को बिक्री-विपणन निदेशक बनाया

मुंबई। बिजली चालित वाहन विनिमार्ता ओमेगा सेकी मोबिलिटी ने निदा खानम को मुख्य मानव संसाधन अधिकारी (सीएचआरओ) और विवेक धवन को बिक्री एवं विपणन का निदेशक नियुक्त किया है। ओमेगा सेकी मोबिलिटी ने बताया कि करीब 350 कर्मचारियों की नियुक्ति की जा चुकी है जिनमें से 20 की नेतृत्व भूमिका में की गई है। कंपनी ने कहा कि उसकी योजना अगले वित्त वर्ष तक कार्यबल बढ़ाकर 2,000 कर्मचारियों का करने की है। कंपनी के संस्थापक एवं अध्यक्ष उदय नारंग ने कहा कि खानम एवं धवन का अनुभव कंपनी की वृद्धि के अगले चरण में मददगार होगा।

देश में महंगाई ने दिया एक और झटका, रसोई गैस के फिर बढ़े दाम

नई दिल्ली। देश में पहले से ही महंगाई की मार झेल रही जनता को एक और झटका देते हुए गुरुवार को घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम में 3.50 रुपये प्रति सिलेंडर और कमर्शियल सिलेंडर के दाम में 8 रुपये प्रति सिलेंडर की वृद्धि की गई। बढ़ी हुई कीमतों के बाद अब घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतें देश के सभी बड़े शहरों में 1,000 रुपये से अधिक हो जाएंगी। कीमतों में हुए इस संशोधन को आज से ही लागू कर दिया जाएगा। 14.2 किलोग्राम के बिना सब्सिडी वाले सिलेंडर की कीमत अब नई दिल्ली में 1003.00 रुपये, कोलकाता में 1029.00 रुपये, मुंबई में 1002.50 रुपये और चेन्नई में 1018.50 रुपये होगी। यह इस महीने दूसरी दफा है जब घरेलू सिलेंडर के दाम बढ़े हैं। इससे पहले 7 मई को 50 रुपये बढ़ाए गए थे। घरेलू सिलेंडर के साथ कमर्शियल सिलेंडरों के दामों में भी पहले से इजाफा हुआ है। इनमें आठ रुपये तक की वृद्धि की गई है। अब दिल्ली में एक 19 किलो के सिलेंडर की कीमत 2,354 रुपये, कोलकाता में 2,454 रुपये, मुंबई में 2,306 रुपये और चेन्नई में 2,507 रुपये होगी। यह कमर्शियल सिलेंडरों में किया गया तीसरा संशोधन है।

पेटीएम मॉल से बाहर हुई चीनी कंपनी अलीबाबा, एंटफिन के साथ कुल 43 फीसदी हिस्सेदारी बेची

नई दिल्ली। चीनी कंपनी अलीबाबा और उसकी सहयोगी एंटफिन ने पेटीएम मॉल में अपनी पूरी 43 प्रतिशत हिस्सेदारी बेच दी है। इसका सौदा 42 करोड़ रुपये में हुआ है। एक नियामक फाइलिंग में यह जानकारी दी गई है। फाइलिंग के अनुसार, पेटीएम मॉल की मूल फर्म पेटीएम ई-कॉमर्स ने अलीबाबा की 28.34 प्रतिशत हिस्सेदारी और एंटफिन (नीदरलैंड) की 14.98 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी है। इस लेनदेन पर पेटीएम मॉल ने तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है। बता दें कि पेटीएम मॉल का निकासी लेनदेन मूल्य करीब 103 करोड़ रुपये है।

भारत के ई-कॉमर्स बाजार में अपना सबसे बड़ा दांव लगाने के पांच साल बाद जैक मा के नेतृत्व वाली अलीबाबा और एंट फाइनेंशियल ने पेटीएम ई-कॉमर्स प्राइवेट लिमिटेड से बाहर होने का रास्ता चुना, जो पेटीएम मॉल की मूल कंपनी है। चीन में अलीबाबा के टी-मॉल से प्रेरित पेटीएम मॉल ने 2017 में अलीबाबा से अपनी पहली फंडिंग में 200 मिलियन डॉलर जुटाए थे। कुल मिलाकर पेटीएम मॉल ने अलीबाबा, एंट फाइनेंशियल और सॉफ्टबैंक समेत कई निवेशकों से करीब 800 मिलियन डॉलर जुटाए हैं। गौरतलब है कि पेटीएम ई-कॉमर्स प्राइवेट लिमिटेड मोबाइल भुगतान और ईकॉमर्स प्लेटफॉर्म के रूप में काम करता है। कंपनी डिजिटल और भौतिक वस्तुओं के लिए एक ऑनलाइन शॉपिंग पोर्टल चलाती है। पेटीएम ई-कॉमर्स भारत में ग्राहकों को सेवा प्रदान करती है। यह पेटीएम समूह का हिस्सा है, जो भारत की अग्रणी वित्तीय सेवा कंपनी है और उपभोक्ताओं, ऑफलाइन व्यापारियों और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म को पूर्ण-स्टैक भुगतान तथा वित्तीय समाधान प्रदान करती है। पेटीएम ब्रांड की मालिक कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड है। इसकी स्थापना विजय शेखर शर्मा ने की है और इसका मुख्यालय नोएडा, उत्तर प्रदेश में है। इसके निवेशकों में सॉफ्टबैंक, एंट फाइनेंशियल, एजीएच होल्डिंग्स, रअक्क्रपार्टनर्स, बर्कशायर हैथवे, टी रो प्राइस और डिस्कवरी कैपिटल हैं।

वृद्धि अनुमान में कमी के बावजूद भारत तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था : संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि रूस और यूक्रेन के बीच जारी संघर्ष के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था प्रभावित हो रही है वहीं भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वृद्धि भी पिछले वर्ष के 8.8 फीसदी की तुलना में कम होकर 2022 में 6.4 फीसदी रहने का अनुमान है। इसके बावजूद भारत सबसे तेजी से वृद्धि करने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था है। रिपोर्ट में कहा गया कि ऊंची मुद्रास्फीति का दबाव और कामगार बाजार में असमान पुनरुद्धार से निजी उपभोग और निवेश प्रभावित हो रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक एवं सामाजिक मामलों के विभाग ने बुधवार को ह्यविश्व आर्थिक स्थिति और संभावनाएं (डब्ल्यूईएसपी) रिपोर्ट जारी की। इसमें कहा गया कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के 2022 में 3.1 फीसदी की दर से वृद्धि करने का अनुमान है जो जनवरी 2022 में जारी 4.0 फीसदी के वृद्धि पूवार्नुमान के मुकाबले कम है। 2022 में वैश्विक मुद्रास्फीति भी 6.7 फीसदी दर से बढ़ने का अनुमान है जो 2010 से 2020 की औसत 2.9 फीसदी के मुकाबले दोगुनी है। खाद्य वस्तुओं और ऊर्जा की कीमतों में भी वृद्धि हो रही है। इसमें कहा गया, भारत की अर्थव्यवस्था के 2022 में 6.4 फीसदी की दर से वृद्धि का अनुमान है जो 2021 की 8.8 फीसदी की वृद्धि दर की तुलना में कम है। वित्त वर्ष 2023 के लिए भारत की वृद्धि अनुमान 6 फीसदी है। संयुक्त राष्ट्र के आर्थिक एवं सामाजिक मामलों के विभाग में आर्थिक विश्लेषण एवं नीति प्रखंड में वैश्विक आर्थिक निगरानी शाखा के प्रमुख हामिद रशीद ने कहा कि पूर्वी एशिया और दक्षिण एशिया को छोड़कर दुनिया के लगभग सभी क्षेत्र उच्च मुद्रास्फीति से प्रभावित हैं। रशीद ने कहा इस मामले में भारत कुछ बेहतर स्थिति में है। उन्होंने कहा, ह्यहानिकट भविष्य यानी अगले साल में भारत का आर्थिक पुनरुद्धार मजबूत रहने की उम्मीद है। हालांकि जोखिम अभी खत्म नहीं हुआ है।ह्ल रिपोर्ट में कहा गया कि उर्वरक समेत कृषि उत्पादों की ऊंची कीमतों और इनकी कमी के कारण बांग्लादेश, भारत, पाकिस्तान और श्रीलंका में कृषि क्षेत्र प्रभावित होगा।

फ्यूचर एंटरप्राइजेज ने एनसीडी का ब्याज देने में किया डिफॉल्ट

नई दिल्ली। कर्ज में डूबी फ्यूचर एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एफईएल) की परेशानियां कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। कंपनी अपने ऋणदाताओं और निवेशकों को भुगतान नहीं कर पा रही है। बुधवार को फ्यूचर एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने कहा कि उसने अपने गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर (एनसीडी) के 1.06 करोड़ रुपये के ब्याज भुगतान में चूक की है। एफईएल ने एक नियामक फाइलिंग में बताया कि भुगतान की नियत तारीख 17 मई, 2022 थी। उसने कहा, कंपनी गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर पर ब्याज के संबंध में अपने दायित्वों को पूरा करने में असमर्थ है...। ऐसे में जिन निवेशकों ने कंपनी के गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर में निवेश किया था, उनके ब्याज का पैसा अटका हुआ है।

किशोर बियानी के नेतृत्व वाली फ्यूचर समूह की फर्म ने पिछले तीन महीनों में कई भुगतानों में चूक की है। यह नया डिफॉल्ट 23 करोड़ रुपये की राशि के लिए जारी प्रतिभूतियों के ब्याज पर है। एफईएल ने 11 नवंबर, 2021 से 16 मई, 2022 के बीच की अवधि के लिए ब्याज भुगतान में चूक की है। यह डिबेंचर सुरक्षित हैं और प्रति वर्ष 9.28 प्रतिशत की कूपन दर है। इससे पहले पिछले महीने एफईएल ने शेयर बाजारों को बैंकों के कंसोर्टियम में 2,835.65 करोड़ रुपये के डिफॉल्ट की जानकारी दी थी। इसकी ड्यू डेट 31 मार्च 2022 थी।

निवेशकों के 1 करोड़ रुपये से ज्यादा अटके

बता दें कि एफईएल रिटेल, होलसेल, लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग सेगमेंट में काम करने वाली 19 ग्रुप कंपनियों का हिस्सा थी, जिन्हें अगस्त 2020 में घोषित 24,713 करोड़ के सौदे के तहत रिलायंस रिटेल को ट्रांसफर किया जाना था। लेकिन, इस सौदे को अरबपति मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने पिछले महीने रद्द कर दिया था। ऐसी स्थिति के बीच कर्ज में डूबे फ्यूचर समूह ने 5 मई को कहा था कि उसने फ्यूचर जेनरली इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (एफजीआईआईसीएल) में अपनी 25 प्रतिशत हिस्सेदारी 1,266.07 करोड़ रुपये में अपने संयुक्त उद्यम साझेदार जेनरली को बेची है। कंपनी ने कहा था, सरकारी और नियामक प्राधिकरणों से मंजूरी मिलने के बाद उक्त लेनदेन पांच मई 2022 को पूरा हो गया।

ओपन मार्किट में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले पाकिस्तानी रुपया 200 के पार

कराची। पाकिस्तानी रुपया बुधवार को दो रुपये की गिरावट के बाद अमेरिकी डॉलर के मुकाबले खुले बाजार में 200 के महत्वपूर्ण स्तर को छू गया। इस बीच, इंटरबैंक बाजार में स्थानीय मुद्रा 2.1 रुपये की गिरावट के साथ केंद्रीय बैंक के हस्तक्षेप के बावजूद इंट्राडे ट्रेडिंग के दौरान ग्रीनबैक के मुकाबले 199 रुपये के एक और ऐतिहासिक निचले स्तर पर गिर गया। निवेशक चिंतित हैं क्योंकि बाजार में अटकलें हैं कि आईएमएफ पूर्वापेक्षा शर्तों को लागू करने के लिए सरकार की अनिच्छा के बाद ऋण कार्यक्रम को फिर से शुरू करने के लिए सहमत नहीं हो सकता है। बाजार को प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और उनके गठबंधन सहयोगियों के बीच हुई बैठकों के नतीजे का भी इंतजार है। विश्लेषकों का मानना है कि अगर सरकार देश में आर्थिक और राजनीतिक स्थिरता लाने के लिए तत्काल कार्रवाई नहीं करती है,

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुरुवार को नई दिल्ली में संसद के सेंट्रल हॉल में पूर्व राष्ट्रपति नीलम संजीव रेड्डी की जयंती के अवसर पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की।

टोक्यो में लगेगा दिग्गजों का जमावड़ा

पीएम मोदी 24 मई को जाएंगे जापान, जो बाइडेन से करेंगे मुलाकात

नई दिल्ली ■ एजेंसी

चौथे क्वॉड सम्मेलन में भाग लेने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 मई को जापान जाएंगे। इसी दिन वह अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन और जापान के पीएम फुमिओ किशिदा से मुलाकात करेंगे, उनकी जो बाइडेन के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी होगी। यह जानकारी भारतीय विदेश मंत्रालय ने दी है। क्वॉड के अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, भारत और जापान सदस्य हैं।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि ये हिंद प्रशांत क्षेत्र और परस्पर हित के दूसरे विश्व मुद्दों पर विचार साझा करने का अच्छा अवसर होगा। बागची ने बताया कि अपने दौरे पर पीएम मोदी जापानी बिजनेस लीडर्स के साथ एक बिजनेस इवेंट में हिस्सा लेंगे। वह जापान में भारतीय समुदाय से मिलेंगे और उन्हें संबोधित भी करेंगे। पीएम मोदी ऑस्ट्रेलियाई पीएम के साथ भी द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन दक्षिण कोरिया और जापान की छह दिन की यात्रा पर रवाना हो गए हैं। उनकी इस यात्रा का मकसद दोनों देशों के नेताओं के साथ संबंधों को मजबूत करना है, वहीं चीन को यह संदेश देना भी है कि यूक्रेन पर रूस के हमले को देखते हुए बीजिंग को प्रशांत क्षेत्र में अपनी गतिविधियों को विराम देना चाहिए।

बाइडन गुरुवार को रवाना हुए। वह इस दौरान दक्षिण कोरिया के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति यून सुक येओल और जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा से मुलाकात कर सकते हैं। उनकी बातचीत में व्यापार, ग्लोबल सप्लाई सीरीज में बढ़ती मजबूती, उत्तर कोरिया के परमाणु कार्यक्रम के बारे में बढ़ती चिंताएं और उस देश में कोविड-19 के प्रकोप जैसे विषय आ सकते हैं। अमेरिका ने लोकतांत्रिक देशों का एक गठबंधन बनाया है ताकि रूस को यूक्रेन पर हमले की कीमत चुकाने के लिए विवश किया जा सके। इस गठबंधन में दक्षिण कोरिया और जापान भी हैं। बाइडेन जानते हैं कि चीन की बढ़ती महत्वाकांक्षाओं का जवाब देने के लिए उन्हें इन देशों के साथ संबंध मजबूत करने होंगे।

यूक्रेन पर रूसी हमले का 83वां दिन

रूस का सैनिक यूक्रेन में युद्ध अपराध के लिए दोषी करार

कीव, (एजेंसी)। यूक्रेन ने 21 साल के एक रूसी सैनिक को युद्ध अपराध का दोषी माना है। वादिम शिशिमारिन पर 62 साल के एक यूक्रेनी बुजुर्ग की हत्या का आरोप है। आरोप है कि 28 फरवरी को कीव से करीब 300 किलोमीटर दूर चुपखिवका इलाके के एक गांव में वादिम शिशिमारिन ने सड़क पर फोन पर बात करते हुए जा रहे एक बुजुर्ग की गोली मारकर हत्या कर दी थी। दक्षिणी साइबेरिया के रहने वाले वादिम शिशिमारिन युद्ध अपराधों के चलते आजीवन जेल की सजा हो सकती है। गौरतलब है कि यूक्रेन ने युद्ध अपराधों के अलावा इमारतों पर बम गिराने, नागरिकों की हत्या करने, बलात्कार और लूटपाट करने जैसे मामलों पर सुनवाई शुरू कर दी है।

आजीवन कारावास की हो सकती है सजा

यूक्रेन की अभियोजक जनरल इरीना वेनेडिक्टोवा ने ट्वीट कर कहा कि इस पहले मुकदमे के जरिए हम दुनिया को बताना चाहते हैं कि प्रत्येक अपराधी जिसने यूक्रेन में अपराध किया है या अपराध करने का आदेश दिया है वो बचेगा नहीं। यूक्रेन 41 रूसी रूसी सैनिकों के खिलाफ युद्ध अपराध के मामलों की कार्रवाई की तैयारी कर रहा है।

एक नजर

असम में बाढ़ की स्थिति और बिगड़ी 7.18 लाख प्रभावित

गुवाहाटी, (एजेंसी)। असम में गुरुवार को बाढ़ की स्थिति और बिगड़ गई और इससे एक अन्य व्यक्ति की मौत हो गई। प्रदेश के 27 जिले और यहां रहने वाले करीब 7.18 लाख लोग बाढ़ के कारण प्रभावित हुए हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की दैनिक बाढ़ रिपोर्ट के अनुसार राज्य नगांव जिले के कामपुर राजस्व क्षेत्र में एक व्यक्ति की डूबने से मौत हो गई। इसके साथ ही रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके अलावा कामपुर में दो और लोग लापता हैं। आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके साथ ही राज्य में बाढ़ और भूस्खलन से इस साल मरने वालों की संख्या बढ़ कर दस हो गई है।प्राधिकरण ने कहा है कि बाढ़ के कारण प्रदेश में 717500 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं।

चंपावत : पवनदीप ने सीएम के समर्थन में दी प्रस्तुति

नैनीताल, (एजेंसी)। चंपावत उपचुनाव में नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद धीरे धीरे माहौल गरमाने लगा है। जहां भाजपा पूरी तरह से माहौल को अपने पक्ष में करने में जुटी है, वहीं इंडियन आइडल रियलटी शो के विजेता एवं मशहूर गायक पवनदीप राजन भी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के समर्थन में उतरे और उन्होंने बुधवार रात टनकपुर में बेहतरीन प्रस्तुति देकर श्रोताओं को झूमने को मजबूर कर दिया। टनकपुर के गांधी मैदान में आयोजित कार्यक्रम में भारी भीड़ थी। खासकर युवाओं ने पवनदीप के गीतों का पूरा लुत्फ लिया। मुख्यमंत्री धामी की धर्मपत्नी गीता धामी और चंपावत के निवर्तमान विधायक कैलाश चंद्र गहतोड़ी भी इस मौके पर मौजूद रहे। पवनदीप राजन ने तेरी मिट्टी में मिल जावां, प्यारी जन्म भूमि मेरो पहाड़ जैसे महत्वपूर्ण प्रस्तुति दी और श्रोताओं को झूमने को मजबूर कर दिया।

कमांडर ने किया यूपी गर्ल्स बटालियन का निरीक्षण

लखनऊ, (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ स्थित एनसीसी ग्रुप मुख्यालय के ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर रवि कपूर ने गुरुवार को 19 यूपी गर्ल्स बटालियन का वार्षिक निरीक्षण किया। आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि यह किसी भी बटालियन के लिए एक सबसे महत्वपूर्ण दिन होता है जहां पर उस बटालियन के पूरे वर्ष का ट्रेनिंग और एडम का निरीक्षण किया जाता है। यूनिट के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल दिनेश कनौजिया ने ब्रिगेडियर कपूर को पूरे वर्ष में हुई एनसीसी की क्रियाकलापों के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही वर्ष 2022 - 23 में होने वाले क्रियाकलापों की रूपरेखा बताई। इस दौरान ब्रिगेडियर कपूर ने बटालियन के सभी फौजी और सिविलियन स्टाफ से मुलाकात की।

आज का इतिहास

- **1293** : जापान के कामाकुरा में आए भूकंप में 30 हजार लोगों की मौत।
- **1378** : बहमनी सुल्तान दाऊद शाह की हत्या।
- **1421** : दिल्ली के पहले सैयद शासक खिज्र खान की मौत।
- **1609** : विलियम शेक्सपियर की कविताओं के पहले संग्रह का लंदन में प्रकाशन।
- **1873** : सैन फ्रांसिस्को के कारोबारी लेवी स्ट्रॉस और दर्जी जेकब डेविस को जीन्स का पेटेंट मिला।
- **1891** : थॉमस एडिसन के प्रोटोटाइप काइनेटोस्कोप को नेशनल फेडरेशन के सामने पहली बार सार्वजनिक रूप से पेश किया।
- **1902** : क्यूबा को अमेरिका से आजादी मिली।
- **1927** : सऊदी अरब को ब्रिटेन से आजादी मिली।
- **1932** : अंग्रेजों के खिलाफ बगावत का बिगुल फूंकने वाले बिपिन चंद्र पाल का निधन।

वाम मोर्चे की सरकार के दौरान एक कागज के टुकड़े पर नाम लिखकर देने से मिल जाती थी नौकरी: ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को पार्टी नेताओं और कार्यकताओं को सार्वजनिक सेवा के लिए कमीशन की प्रथा के खिलाफ सख्त चेतावनी जारी की। मुख्यमंत्री ने झारग्राम में एक जनसभा संबोधित करते हुए कहा, मैं लोगों से प्रत्यक्ष नकद हस्तांतरण लाभ योजना के तहत निर्धारित राशि से कम राशि स्वीकार नहीं करने के लिए कह रही हूं। यदि कोई आपसे कम राशि स्वीकार करने के लिए कहता है, तो उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराते हुए शिकायत करें। किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (डब्ल्यूबीएसएससी) भर्ती में अनियमितताओं के मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा राज्य के पूर्व शिक्षा मंत्री और तृणमूल कांग्रेस के महासचिव पार्थ चटर्जी से पूछताछ की घटना का सीधे जिक्र किए बिना, मुख्यमंत्री ने भाजपा और केंद्र सरकार पर एक तीखा हमला बोला। मुख्यमंत्री ने कहा, बीजेपी हारने के बाद ईर्ष्या कर रही है। इसलिए अब वे हमारे खिलाफ कुछ केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल कर रहे हैं। बीजेपी पर भरोसा न करें।

इस अवसर पर बोलते हुए, मुख्यमंत्री ने भर्ती अनियमितताओं पर पश्चिम बंगाल में पूर्ववर्ती वाम मोर्चा सरकार पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा, वाम मोर्चे की सरकार के दौरान एक कागज के टुकड़े पर नाम लिखकर देने से ही नौकरी मिल जाती थी। उन्होंने आगे कहा, यहां तक कि कागज के टुकड़े पर की गई सिफारिश के आधार पर स्थानांतरण भी किए गए थे। मैंने अभी तक केवल शिष्टाचार के कारण अपना मुंह नहीं खोला था, लेकिन अब मैं सब बेनकाब कर दूंगी। ममता बनर्जी की टिप्पणियों का मजाक उड़ाते हुए, माकपा केंद्रीय समिति के सदस्य और पश्चिम बंगाल विधानसभा में वाम दलों के पूर्व नेता, डॉ. सुजान चक्रवर्ती ने कहा कि पहले मुख्यमंत्री को अपनी सरकार और कैबिनेट सहयोगियों को भ्रष्टाचार के आरोपों से बचाने की कोशिश करनी चाहिए। पश्चिम बंगाल में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और पार्टी के लोकसभा सदस्य सुकांत मजूमदार ने कहा कि जब भी राज्य सरकार या सत्ताधारी दल में किसी पर भ्रष्टाचार के आरोप लगते हैं, तो मुख्यमंत्री साजिश के सिद्धांत की थ्योरी लगती हैं।

यूपी विधान परिषद 86 साल बाद हो जाएगी कांग्रेस मुक्त

विधानसभा चुनाव में सिर्फ दो सीटों पर सिमटने वाली कांग्रेस अब विधान परिषद में जीरो बनकर रह जाएगी। 86 सालों बाद ऐसी हालत आएगी जब विधान परिषद कांग्रेस मुक्त दिखेगी।

लखनऊ, एजेंसी

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में बुरी तरह से पराजय का सामना करने वाली कांग्रेस के लिए कहीं से भी अच्छी खबर नहीं आ रही है। विधानसभा चुनाव में सिर्फ दो सीटों पर सिमटने वाली कांग्रेस अब विधान परिषद में जीरो बनकर रह जाएगी। 86 सालों बाद ऐसी हालत आएगी जब विधान परिषद कांग्रेस मुक्त दिखेगी। कांग्रेस 1935 में परिषद के गठन के बाद पहली बार उत्तर प्रदेश की विधान परिषद में अपना प्रतिनिधित्व खोने जा रही है। देश की सबसे पुरानी पार्टी के अकेले विधान परिषद सदस्य दीपक सिंह 6 जुलाई को सेवानिवृत्त हो रहे हैं, जिसके बाद अब विधान परिषद में कांग्रेस का प्रतिनिधित्व समाप्त हो जाएगा।

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की राजनीति में एक लोकप्रिय चेहरा दीपक सिंह 1990 के दशक की शुरुआत में अपने कॉलेज के दिनों से ही पार्टी के एक प्रतिबद्ध कार्यकर्ता रहे हैं। जून 2016 में यूपी विधान परिषद के लिए चुने गए दीपक सिंह के कार्यकाल की समाप्ति के साथ कांग्रेस का यूपी के ऊपरी सदन में अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। इस हालत ने निश्चित तौर से उन कांग्रेसियों के मनोबल को प्रभावित किया है, जो 2022 के विधानसभा चुनाव परिणामों से अभी तक उबर नहीं पाए हैं, जिसमें पार्टी सिर्फ दो विधायकों के लिए थी। तब से पार्टी ने नए प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति तक नहीं की है। यूपी की विधान परिषद में 100 सीटें हैं, जिनमें से 38 को यूपी विधान सभा सदस्यों द्वारा नामित किया जाना है, जबकि 36 सदस्यों का चयन स्थानीय निकायों के माध्यम से किया जाना है। आठ सदस्यों का चयन स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के चुनावों के माध्यम से किया जाता है जबकि शेष 10 सदस्यों को राज्य मंत्रिमंडल की सिफारिश पर राज्यपाल द्वारा नामित किया जाता है।

राज्य के उच्च सदन में भारतीय जनता पार्टी के 66 सदस्य हैं। विधान परिषद के रिकॉर्ड के अनुसार अगले कुछ महीनों में 15 सदस्य सेवानिवृत्त होने वाले हैं। इनमें नौ समाजवादी पार्टी के, दो भाजपा के और तीन बहुजन समाज पार्टी के और एक कांग्रेस के है। बहुजन समाज पार्टी के तीन एमएलसी अतहर सिंह, सुरेश कुमार और दिनेश चंद्रा के जुलाई में सेवानिवृत्त होने के बाद पार्टी के पास सिर्फ एक सदस्य का ही प्रतिनिधित्व रह जाएगा। विशेष रूप से 1935 के भारत सरकार अधिनियम द्वारा संयुक्त प्रांत ब्रिटिश भारत की परिषद 60 सदस्यों के साथ अस्तित्व में आई। बाद में इसे 1950 में उत्तर प्रदेश विधान परिषद में बदल दिया गया। कांग्रेस 1935 से राज्य के उच्च सदन का हिस्सा रही है।

हजारे के गांव में 1 जून को होगा अन्ना जागो आंदोलन

पुणे। एक गैर-राजनीतिक संगठन ने कई गैर-सरकारी संगठनों के साथ मिलकर महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले स्थित वरिष्ठ सामाजिक योद्धा किसान बाबूराव उर्फ अन्ना हजारे के गांव रालेगण-सिद्धि पहुंचकर उन्हें जगाने के लिए आंदोलन करने की घोषणा की है।

देश बचाओ जन आंदोलन (डीबीजेए) के अध्यक्ष सोमनाथ काशीद ने कहा कि एक जून को पूरे महाराष्ट्र से हजारों पुरुष और महिलाएं अन्ना हजारे के गांव पहुंचेंगे। काशीद ने कहा, हम अन्ना का ध्यान महंगाई और ईंधन की कीमतों में भारी बढ़ोतरी, विशेष रूप से रसोई गैस (जिसने जनता के लिए जीवन को दयनीय बना दिया है) पर ध्यान आकर्षित करने के लिए एक ढोल बजाओ आंदोलन शुरू करेंगे, क्योंकि वह लोगों की परेशानियों से अनजान लग रहे हैं और कुंभकर्ण की तरह शांति से सो रहे हैं।

उन्होंने सवाल किया, जब यूपीए सरकार सत्ता में थी, तब अन्ना हजारे कई प्रकार के अभियानों के आयोजन में बहुत व्यस्त थे और सरकार को अपने सामने झुकाते थे। अब, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पिछले आठ वर्षों के शासन में लोग कई तरह की समस्याओं से जूझ रहे हैं, मगर अन्ना चुप क्यों हैं?

अन्ना के समर्थकों ने जवाब दिया कि 84 वर्षीय अन्ना अस्वस्थ रहते हैं। इस पर काशीद ने पूछा कि अन्ना ने पिछले हफ्ते शिवसेना-राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस की महा विकास अघाड़ी (एमवीए) सरकार के खिलाफ आंदोलन की घोषणा कैसे की थी?

काशीद ने कहा, लोग अब खुले तौर पर पूछ रहे हैं कि क्या अन्ना हजारे सिर्फ चुनिंदा आंदोलन करते हैं या वह बीजेपी के एजेंट हैं और उन्होंने कभी भी भगवा पार्टी के खिलाफ कोई अभियान नहीं चलाने का संकल्प ले रखा है? उन्होंने कहा, कई राजनीतिक दल हमारे संपर्क में हैं और हम ढोल बजाओ, अन्ना जागाओ आंदोलन को नई दिल्ली तक ले जाने की योजना बना रहे हैं।

विश्व मधुमक्खी दिवस का राष्ट्रीय कार्यक्रम आज गुजरात में

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय शुक्रवार को विश्व मधुमक्खी दिवस पर वृहद राष्ट्रीय कार्यक्रम का आयोजन टेंट सिटी-II, एकता नगर, नर्मदा, गुजरात में कर रहा है। इसका शुभारंभ केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर करेंगे। इस अवसर पर श्री तोमर 5 राज्यों में 7 जगह स्थापित की गई हनी टेस्टिंग लैब एंड प्रोसेसिंग यूनिट का उद्घाटन भी करेंगे। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य मधुमक्खीपालन को बढ़ावा देते हुए देश के छोटे किसानों को अधिकाधिक लाभ पहुंचाना है, जिनकी प्रगति के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में केंद्र सरकार प्रतिबद्ध है।

कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर करेंगे शुभारंभ

लोगों को स्वस्थ रखने व इस संदर्भ में विभिन्न चुनौतियों का समाधान करने में मधुमक्खियों एवं अन्य परागणकों की महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए संयुक्त राष्ट्र महासभा ने शुक्रवार को विश्व मधुमक्खी दिवस के रूप में घोषित किया है।

युवा कांग्रेस शुरू करेगी राजीव क्रांति भारत जोड़ो कार्यक्रम

राजीव गांधी की पुण्यतिथि से होगी शुरुआत

नई दिल्ली (ब्यूरो)। भारतीय युवा कांग्रेस पूर्व प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी की पुण्यतिथि 21 मई को तालकटोरा स्टेडियम, नई दिल्ली में राजीव क्रांति भारत जोड़ो कार्यक्रम के माध्यम से भारत जोड़ो अभियान की शुरुवात करेगी। इस कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को राष्ट्र निर्माण में उनके द्वारा किए गए कार्यों एवं उनके जीवन से संबंधित घटनाओं को जानने समझने का मौका मिलेगा। भारतीय युवा कांग्रेस राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर देशभर में रक्त दान शिविर, राजीव गांधी के जीवन पर आधारित चित्र प्रदर्शनी और एक देश का सबसे बड़ा प्रतिभा खोज कार्यक्रम की भी शुरुआत करने जा रही है। भारतीय युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीनिवास बी वी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की सोच एक क्रांतिकारी सोच थी, जिसने युवा भारत की नीव रखी। आज हम जिस डिजिटल क्रांति के दौर में हैं उसकी बुनियाद देश में राजीव गांधी ने रखी थी। राजीव जी ने ही उम्र सीमा कम करके युवाओं को वोटिंग की ताकत दी।

बनारस में मंडलायुक्त एवं एडीजी जोन ने ली विभिन्न धर्म गुरूओं के साथ बैठक

प्रयागराज (ब्यूरो)। बनारस के ज्ञानवापी मस्जिद मामले पर सुप्रीम कोर्ट में चल रही सुनवाई के दृष्टिगत मंडलायुक्त संजय गोयल एवं एडीजी जोन प्रेम प्रकाश की अध्यक्षता में विभिन्न धर्म गुरुओं के साथ गुरुवार को मंडलायुक्त कार्यालय के गांधी सभागार में बैठक की गई तथा सभी से आपसी प्रेम सौहार्द एवं भाई-चारा बनाए रखने में सहयोग करने तथा अफवाहों से बचने की अपील की गई।

इस अवसर पर मंडलायुक्त ने सभी धर्म गुरुओं से पूर्ण शांति एवं आपसी सद्भाव बनाए रखने में सहयोग करने की अपील करते हुए कहा कि किसी भी व्यक्ति की स्वतंत्रता वहीं तक होती है, जहां तक वह किसी की भावना या सम्मान को ठेस न पहुंचाएं। अतः अफवाहों पर ध्यान न देते हुए सभी को सामंजस्य बनाए रखने में अपना योगदान करना चाहिए।

आईजी ने की अपील

एडीजी जोन प्रेम प्रकाश ने सभी धर्मों का उद्देश्य लोक कल्याण बताते हुए कहा कि धर्म गुरुओं द्वारा जो संदेश दिया जाता है, उसका समाज पर व्यापक प्रभाव पड़ता है अतः सभी धर्म गुरुओं को अपने अपने अनुयायियों को हर परिस्थिति में सामंजस्य बनाए रखने को प्रेरित करना चाहिए। आईजी जोन राकेश सिंह ने भी आपसी भाई-चारा प्रेम व सौहार्द्र बनाये रखने में सभी धर्मों के धर्म गुरुओं से सहयोग करने की अपील की। जिलाधिकारी संजय खत्री ने सभी धर्मों के व्यक्तियों को धैर्य पूर्वक सुप्रीम कोर्ट के फैसले का इंतजार करने को कहा।

नवनिर्मित पैदल उपरिगामी पुल का लोकार्पण

प्रयागराज (ब्यूरो)। प्रयागराज मंडल में परिचालन की दृष्टि से बम्हरौली रेलवे स्टेशन एक महत्वपूर्ण स्टेशन है। बम्हरौली रेलवे स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं को और बेहतर करने के प्रयास निरंतर जारी है। इसी क्रम में गुरुवार को बम्हरौली रेलवे स्टेशन पर नवनिर्मित पैदल उपरिगामी पुल का लोकार्पण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में अपर मंडल रेल प्रबंधक/सामान्य, प्रयागराज मंडल संजय सिंह द्वारा सांसद फूलपुर केसरी देवी पटेल को पौधा भेंट कर स्वागत किया गया। इसी क्रम में सांसद केसरी देवी पटेल द्वारा फीता काट कर एवं शिलापट्ट का अनावरण कर बम्हरौली रेलवे स्टेशन पर नवनिर्मित पैदल उपरिगामी पुल का लोकार्पण किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए सांसद ने भारतीय रेल में हो रहे विकास कार्यों से अवगत करते हुए बताया की वर्तमान सरकार के कार्यकाल में बहुत काम हुआ है, और निरंतर होता रहेगा।

कर्नाटक में बारिश का कहर, मरने वालों की संख्या बढ़कर हुई 4

बेंगलुरू। कर्नाटक में गुरुवार को भारी बारिश ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है, जिससे बेंगलुरू सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ। भारी बारिश से अब तक चार लोगों की मौत हो चुकी है। बेंगलुरु के ज्ञानभारती थाना क्षेत्र में एक पाइपलाइन परियोजना में काम करने के दौरान दो प्रवासी मजदूरों की मौत भी हो चुकी है। बेंगलुरु ग्रामीण जिले के डोड्डाबल्लापुर में एक 38 वर्षीय व्यक्ति की करंट लगने से मौत हो गई, जबकि हासन जिले के होलेनरसीपुरा तालुक में एक पुराने स्कूल की इमारत की दीवार गिरने से एक बुजुर्ग की मौत हो गई।

भारतीय मौसम विभाग ने राज्य के सात जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। दक्षिण कन्नड़, मैसूर और शिवमोग्गा में लगातार बारिश के कारण जिला प्रशासन ने गुरुवार को स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी है। दक्षिण कन्नड़, उत्तर कन्नड़, उडुपी और चिक्कमगलूर, हासन, कोडागु और शिवमोग्गा जिलों के तटीय जिलों में अगले 24 घंटों में भारी वर्षा होने की संभावना है। जान-माल की किसी भी तरह की हानि से बचने के लिए आवश्यक सावधानी बरती जा रही है।

बेंगलुरु, बेंगलुरु ग्रामीण, कोलार, चिक्कबल्लापुर, तुमकुर, रामनगर, मांड्या, मैसूर, चामराजनगर, धारवाड़, दावणगेरे, चित्रदुर्ग, बल्लारी, यादगीर, बीदर, कालाबुरागी, रायचूर, कोप्पल, गडग और हावेरी जिलों में येलो अलर्ट जारी किया गया है। मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने बेंगलुरु शहर के कमलानगर, शंकर मठ, लगगेरे और नागवारा इलाकों के बारिश प्रभावित इलाकों का दौरा किया। उन्होंने चल रहे मेट्रो कार्य का निरीक्षण किया। बेंगलुरु केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (केआईएएल) के अधिकारियों ने यात्रियों से अपनी यात्रा की योजना बनाने की अपील की है, क्योंकि बेंगलुरु में भारी बारिश के कारण यात्रियों को हवाई अड्डे की ओर कुछ क्षेत्रों में जल-जमाव और ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ सकता है।

बच्चों को स्वस्थ रखने के लिए खिलाएं ये पौष्टिक आहार

मौज-मस्ती अब कम होगी। यारी-दोस्ती भी अब कम होगी। स्कूलों में परीक्षाओं का दौर शुरू होने वाला है। हर बच्चा अब अपनी पूरी ऊर्जा पढ़ाई की ओर लगाएगा। ऐसे में जरूरी है कि आप इस बात की तसदीक करें कि उसे खानपान के जरिये पर्याप्त ऊर्जा और पोषण मिले, ताकि वह पढ़ाई और परीक्षा को अपना सौ प्रतिशत दे सके।

परीक्षाओं का दौर शुरू होने वाला है और बच्चों में घबराहट व तनाव का स्तर कई गुणा बढ़ गया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक परीक्षा में अच्छा परफर्म करने के लिए इस तनाव से भरे लाइफ स्टाइल को बदलने और खान-पान की आदतों को सुधारने की जरूरत है, क्योंकि घबराहट व तनाव में पढ़ने से परीक्षा परिणाम अनुकूल की बजाय प्रतिकूल होने की अधिक आशंका होती है। आपके बच्चे को पर्याप्त पोषण मिले, तनाव का सामना उसे कम-से-कम करना पड़े और वह अपनी परीक्षा में अपना सबसे अच्छा प्रदर्शन दे सके, इसके लिए जरूरी है कि एक मां के रूप में आप अपनी भूमिका सही तरीके से निभाएं।

तनाव कर सकता है पस्तः- परीक्षा के दौरान बच्चे लगभग 12 से 14 घंटे पढ़ाई करते हैं, जल्दी से सिलेबस खत्म कर अधिक से अधिक रिवीजन करने के दबाव में लगातार जागते रहते हैं और आराम भी नहीं कर पाते। परिणामस्वरूप उनका स्ट्रेस लेवल इतना अधिक बढ़ जाता है कि वे लंबे समय तक पढ़ते तो रहते हैं, लेकिन एकाग्रता कम होने की वजह से पढ़ा हुआ याद नहीं रख पाते। अंततः परीक्षा में अच्छा न कर पाने के डर से हतोत्साहित होने लगते हैं। पढ़ाई के अत्यधिक तनाव का उनके स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। बीएलकपूर अस्पताल में गैस्ट्रोइन्ट्रोलजी डिवीजन के प्रमुख डंदीप गोयल बताते हैं कि तनाव के कारण बच्चे को पेट से संबंधित कई बीमारियां हो सकती हैं, तनाव की वजह से पाचन प्रणाली तक रक्त का संचार अवरुद्ध होने लगता है, इससे डाइजेस्टिव सिस्टम तक अक्सीजन नहीं पहुंच पाता और न्यूट्रिएंट समाहित करने की शरीर की क्षमता भी कम हो जाती है। शरीर का मेटाबलिज्म घटने लगता है। इसलिए परीक्षा के दौरान सबसे जरूरी है कि बच्चे के खानपान व आराम का पूरा ध्यान रखा जाए, साथ ही बच्चे पर पढ़ाई का अत्यधिक दबाव न बनाएं, ताकि बच्चा तनावमुक्त होकर पढ़ाई कर सके।

बच्चे के लिए उपयुक्त भोजनः- परीक्षा के दौरान बच्चे के सही पोषण का ध्यान रखकर आप उसके उत्साह को बरकरार रखने में मदद कर सकती हैं। न्यूट्रीशन थेरेपिस्ट, नीरज मेहता के मुताबिक, पढ़ाई के दौरान सबसे अधिक दिमाग का इस्तेमाल होता है। यूं तो यह हमारे शरीर का सबसे छोटा अंग होता है लेकिन शरीर की कुल ऊर्जा का 20 प्रतिशत दिमाग द्वारा इस्तेमाल होता है। यदि पढ़ाई के दौरान लगातार ऊर्जा मिलती रहे तो दिमाग तंदुरुस्त व उत्साहवर्धक बना रहता है। दूसरी तरफ पर्याप्त ऊर्जा न मिलने की स्थिति में, बच्चा थका हुआ महसूस करता है, एकाग्रचित होकर पढ़ाई नहीं कर पाता, इसलिए तनाव में आ जाता है। तनाव की वजह से उसके शरीर का मेटाबलिज्म घटने लगता है, साथ ही कई अन्य तरह की समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इसलिए परीक्षा के दौरान बच्चे के खानपान का खास ध्यान रखने की जरूरत होती है।

दिन की शुरूआत हेल्दी नाश्ते से करनी चाहिए। आप बच्चे को नाश्ते में अंडा, पोहा, ओट्स, उपमा, इडली व खिचड़ी आदि दे सकते हैं, जिनमें ग्लाइसेमिक की मात्रा कम हो और शरीर को पर्याप्त ग्लूकोज मिलता रहे। अधिक तेल में बनने वाली चीजें जैसे कि पूरी, परांठे आदि से परहेज करें तो बेहतर होगा, क्योंकि इसे खाने से बच्चे को थकावट और नींद महसूस होने के कारण पढमई में दिक्कत आ सकती है। खाने में अधिक से अधिक आयरन व विटामिन बी युक्त पदार्थ दें, इनमें शारीरिक व मानसिक ऊर्जा बरकरार रखने की क्षमता होती है। पालक में आयरन भरपूर मात्रा में होता है। अनाज, अंडे तथा मेवों में विटामिन बी की भरपूर मात्रा होती है। बच्चे को पोषक तत्वों से भरपूर खाना दें।

ज्यादातर बच्चे पौष्टिक भोजन की बजाय पिज्जा, बर्गर आदि जंक फूड खाना अधिक पसंद करते हैं, लेकिन ये सब खाने से बच्चे में आवश्यक न्यूट्रिएंट्स की कमी हो जाती है। इसलिए परीक्षा के दौरान इन सभी चीजों से परहेज कर आयरन, कैल्शियम, जिंक युक्त पौष्टिक भोजन ही दें। एक बार में ज्यादा खाना खाने की बजाय बच्चे को थोड़ी-थोड़ी देर में कम मात्रा में पोषणयुक्त भोजन देती रहें। कोशिश करें कि हर दो घंटे में बच्चा कुछ न कुछ हेल्दी खाता रहे। इस प्रकार शरीर में लगातार आवश्यक तत्वों की पूर्ति होती रहेगी और बच्चा लंबे समय तक पूरे उत्साह के साथ सचेत होकर पढ़ाई कर सकेगा।

परीक्षा के दौरान बच्चे को ऐसे खानपान की जरूरत होती है, जिससे उनकी याद करने व एकाग्रता बनाए रखने की क्षमता बढ़े और तनाव व थकावट कम हो। ज्यादातर बच्चे लंबे समय तक जागकर पढ़ने के लिए कफी व चाय पीते रहते हैं, लेकिन न्यूट्रिशन थेरेपिस्ट बताते हैं कि कफी व चाय में मौजूद कैफीन में अस्थायी उत्तेजक तत्व होते हैं, जिसका असर बहुत जल्द ही खत्म हो जाता है। यह शरीर के ब्लड शुगर लेवल को प्रभावित करती है। शरीर में कैफीन की मात्रा अधिक होने से तनाव व घबराहट बढ़ सकती है। परीक्षा के दौरान कफी के बजाय सेरेल्स वाला दूध पीना बेहतर होता है। इसके अतिरिक्त पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं, क्योंकि डिहाइड्रेशन की वजह से एकाग्रता कम हो जाती है और शारीरिक ऊर्जा जल्दी ही खत्म होने लगती है।

खाने में ज्यादा से ज्यादा ताजे फल और सब्जियां बच्चों को दें, खासकर हरी सब्जियां जैसे पालक, लौकी, तोरी में शरीर व मस्तिष्क को तंदुरुस्त रखने के लिए आवश्यक तत्व होते हैं। स्टार्च वाली सब्जियां जैसे आलू, अरबी के सेवन से बचें, क्योंकि इनसे थकावट व नींद महसूस होती है। खाना बार-बार गर्म न करें, क्योंकि ऐसा करने से भोजन के सभी जरूरी पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं। बच्चे को ताजा खाना ही दें। बादाम, सेब, अखरोट, किशमिश, अंगूर, संतरा, अंजीर, सोयाबीन व मछली में याददाश्त बढ़ाने की क्षमता होती है। इसके अतिरिक्त शहद, दूध और मेवों से मन व मस्तिष्क को शांति मिलती है।

परीक्षा के दौरान अधिक मीठी चीज जैसे चकलेट, मिठाई और कैंडी से परहेज करना चाहिए, इस दौरान कोल्ड ड्रिंक व सोडा भी नहीं पीना चाहिए। ये सब चीजें दिमाग को ब्लक करने का काम करती हैं। मांसाहार में मछली का सेवन करने से दिमाग तेज होता है। इसके अलावा फलों का ठंडा रायता खाने से स्फूर्ति आती है। फल और सब्जियों में संतरा, केला और गाजर पढ़ने वाले बच्चों के लिए बेहद जरूरी होते हैं। केला खाने से लंबे समय तक शारीरिक ऊर्जा बनी रहती है। बच्चों को खाना धीरे-धीरे और पूरी तरह चबा कर खाने के लिए कहें।

अकसर बच्चे परीक्षा के दौरान दिन भर पढम्ने के बाद रात में भी देर तक जग कर पढ़ाई करते हैं। ऐसे में पहले से थके हुए दिमाग को और अधिक तनाव देने की वजह से वो याद किया हुआ भूल भी सकता है। इसलिए परीक्षा से एक दिन पहले बच्चे को देर रात तक न पढ़ने दें। शाम में पढ़ाई पूरी कर समय से खाना खाकर थोड़ी देर टीवी देखने या म्यूजिक सुनने या मौज-मस्ती करने दें। बच्चे को सोने से पहले नहाने के लिए कहें। ऐसा करने से मानसिक और शारीरिक थकावट दूर होती है। बच्चे को सात से आठ घंटे जरूर सुलाएं। परीक्षा में अच्छा करने के लिए सिर्फ पोषक खाने से मिलने वाली ऊर्जा ही नहीं, मस्तिष्क को भी ऊर्जा की जरूरत होती है, जो पूरी नींद और आराम से प्राप्त होती है।

सारा दिन पढ़ाई में व्यस्त रहने और कोई खेलकूद की एक्टिविटी न करने की वजह से बच्चा सुस्त हो जाता है, वह बेहद थका हुआ और तनावयुक्त रहता है। इसलिए पढ़ाई के बीच बच्चे को कुछ देर जरूर खेलने दें, इस प्रकार वह फिर से चुस्त व दुरुस्त महसूस करेगा। परीक्षा है, इसलिए अचानक से उसकी जिंदगी से मौज-मस्ती को गायब न करें। मौज-मस्ती के साथ-साथ मन लगाकर पढ़ाई करने पर जोर दें। उसे अभी से संतुलन का गुर सिखाएंगी, तभी परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन के साथ उसकी जिंदगी भी बेहतर होगी।

कंप्यूटर की रिमोट एक्सेस हुई आसान

अपने कंप्यूटर को दूर से एक्सेस करने की जरूरत कई बार महसूस होती है- जब आप बहुत जरूरी काम से किसी दूसरे शहर में गए हों, कोई इंटरव्यू या इम्तिहान देने के लिए घर से कुछ किलोमीटर दूर चल कर गए हों या फिर कहीं कोई महत्वपूर्ण प्रेजेन्टेशन दे रहे हों। ऐसी परिस्थितियां दर्जनों बार आ सकती हैं, जब आप सोचते हैं कि काश इस समय मेरा कंप्यूटर मेरे पास होता। अब लैपटप तो आपके साथ कहीं भी यात्रा कर सकता है, लेकिन डेस्कटप के मामले में ऐसा नहीं है। अगर आप कोई जरूरी फाइल साथ ले जाना भूल गए हैं तो फिर घर या दफ्तर में रखे डेस्कटप कंप्यूटर के पास लौटने के सिवा कोई चारा नहीं है। बहरहाल, जो कंप्यूटर रिमोट एक्सेस युक्त नेटवर्क अटैच्ड स्टोरेज (नैस) के साथ जुड़े हुए हैं, उनके साथ ऐसी कोई सीमा या मजबूरी नहीं है।

डेन-इलेक माइडिट्रो नाम की नैस डिवाइस इसी श्रेणी में आती है। यूं तो नेटवर्क अटैच्ड स्टोरेज डिवाइसेज का काम है दफ्तर भर के लोगों को अपनी फाइलें स्टोर करने के लिए बाहरी (एक्सटर्नल) स्टोरेज की सुविधा उपलब्ध कराना, लेकिन डेन-इलेक माइडिट्रो की बात कुछ और है। इसमें रिमोट एक्सेस की शानदार सुविधा शामिल है जो इंटरनेट के जरिए इसे दुनिया के किसी भी कोने से एक्सेस करने की सुविधा देती है। इसका अर्थ यह हुआ कि अगर आप अपनी सारी कंप्यूटर फाइलें इस डिवाइस पर स्टोर करते हैं तो फिर कहीं से भी इन फाइलों का इस्तेमाल करने के लिए स्वतंत्र हैं। है ना कमाल की चीज! आपके घर या दफ्तर में पड़ी एक डिवाइस, जिसमें 1000 जीबी या उससे अधिक डेटा स्टोर किया जा सकता है, किसी अश्य सुविधा की तरह दुनिया भर में मौजूद रहती है। जरूरत है तो एक इंटरनेट कनेक्शन और थोड़ी सी सेटिंग्स की।

माइडिट्रो नैस डिवाइस को एक्सेस करने के लिए एक फ्लैश ड्राइव साथ आती है, जिसमें एक डेन इलेक का एक खास सफ्टवेयर मौजूद रहता है। इस ड्राइव को किसी भी लैपटप या डेस्कटप कंप्यूटर में डालिए और सफ्टवेयर लांच कीजिए। कुछ ही सैकंड में आप अपनी नैस डिवाइस से कनेक्ट हो जाएंगे और उसके बाद वैसे ही काम कर सकेंगे जैसे आप अपने घर या दफ्तर में ही हैं। शर्त यह है कि दोनों तरफ के सिस्टम इंटरनेट से कनेक्टेड होने चाहिए। विंडोज के साथ-साथ एपल मैकिन्टोश या लिनक्स कंप्यूटर पर भी अपनी नैस डिवाइस को एक्सेस करना संभव है। इसका सफ्टवेयर तीनों रूपों में उपलब्ध है। इतना ही नहीं, एक एप्लीकेशन की मदद से इसे आइफोन या आइपैड पर भी एक्सेस किया जा सकता है।

कश्मीर से कम नहीं है केरल की खूबसूरती

केरल हरियाली के मामलों में उत्तर पूर्वी राज्यों से भी एक कदम आगे निकल चुका है। यहां हरियाली के साथसाथ सागर के नीले जल के सौंदर्य को भी निहारा जा सकता है जो उत्तर पूर्वी राज्यों में उपलब्ध नहीं है। केरल के सौंदर्य का वास्तविक आनंद लेने के लिए वहां की यात्रा रेल अथवा बस से ही करनी चाहिए। हरे नारियल के बगीचों के बीच से निकलती हुई बस जब किसी नदी या नाले को पार करती है तो देखने पर ऐसा लगता है कि जैसे किसी चित्रकार ने हरे तथा नीले रंगों को मिलाकर कैनवास पर बिखेर दिया हो।

केरल का कालीकट क्षेत्र मालाबार तट के नाम से भी जाना जाता है। यह बहुत ही खूबसूरत बीच है। यहां सैलानियों की भीड़ देखकर इसकी लोकप्रियता का अंदाजा लगाया जा सकता है। केरल में सागर जल से भरी हुई विशेष प्रकार की झीलें भी हैं जिन्हें 'बैक वाटर' कहते हैं इसके कारण इस छोटे से प्रदेश की सुंदरता में चार चांद लग गये हैं। बैक वाटर भूमि के निचले हिस्से में सागर का जल भर जाने के कारण बनता है।

केरल की स्थिति कुछ ऐसी है कि पूरे प्रदेश में दक्षिण से उत्तर तक एक सिरे से दूसरे सिरे तक रेल लाइन बिछी है तथा उसी के समानांतर सड़क बनी हुई है। इन्हीं के साथ सड़क के दोनों तरफ एकमंजिले या दोमंजिले मकान बने हैं। इन मकानों के आगे एक सुंदर सा बाग होता है जिसमें नारियल, कटहल, आम, काजू, रबर, सुपारी, काफी, केला आदि के वृक्ष लगे होते हैं। किसीकिसी बाग में विभिन्न प्रकार के मसाले जैसे काली मिर्च, छोटी इलायची, दालचीनी आदि के पेड़ भी देखने को मिलते हैं।

कालीकट से लगभग 16 किलोमीटर की दूरी पर स्थित कापड बीच है। यह वही प्रसिद्ध स्थान है जहां पर 21 मई 1498 को पुर्तगाली नाविक वास्को डि गामा ने भारत की भूमि पर अपना कदम रखा था। यहां पास ही में माहे नामक एक जगह है। माहे में शराब पर प्रतिबंध नहीं है। केवल 9 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्रफल वाले छोटे से माहे के अंदर आप जब बस या कार में यात्रा कर रहे होंगे तो साथ ही दूसरी तरफ पटरी पर चलती हुई रेल को देखकर आपको काफी अच्छा लगेगा। आपको ऐसा प्रतीत होगा जैसे आप

दोनों एकदूसरे के साथ किसी प्रतियोगिता में भाग ले रहे हों।

तेल्लीचेरी नगर माहे से 10 किलोमीटर दूर है। यह वही प्रसिद्ध नगर है जिसने भारत ही नहीं बल्कि सारे विश्व को सैंकड़ों सर्कस के कलाकार उपलब्ध कराए हैं। यहां के गांवगांव में सर्कस प्रशिक्षण के अनेक केंद्र हैं, जिनमें कलाकारों को सर्कस के करतब सिखाए जाते हैं। इसलिए इसे सर्कस नगर भी कहा जाता है। वैसे तो तेल्लीचेरी एक छोटा सा कस्बा है। जहां मछुआरों की बस्तियां हैं। शाम को जब मछली पकड़ने वाली नौकाएं वापस लौटती हैं तो तट पर मछली खरीदने वालों का मेला सा लग जाता है।

क.णूर क्षेत्र मालाबार का बड़ा व्यावसायिक नगर माना जाता है। कण्णूर उच्चकोटि के काजू, रबर, नारियल तथा कागज के लिए जाना जाता है। यहां पर एशिया की सबसे मशहूर प्लाईवुड फैक्टरी भी स्थित है। इसके अलावा यहां के निकटवर्ती स्थानों पर फूलों के उत्पादन तथा उनके निर्यात के प्रमुख केंद्र भी स्थित हैं। हस्तकला की वस्तुओं तथा बीड़ी आदि का उत्पादन भी क.णूर में काफी होता है।

सागर तट पर बसे हुए कण्णूर नगर में पयंबलम, मुझापूलंगड तथा मियामी जैसे सुंदर बीच हैं जो सैलानियों की भीड़भाड़ से अछूते हैं। 'पायथल मलै' नामक आकर्षक पर्वतीय स्थल भी यहां स्थित हैं, किंतु सबसे रोचक तो यहां का सर्प उद्यान है जहां पर अनेक प्रकार के सांपों का प्रदर्शन किया जाता है। इस स्थान पर सर्पदंश चिकित्सा केंद्र भी बना है।

कण्णूर नगर के निकट मलावलतम नदी के किनारे पर 'परासनी कडायू' का प्रसिद्ध मंदिर है, जो केवल हिंदू ही नहीं बल्कि अन्य सभी जातियों के लिए भी समान रूप से खुला है। यह 'मुथप्पन' भगवान का मंदिर माना जाता है जो शिकारियों के देवता हैं। इसीलिए इस मंदिर में कांसे के बने हुए कुत्तों की मूर्तियां हैं। यहां ताड़ी तथा मांस का प्रसाद मिलता है तथा यहां के पुजारी दलित वर्ग के होते हैं। मालाबार क्षेत्र के प्रातिक सौंदर्य, संसति तथा प्रदूषण रहित वातावरण को देख कर मन खुश हो जाता है। वास्को डि गामा की यात्रा के 500 वर्ष पूरे होने के कारण यह स्थान विश्व प्रसिद्धि प्राप्त कर चुका है।

बेंगलुरु ने गुजरात को हराया, प्लेऑफ की उम्मीदें कायम

मुम्बई। पूर्व कप्तान विराट कोहली (73) की फॉर्म में वापसी और ग्लेन मैक्सवेल की नाबाद 40 रन की आतिशी पारी से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने गुजरात टाइटंस को आईपीएल मुकाबले में गुरूवार को आठ विकेट से मात देकर टीम की प्लेऑफ की उम्मीदों को कायम रखा।

गुजरात ने कप्तान हार्दिक पांड्या की नाबाद 62 रन की शानदार कप्तानी पारी से 20 ओवर में पांच विकेट पर 168 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया लेकिन बेंगलुरु ने 18.4 ओवर में दो विकेट पर 170 रन बनाकर मैच जीत लिया। बेंगलुरु की 14 मैचों में यह आठवीं जीत रही और वह 16 अंकों के साथ तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गया है लेकिन उसका नेट रन रेट माइनस में होना उसके लिए अंत में नुकसानदायक हो सकता है। बेंगलुरु की उम्मीदें अब दिल्ली के आखिरी मैच के

परिणाम पर निर्भर करेंगी जिसका प्लस में रन रेट है। बेंगलुरु की जीत से पंजाब और हैदराबाद टूनार्मेंट से बाहर हो गए हैं।

विराट ने 54 गेंदों पर 73 रन में आठ चौके और दो छक्के लगाए और कप्तान फाफ डुप्लेसी (44) के साथ ओपनिंग साझेदारी में 115 रन जोड़े। ग्लेन मैक्सवेल आने के साथ ही राशिद खान की गेंद पर बीट हुए लेकिन गेंद स्टंप्स को टच करते हुए निकल गयी। बेल्स में बत्ती भी जली लेकिन बेल्स गिरी नहीं और मैक्सवेल ने इसका पूरा फायदा उठाते हुए चौके-छक्के उड़ाए। डुप्लेसी को आउट करने वाले राशिद ने विराट को स्टंप कराया। मैक्सवेल ने फिर दिनेश कार्तिक के साथ मैच निपटा दिया।

विराट कोहली के जिस अंदाज का आरसीबी को इंतजार था, वह आज देखने को मिला। वही पुराना आक्रामक अंदाज। यही वजह रही कि आरसीबी के ओपनरों ने पूरी तरह से डोमिनेट किया और गुजरात टाइटंस के दिए 169 के लक्ष्य को बौना साबित कर दिया। विराट को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए हार्दिक ने 47 गेंदों पर नाबाद 62 रन में चार चौके और तीन छक्के लगाए। गुजरात ने आखिरी पांच ओवर में 50 रन जोड़े जिससे टीम एक लड़ने लायक स्कोर तक पहुंच सकी। एक समय 160 रन तक भी पहुंचते नजर नहीं आ रही थी गुजरात टाइटंस, लेकिन यह टीम एक बार फिर एकजुट होकर जुटी और कमाल कर गई। देखा जाए तो मिलर का रोल इस बार अलग ही रहा है। उन्होंने बहुत अच्छा हार्दिक का साथ दिया। पहले बल्लेबाजी आई तो हार्दिक दोबारा फॉर्म में लौट आए।

चोटिल होने पर मेरे पिता ने 2-3 दिनों तक नहीं किया था भोजन : रिंकू सिंह

मुंबई, एजेंसी। कोलकाता नाइट राइडर्स के बल्लेबाज रिंकू सिंह आखिरी मैच में अपनी बल्लेबाजी से सुर्खियों में आ गए हैं, जहां उन्होंने 15 गेंदों पर 40 रन की पारी से क्रिकेट जगत में हलचल मचा दी। उनके क्रिकेट सफर में मध्य के दौरान चोट की आशंका और 2019 में बीसीसीआई द्वारा अबू धाबी में एक टी20 टूनार्मेंट में खेलने के लिए तीन महीने का निलंबन भी शामिल है। रिंकू ने घरेलू स्तर पर उत्तर प्रदेश के लिए ढेर सारे रन बनाए और धीरे-धीरे सफलता की सीढ़ियों को पार करते गए।

बाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने कहा कि उनके करियर के पिछले पांच साल चुनौतीपूर्ण रहे, लेकिन चोट के समय में भी उन्होंने आत्मविश्वास नहीं खोया। अलीगढ़ के बल्लेबाज ने कहा कि उनके पिता ने 2-3 दिनों तक खाना नहीं खाया जब उन्होंने उनकी चोट के बारे में सुना। केकेआर के आधिकारिक फेसबुक पेज पर अपलोड किए गए एक वीडियो पर सिंह ने कहा, मैं इतने लंबे समय तक क्रिकेट से दूर रहकर खुश नहीं था। मेरे पिता ने 2-3 दिनों तक खाना नहीं खाया। तब मैंने उनसे कहा कि चोट क्रिकेट का हिस्सा है। मैं अपने जीवन का एकमात्र कमाने वाला हूं, जिसमें अगर मुझे चोट लग जाए तो यह परिवार के लिए चिंताजनक का विषय बन जाता है।

उन्होंने आगे बताया कि, 5 साल मेरे लिए वास्तव में कठिन थे। पहले साल के बाद जब मुझे केकेआर के लिए चुना गया और मुझे खेलने का मौका मिला, तो मैं अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सका। फिर भी केकेआर ने मुझ पर बहुत भरोसा जताया और उन्होंने मुझे अगले सीजन के लिए बरकरार रखा। 12 अक्टूबर 1997 को अलीगढ़ में जन्मे रिंकू को किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स) ने 2017 में चुना था, लेकिन उन्हें मौका नहीं मिला। उन्हें 2018 की नीलामी में कोलकाता नाइट राइडर्स ने 80 लाख रुपये में चुना था। वह 2021 तक केकेआर के साथ रहे, जब वे घुटने की चोट के कारण आईपीएल से बाहर हो गए थे और बाद में उनकी जगह गुरकीरत सिंह मान ने ले ली थी।

कोहली का भाग्य उनका साथ नहीं दे रहा है : शास्त्री

मुंबई, एजेंसी। भारतीय टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री का मानना है कि विराट कोहली का भाग्य उनका साथ नहीं दे रहा है लेकिन उन्हें निर्भिक तरीके से खेलने की आवश्यकता है। ईएसपीएनक्रिकइंफो हिंदी के प्री मैच शो 'टी20 टाइमआउट हिंदी' में शास्त्री ने कोहली की बल्लेबाजी के बारे में बात करते हुए कहा, "अगर विराट कोहली ओपनिंग करने आते हैं तो उन्हें निर्भिक होकर खेलना चाहिए। उन्हें कहीं से भी दब कर नहीं खेलना है। मेरे ख़्याल में काफी समय से उनका लक भी उनके साथ नहीं है।

कोहली ने आईपीएल 2022 में 19.66 की औसत से 236 रन बनाए हैं, जिसमें मात्र एक अर्धशतक शामिल है। इस दौरान तीन बार वह पहली ही गेंद पर बिना कोई स्कोर बनाए आउट हो गए। इसके अलावा इस सीजन में वह जिस तरीके से आउट हो रहे हैं, उससे यह साफ दिखता है कि कहीं ना कहीं उनका भाग्य उनके साथ नहीं है। दो बार वह रन आउट हुए हैं और दो बार गेंद बल्ले पर लगने के बाद उनकी शरीर पर लगी है और किसी फील्डर के हाथ में चली गई है।

शास्त्री ने कहा, "कोहली को ये सोचना चाहिए कि 'मैं मेहनत कर रहा हूं,मैं उन सभी कामों को कर रहा हूं जो एक खिलाड़ी के लिए जरूरी है, उसके बावजूद मुझे अच्छे रन नहीं मिल रहे हैं लेकिन यह रोज-रोज नहीं हो सकता।' कोहली के पास एक ना एक दिन एक मौका आएगा और जब वह

करुणारत्ने और डिकवेला के अर्धशतक, पहला टेस्ट ड्रा

चटगांव, एजेंसी। श्रीलंका शुरूआती परेशानी से उबरकर गुरुवार को पांचवें दिन बांग्लादेश को ड्रा कराने और सीरीज का पहला टेस्ट ड्रॉ कराने में सफल रहा। श्रीलंका अपनी दूसरी पारी में मध्य सत्र के लगभग आधे रास्ते में 161-6 था, जिसमें 93 रन की बढ़त थी, और दिनेश चांदीमल ने नाबाद 39 और निरोशन डिकवेला ने नाबाद 61 रन बनाए। जब जहूर अहमद चौधरी स्टेडियम में अंतिम दिन 73 ओवर में खेल समाप्त हुआ तो श्रीलंका 260-6 का था। बांग्लादेश ने 465 के साथ जवाब देने से पहले आगंतुक ने 397 पोस्ट किए, जिसमें 68 रन की पहली पारी की बढ़त थी। दूसरा और आखिरी टेस्ट सोमवार से ढाका में शुरू हो रहा है।

बाएं हाथ के स्पिनर तैजुल इस्लाम ने पहले सत्र में दो तेज विकेट लेकर बांग्लादेश की टेस्ट

जीतने की उम्मीद जगाई। उन्होंने 4-82 रन बनाए और एक रन आउट किया लेकिन बांग्लादेश के हमले में प्रमुख तेज गेंदबाज शोरफुल इस्लाम चूक गए, जिनका दाहिना हाथ बुधवार की देर रात बल्लेबाजी करते समय चोटिल हो गया था। उन्होंने गेंदबाजी नहीं की और चार-पांच सप्ताह के लिए बाहर हो गए। दिन की शुरूआत 39-2 से करने के बाद श्रीलंका ने तेज शुरूआत की, कुसल मेंडिस ने तैजुल के पहले ओवर में दो चौके लगाकर एक शक्तिशाली आक्रमण किया। मेंडिस ने 43 गेंदों में 48 रन बनाए, जिसमें आठ चौके और एक छक्का लगाया, इससे पहले कि वह तैजुल द्वारा एक गेंद पर आउट हो गए, जो उनके पीछे से निकली थी और स्टंप से टकरा गई थी।

तैजुल ने एंजेलो मैथ्यूज को भी परेशान किया, जिन्होंने पहली पारी में 199 रन बनाए थे, लेकिन 15 गेंदों में शून्य पर आउट हो गए जब उन्होंने गेंदबाज पर आरोप लगाया और वापसी का कैच छोड़ दिया। धनंजय डी सिल्वा बांग्लादेशी गेंदबाजी आक्रमण का रिवरोध करने के लिए कप्तान दिमुथ करुणारत्ने के साथ शामिल हुए, लेकिन करुणारत्ने की शांति का भुगतान किया गया क्योंकि वह अपने 28 वें टेस्ट अर्धशतक में शाकिब अल हसन की गेंद पर थर्ड मैन क्षेत्र में तीन रन बनाकर आउट हुए। तैजुल ने करुणारत्ने का पांचवां विकेट 52 रन पर हासिल किया लेकिन धनंजय और चांदीमल ने बेहद धैर्य के साथ बल्लेबाजी करते हुए कुछ कीमती समय गंवा दिया, जिससे धीरे-धीरे बांग्लादेश की उम्मीदें धराशायी हो गईं। शाकिब ने 60 रन पर 33 रन बनाकर धनंजय का छठा विकेट गिराया।

संक्षिप्त समाचार

आईडब्ल्यूएल : स्पोर्ट्स ओडिशा ने हंस वूमेन एफसी को 6-0 से हराया

भुवनेश्वर, एजेंसी। इंडियन वूमेन्स फुटबॉल लीग (आईडब्ल्यूएल) में बुधवार को भुवनेश्वर के 7 वीं बटालियन ग्राउंड में खेले गए मुकाबले में स्पोर्ट्स ओडिशा ने हंस वूमेन एफसी को 6-0 से हराया। मैच की शुरूआत में हंस एफसी की तरफ से अनीता ने दुर्भाग्य से अपने ही गोल पोस्ट में गेंद डालकर स्पोर्ट्स ओडिशा को 1-0 से बढ़त दे दी। मैच के 39वें मिनट में सुभद्रा साहू ने हेडर के जरिए गोल कर ओडिशा की बढ़त दोगुनी कर दी। मध्यांतर तक ओडिशा की टीम ने अपनी 2-0 की बढ़त बरकरार रखी। मध्यांतर के बाद मैच के 53वें मिनट में सुप्रिया राउट्रे ने ओडिशा के लिए तीसरा गोल किया। प्यारी जाक्सा ने 67वें मिनट में और 68वें मिनट सुप्रिया राउतरे ने दो और गोल कर ओडिशआ की बढ़त 5-0 कर दी। सुप्रिया ने मैच के 82 वें मिनट में अपनी हैट्रिक पूरी करते हुए एक और गोल किया और ओडिशा को 6-0 से आगे कर दिया और यही स्कोर निर्णायक साबित हुआ। सुप्रिया को उनके बेहतरीन खेल के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।

जेकेसीए ने क्रिकेट प्रतिभाओं की पहचान के लिए शुरू किया प्रतिभा खोज कार्यक्रम

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू और कश्मीर एसोसिएशन (जेकेसीए) ने दूर-दराज के क्षेत्रों से क्रिकेट प्रतिभाओं की पहचान करने के लिए एक प्रतिभा खोज कार्यक्रम शुरू किया है। इस टैलेंट हंट में 10,000 से अधिक प्रतिभाएं भाग ले रही हैं। इसका उद्देश्य भविष्य के लिए सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट प्रतिभा का चयन करना है। जेकेसीए के प्रशासक ब्रिगेडियर अनिल गुप्ता ने कहा,हमने विभिन्न टीमों में प्रतिभा खोज टीमों को भेजा है। परीक्षण मैच भी आयोजित किए जा रहे हैं। इसके बाद, उन्हें शॉर्टलिस्ट किया जाएगा। फिर वे अंडर -19, अंडर -23 और सीनियर श्रेणियों जैसे टूनार्मेंट खेलेंगे। इसका उद्देश्य है प्रतिभाओं को आगे लाना। प्रतिभाओं की इसके बाद शॉर्टलिस्टिंग की जाएगी और वे जम्मू-कश्मीर टीमों का प्रतिनिधित्व करेंगे। कार्यक्रम के संचालन में आसानी के लिए, जम्मू प्रांत को चार क्षेत्रों में विभाजित किया गया है, जबकि कश्मीर और लद्दाख को चार क्षेत्रों में विभाजित किया गया है। गुप्ता ने कहा कि जे-के के नौ खिलाड़ी आईपीएल के मौजूदा सत्र में भाग ले रहे हैं, छह नेट गेंदबाज के रूप में और तीन अपनी टीमों के लिए स्थायी खिलाड़ी के रूप में भाग ले रहे हैं।

फुटबॉल प्रशंसक ने मैच के बाद खिलाड़ी से मारपीट का दोष स्वीकार किया

नॉटिंघम, एजेंसी। फुटबॉल प्रशंसक रॉबर्ट बिग्स ने नॉटिंघम फॉरेस्ट के खिलाफ चैंपियनशिप प्ले आफ मुकाबले के समाप्त होने के बाद शेफील्ड यूनार्टेड के स्ट्राइकर बिली शार्प पर हमला करने के मामले में गुरुवार को दोष स्वीकार कर लिया। तीस साल का बिग्स मंगलवार को मैच के बाद सिटी ग्राउंड में घुस आया और उसने शार्प पर सिर से प्रहार किया। चोट के कारण शार्प इस मुकाबले में नहीं खेल रहे थे। वह मैदान के बाहर अपनी जेब में हाथ डालकर खड़े थे जब बिग्स ने उन प्रहार किया जिसके कारण उनके होंठ पर चार टांके आए। बिग्स सुनवाई के लिए नॉटिंघम मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश हुआ और अपराध स्वीकार कर लिया जिसे अभियोजकों ने 'जानबूझकर किया गया हिंसा का मूर्खतापूर्ण कार्य' करार दिया है। सुनवाई के दौरान बिग्स को बताया गया कि उसके खिलाफ लगे गैरकानूनी रूप से मैदान पर घुसने के आरोप को हटा दिया गया है। बिग्स ने उन पर आजीवन प्रतिबंध लगाने वाले आवेदन का विरोध नहीं किया है। फॉरेस्ट की टीम पहले ही कह चुकी है कि जिसने भी शार्प पर हमला किया है उस पर आजीवन प्रतिबंध लगना चाहिए।

घोषाल विश्व चैम्पियनशिप के प्री क्वार्टर फाइनल में हारे

कैरो, एजेंसी। भारत के शीर्ष स्क्वाश खिलाड़ी सौरव घोषाल यहां विश्व चैम्पियनशिप के प्री क्वार्टरफाइनल में दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी मुस्तफा असल से सीधे गेम में हारकर बाहर हो गये। भारतीय खिलाड़ी को मिस्र के तेजी से उभरते हुए खिलाड़ी से 2-11, 7-11, 3-11 से हार का सामना करना पड़ा। घोषाल ने पहली बार न्यूयॉर्क में 'टूनार्मेंट ऑफ चैम्पियंस' के सेमीफाइनल में जगह बनायी थी जिसके बाद वह यहां विश्व चैम्पियनशिप के लिये पहुंचे। दुनिया के 17वें नंबर के खिलाड़ी घोषाल बुधवार रात अपने से 14 साल छोटे खिलाड़ी से पराजित हो गये। महिलाओं के ड्रा में जोशना चिनप्पा को 'फूड प्वाइजनिंग' के कारण मिस्र की रोवान इलारबी के खिलाफ राउंड 16 के मुकाबले से हटना पड़ा।

शहर में विजय परेड के साथ जश्न मनाएगा लिवरपूल

लिवरपूल, एजेंसी। लिवरपूल अपने सफल सीजन का जश्न शहर में विजय परेड के साथ मनाएगा, भले ही वे प्रीमियर लीग और चैंपियंस लीग में अच्छा प्रदर्शन ना करे, लेकिन फिर भी वह अपने पिछले जीत का जश्न मनाएंगे। लिवरपूल के मेयर जोआन एंडरसन ने सीजन के संभावित परिणाम की तैयारी के लिए क्लब को पहले से ही एक विजय परेड में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया था, लेकिन पिछले शनिवार की वेम्बली जीत के बाद इसे काराबाओ कप के अलावा एफए कप को शामिल करने के लिए बढ़ा दिया गया है।

मैं जीवन के उस पड़ाव में हूं जहां फील्ड पर उत्साह या निराशा नहीं ढूंढता : कोहली

मुंबई, एजेंसी। आईपीएल में खराब दौर से गुजर रहे पूर्व कप्तान विराट कोहली ने कहा है कि वह अपने जीवन के 'सबसे सुखास्पद पड़ाव' में हैं और फील्ड पर क्या होता है उसमें वह 'उत्साह या निराशा' नहीं ढूंढते। साथ ही उन्होंने कहा है कि आईपीएल में लगभग नौ सीजन बाद सिर्फ.एक खिलाड़ी के रूप में खेलते हुए भी वह एक ज़िम्मेदार सीनियर खिलाड़ी की भूमिका निभा रहे हैं और कप्तान फाफ डुप्लेसी को सुझाव देने से नहीं कतराते हैं।

स्टार स्पोर्ट्स पर 'इनसाइड आरसीबी' कार्यक्रम पर कोहली ने कप्तानी त्यागने के बाद खेलने के बारे में कहा, 'सच कहूं तो यह थोड़ा अलग है। मैं यह नहीं कहूंगा कि यह कठिन है क्योंकि आप लगातार प्रक्रिया में योगदान देते रहते हैं। सौभाग्य से फाफ और मुझमें दोस्ती हमेशा अच्छी रही है। टीम में एक नेतृत्व समूह है जिसमें हम सब अपने सुझाव देते हैं। मैदान पर भी जब फाफ आउटफील्ड में होते हैं तो उन्होंने मुझे

कोण और खिलाड़ियों के स्थान में छोटे-मोटे परिवर्तन करने की छूट दे रखी है। ऐसा मैं एमएस (धोनी) के साथ खेलते हुए भी किया करता था। एक ज़िम्मेदार सीनियर खिलाड़ी के तौर पर खेल में अधिक योगदान देने और कप्तान को सुझाव देने में मुझे बहुत मजा आता रहा है और यहां भी ऐसा ही है।'

कोहली ने आईपीएल 2022 के पहले 13 मैचों में केवल 236 रन बनाए हैं और सीजन के बीच ओपनर के रूप में खेलते हुए भी उनके प्रदर्शन में खासा फर्क नहीं पड़ा है। वह कुल छह बार 10 से कम के स्कोर पर आउट हुए हैं और इसमें तीन गोल्डन डक शामिल हैं जहां गेंदबाजो ने उन्हें उनकी पारी की पहली गेंद पर पवेलियन भेज दिया है। केवल एक अर्धशतक लगाने के बावजूद कोहली ने इस पड़ाव पर एक दार्शनिक दृष्टिकोण दिखाते हुए कहा, 'भले ही यह अनुभव हो या इससे पहले घटे अनुभव, मैं उनकी वजह से खुद को ज्यादा मूल्यवान मानता हूं। मैं वास्तव में अपने जीवन के सबसे सुखास्पद पड़ाव पर हूं और मुझे मैदान पर घट रही चीजों में कोई मोल या आत्म मूल्य नहीं दिखाई देता। इसका मतलब यह नहीं कि मुझमें सफल होने की भूख नहीं रही। जिस दिन वह भूख चली जाएगी मैं यह गेम छोड़ दूंगा। मैं केवल अपने जीवन के सबसे संतुलित जगह पर हूं जहां मैदान पर घटनाओं से मैं उत्साहित या निराश नहीं होता।

अमेरिकी फुटबॉल ने पुरूष और महिलाओं का वेतन बराबर किया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी फुटबॉल महासंघ (यूएसएसएफ) ने पुरूषों और महिला टीमों को एक समान भुगतान करने का समझौता किया जिससे अमेरिकी राष्ट्रीय संचालन संस्था खेल में दोनों वर्गों के लिये बराबर राशि देने वाली पहली संस्था बन गयी। महासंघ ने बुधवार को दोनों राष्ट्रीय टीमों के संघों के साथ दिसंबर 2028 तक समझौता किया जिससे वर्षों से अकसर होने वाली तीखी बहस भी खत्म हो गयी। अमेरिका की सफल महिला टीम की स्टार खिलाड़ी एलेक्स मोर्गन और मेगान रापिनो 2019 में महिला विश्व कप चैम्पियनशिप दिलाने में अहम रही थीं और दोनों लैंगिक समानता की लड़ाई की अगुआ भी रही। अमेरिकी महिला खिलाड़ियों ने जब फ्रांस में खिताब जीता था तो बराबर वेतन का मुद्दा काफी सुर्खियों में रहा था। अमेरिकी फारवर्ड मारग्रेट पर्स ने कहा, मुझे लड़कियों के लिये बहुत गर्व महसूस हो रहा है जिन्हें इसके लिये लड़ना नहीं होगा बल्कि उनकी अहमियत को पहचान मिलेगी। हालांकि मेरे पिता हमेशा मुझसे कहते कि आप जो करते हो, उसके लिये तुम्हें पुरस्कृत नहीं किया जाता है। लेकिन आपको पुरूष और महिलाओं को एक समान वेतन देना चाहिए। उन्होंने कहा, मैं आपको कोई स्टार नहीं दे रही हूं, लेकिन मैं इस उपलब्धि के लिये आभारी हूं और उन सभी लोगों की भी जिन्होंने एक साथ मिलकर इसे संभव बनाया।

शायद सबसे बड़ा झटका विश्व कप की पुरस्कार राशि थी जो टूनार्मेंट में टीमों के सफर पर आधारित थी।

स्टोइनिस ने केकेआर पर मिली जीत का श्रेय एविन लुईस को दिया

नवी मुंबई, एजेंसी। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मिली 2 रनों की जीत का श्रेय एविन लुईस को दिया, जिन्होंने आखिरी ओवर की पांचवीं गेंद पर खतरनाक रिंकू सिंह का कैच लेकर एलएसजी को जीत दिलाई।

केकेआर के बल्लेबाज रिंकू सिंह ने 15 गेंदों पर 40 रन की पारी खेली, जिससे मैच एक समय कोलकाता के पक्ष में आ गया था, केकेआर को जब दो गेंदों पर तीन रन चाहिए थे, तभी स्टोइनिस की गेंद पर एविन लुईस ने एक असाधारण कैच लेकर रिंकू को पवेलियन भेज दिया। अंतिम गेंद पर स्टोइनिस ने उमेश यादव को बोल्ड कर अपनी टीम को 2 रन से जीत दिला दी। मैच के बाद स्टोइनिस ने कहा, शुरूआत में, मेरी भावना थी कि मुझे बीच से गेंदबाजी करनी चाहिए थी। ओवर की शुरूआत में आप परिस्थितियों के हिसाब से खेलते हैं, आप उस दिशा में जाते हैं जिसे आप गेंदबाजी करना पसंद करते हैं और जो आपके लिए काम करता है। लेकिन जैसै-जैसे चीजें आगे बढती हैं गेंदबाजों का काम थोड़ा मुश्किल हो जाता है। यह मेरे लिए सीख है। उन्होंने काह, हम अभ्यास में हमेशा कुछ लक्ष्य रखते हैं, जैसे बल्लेबाजों के पैरों पर, स्टंप पर, गेंद फेंकना। हम एविन लुईस को मैन ऑफ द मैच दे रहे हैं, जिनके कैच ने मैच बदल दिया। टीम कांफ्रेंस में हर कोई एक इनपुट लेना चाहता है। लेकिन अंत में आपको वह गेंदबाजी करनी होगी जो आपको लगता है कि आपकी सर्वश्रेष्ठ गेंद है। मैच की बात करें तो एलएसजी ने इस मुकाबले में डी कॉक (140) और कप्तान केएल राहुल (68) के बेहतरीन बल्लेबाजी की बदौलत निर्धारित 20 ओवरों में बिना किसी नुकसान के 210 रन बनाए।

शॉ और पंत भारत को विश्व की नंबर एक टेस्ट टीम बना सकते हैं : सहवाग

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय कप्तान वीरेंद्र सहवाग ने यह दावा किया है कि पृथ्वी शॉ और ऋषभ पंत भारत को टेस्ट क्रिकेट पर राज करने और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीतने में मदद कर सकते हैं। साथ ही सहवाग का मानना है कि पंत का करियर ठीक उनके जैसा ही है।

स्पोर्ट्स18 चैनल के एक कार्यक्रम में यह पूछे जाने पर कि क्या पंत का करियर उनके जैसा था, जहां एकदिवसीय और टी20 में सीमित सफलता थी लेकिन टेस्ट में उन्हें काफी सफलता मिली थी? सहवाग इस बात पर सहमति जताते हुए कहते हैं कि अगर पंत सीमित ओवर के क्रिकेट में भी ओपन करते हैं तो उन्हें सफलता जरूर मिलेगी। पंत ने अब तक भारतीय टीम के लिए कुल 30 टेस्ट मैचों

की 51 की पारियों में 40.85 की औसत से 1920 रन बनाए हैं। वनडे में उन्होंने 32.50 की औसत से 715 रन बनाए हैं। वहीं टी20 में उन्होंने भारत के लिए 43 पारियों में 24.39 की औसत से 683 रन बनाए हैं। पंत ने हर फॉर्मेट में अमूमन नंबर चार या पांच पर बल्लेबाजी की है।

सहवाग ने कहा, हम 50 या 100 रन बनाने के लिए सीमित ओवर का क्रिकेट नहीं खेलते। बल्कि हम तेज गति से स्कोर करने के लिए सीमित ओवर का क्रिकेट खेलते हैं। इस प्रारूप के क्रिकेट में विपक्षी टीम या बोलर के बारे में सोच कर नहीं खेला जाता। नंबर 4 या 5 पर वह खुद्र को ऐसी स्थितियों में पाएंगे जो अधिक जिम्मेदारी की मांग करते हैं, लेकिन अगर वह खुल कर खेलते हैं, या कम दबाव वाली परिस्थिति में खेलते हैं तो वह अधिक सफल होंगे।

सहवाग भविष्य में शॉ को भी एक बेहतर खिलाड़ी के रूप में देखते हैं। सहवाग ने कहा, 'वह ऐसे खिलाड़ी हैं जो टेस्ट क्रिकेट में उत्साह वापस ला सकते हैं। विपक्ष को सोचना होगा कि अगर शॉ और पंत बल्लेबाजी क्रम में हैं तो क्या 400 रन पर्याप्त होंगे। इस कार्यक्रम में सहवाग ने विराट कोहली और सौरव गांगुली की कप्तानी के बारे में भी एक तुलनात्मक टिप्पणी की।

सहवाग ने कहा गांगुली ने एक नई टीम बनाई, नए खिलाड़ियों को टीम में लाया और उनके उतार-चढ़ाव में उनका समर्थन किया। मुझे संदेह है कि क्या कोहली ने अपने कार्यकाल के दौरान शायद ही ऐसा किया हो।